बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले मे प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 01 सितम्बर 2026 | दिन - मंगलवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 216 | मूल्य - 5 रुपये

प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से अंतहीन युद्ध को खत्म करने की ओर बढ़ने का आग्रह किया..

बिश्केक, (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को रूस-यूक्रेन संघर्ष को तुरंत खत्म करने की अपील करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा कि वह ''अंतहीन युद्ध को समाप्त करने'' की ओर बढ़ें। उन्होंने कहा कि संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान मानवता की साझा प्राथमिकता है।

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के मौके पर पुतिन के साथ बैठक में मोदी ने कहा कि युद्ध का हर दिन मानवता को पीछे ले जाता है। उन्होंने कहा कि गांधी और बुद्ध की धरती भारत शांति के सभी प्रयासों का समर्थन करता है और आगे भी करता रहेगा। दोनों नेताओं ने व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा व उर्वरक सुरक्षा समेत विभिन्न क्षेत्रों में जारी सहयोग पर भी विस्तार से चर्चा की।

मोदी ने बैठक में टेलीविजन पर प्रसारित अपने शुरुआती संबोधन में कहा, ÷हमने हमेशा यूक्रेन मुद्दे पर चर्चा की है। जब हमारी पिछली मुलाकात हुई थी, तब आपने मुझे इसके सभी पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी थी। भारत शांति के सभी प्रयासों का समर्थन करता है और आगे भी करता रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, ÷युद्ध काल का हर दिन मानवता को पीछे धकेलता है, जबकि शांति की दिशा में उठाया गया हर कदम मानवता में नयी आशा और उत्साह भरता है। हमें अंतहीन युद्ध से... युद्ध की समाप्ति की ओर बढ़ना होगा, जो मानवता के कल्याण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, सभी मुद्दों का जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान मानवता की पुकार है और यही भारत का संदेश भी है। गांधी और बुद्ध की धरती का एक ही संदेश है- शांति का मार्ग। मोदी पुतिन की लिमोजिन कार से नोमैड गेम्स के आयोजन स्थल तक साथ गए। टेलीविजन फुटेज में दोनों नेताओं को खेलों के उद्घाटन समारोह के लिए संयुक्त रूप से प्रवेश करते हुए देखा गया। पिछले साल चीन के तियानजिन में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान भी दोनों नेता एक ही कार से गए थे। पुतिन कुछ दिन बाद वार्षिक ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आएंगे, जिससे पहले दोनों के बीच यह मुलाकात हुई है। प्रधानमंत्री ने रूसी राष्ट्रपति की पिछले साल की नयी दिल्ली यात्रा का भी उल्लेख किया।

मोदी ने कहा, ÷पिछले साल आपकी भारत यात्रा बहुत सफल और वास्तव में यादगार रही। हमारे लिए यह गहरे संतोष की बात है कि हमारा सहयोग लगातार नयी ऊंचाइयों को छू रहा है और हम दोनों देशों के लोगों के कल्याण के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ÷राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देना हमारा साझा दृष्टिकोण रहा है और भविष्य में भी यही हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत रहेगा। वहीं पुतिन ने कहा कि विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त साझेदारी के आधार पर रूस-भारत संबंधों में मजबूती आई है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि दोनों नेताओं के बीच व्यापार पर चर्चा हुई, जिसमें रूस में कई क्षेत्रों में भारतीय निर्यात बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। विदेश सचिव ने यह भी कहा कि पिछली बैठक के बाद से रूस में भारतीय उत्पादों के लिए गैर-शुल्क बाधाओं और बाजार पहुंच जैसे मुद्दों के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। मिसरी ने कहा कि मोदी और पुतिन ने यूक्रेन मुद्दे पर भी चर्चा की और प्रधानमंत्री ने इसे सुलझाने के लिए बातचीत और कूटनीति के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मोदी ने ÷अंतहीन युद्ध से... युद्ध की समाप्ति की ओर बढ़ने÷ की जरूरत पर जोर दिया। विदेश सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह भी दोहराया कि भारत अपनी ओर से संघर्ष को समाप्त करने के लिए हर संभव और जरूरी कदम उठाने को तैयार है, क्योंकि इसका वैश्विक समुदाय पर बहुत बड़ा असर पड़ रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मोदी और पुतिन ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, आवाजाही और लोगों के बीच संबंधों समेत कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने 24 अगस्त को मॉस्को में हुई 27वीं भारत-रूस अंतर-सरकारी व्यापार, आर्थिक और सांस्कृतिक आयोग की बैठक के परिणामों का स्वागत किया।

उसने कहा कि मोदी और पुतिन ने बहुपक्षीय मंचों, विशेष रूप से ब्रिक्स में भारत-रूस सहयोग पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र के संघर्षों समेत आपसी हितों से जुड़े प्रमुख क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर भी विचार साझा किए। इन मुद्दों के कारण समुद्री व्यापार और भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर असर पड़ा है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने दोहराया कि संघर्षों के समाधान के लिए बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने का रास्ता है। बयान में कहा गया है, ÷दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई। यह साझेदारी लगातार बढ़ रही है और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भी मजबूती दिखा रही है।

उप्रः मां की डांट से 15 वर्षीय लड़की गुस्से में पानी की टंकी पर चढ़ी, पुलिस ने उतारा..

गोरखपुर, (भाषा)।

गोरखपुर में मां की कथित डांट से नाराज 15 वर्षीय एक लड़की रविवार दोपहर महादेव झारखंडी कॉलोनी में पानी की टंकी पर चढ़ गई, जिससे इलाके में अफ्रा-तफ्री मच गई। पुलिस ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया। पुलिस के मुताबिक, लड़की पैर लटकाकर पानी की टंकी पर बैठी थी, जिससे वहां से गुजर रहे लोगों का ध्यान उसकी ओर गया। पुलिस ने बताया कि आवास विकास, शिवपुर में रहने वाली लड़की अपराह्न करीब डेढ़ बजे टंकी पर चढ़ी थी और स्थानीय लोगों व पुलिस के बार-बार अनुरोध के बावजूद उसने नीचे आने से इनकार कर दिया था। इस बीच मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए और पुलिस अधिकारी उसे समझाने का प्रयास करते रहे। एहतियात के तौर पर लड़की को गिरकर घायल होने से बचाने के लिए टंकी के नीचे गद्दे बिछाए गए और करीब तीन घंटे के प्रयास के बाद उपनिरीक्षक जागृति खरवार ने लड़की को बातचीत में उलझाए रखा, फिर टंकी पर चढ़कर उसका विश्वास जीता। पुलिस ने बताया कि उपनिरीक्षक खरवार ने नाबालिग का हाथ पकड़ लिया और अन्य सहकर्मियों की मदद से उसे सुरक्षित नीचे ले आईं।

सुभाष चंद्र की 6.5 करोड़ रुपये की पुनर्भुगतान योजना पर फैसले के लिए 5 सदस्यीय पीठ गठित..

नई दिल्ली, (भाषा)।

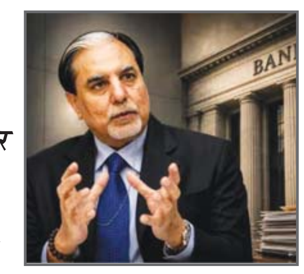

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने सोमवार को एस्सेल समूह के चेयरमैन सुभाष चंद्रा की व्यक्तिगत दिवाला मामले में पुनर्भुगतान योजना पर फैसला करने के लिए पांच सदस्यीय पीठ का गठन किया। यह मामला 22,000 करोड़ रुपये से अधिक के दावों से जुड़ा है।

दो सदस्यीय पीठ के बहुमत के फैसले पर नहीं पहुंच पाने के बाद यह कदम उठाया गया। दो सदस्यीय पीठ ने तीसरे न्यायाधीश को मामला भेजे जाने के बावजूद प्रस्तावित 6.5 करोड़ रुपये की पुनर्भुगतान योजना पर बहुमत से सहमति नहीं बन पाने के बाद एस्सेल समूह के चेयरमैन के खिलाफव्यक्तिगत दिवाला मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए न्यायाधिकरण के अध्यक्ष के पास भेज दिया था। न्यायाधिकरण के इतिहास में पहली बार गठित पांच सदस्यीय पीठ की अध्यक्षता अध्यक्ष न्यायमूर्ति अनूपिंदर सिंह ग्रेवाल करेंगे। पीठ के अन्य सदस्य बचु वेंकट बालाराम दास, महेंद्र खंडेलवाल, अतुल चतुर्वेदी और रवींद्र चतुर्वेदी हैं।

पीठ मंगलवार पूर्वाह्न सवा दस बजे न्यायाधिकरण की प्रधान पीठ के समक्ष मामले की सुनवाई शुरू करेगी। न्यायाधिकरण के न्यायिक सदस्य अशोक कुमार भारद्वाज और तकनीकी सदस्य रीना सिन्हा पुरी की पीठ ने बहुमत न बन पाने की स्थिति में मामले को एनसीएलटी अध्यक्ष के पास भेज दिया। चार साल से चल रहे मामले को मूल पीठ के दोनों सदस्यों के बीच मतभेद के बाद इसे तीसरे सदस्य नीलेश शर्मा के पास भेजा गया था। शर्मा ने 25 अगस्त को 144 पन्नों के अपने आदेश में करीब 22,006.57 करोड़ रुपये के ऋणदाताओं के दावों के मुकाबले चंद्रा की व्यक्तिगत दिवाला समाधान योजना के तहत 6.5 करोड़ रुपये के भुगतान को मंजूरी दी थी। इस तरह कर्जदाताओं को बकाया राशि का करीब 99.97 प्रतिशत नुकसान (हेयरकट) उठाना था। नियम के तहत तीसरे सदस्य की राय को मूल पीठ के पास औपचारिक आदेश के लिए भेजा गया था। हालांकि, सोमवार को मूल पीठ ने कहा कि तीसरे सदस्य ने दोनों सदस्यों से अलग स्वतंत्र राय दी है और इस कारण मामले में कोई बहुमत की राय नहीं बन सकी। पीठ ने कहा कि तकनीकी सदस्य ने समाधान योजना को खारिज किया था, जबकि न्यायिक सदस्य ने इसकी मंजूरी को केवल उन ऋणदाताओं तक सीमित रखा था जिन्होंने इसे स्वीकार किया था और असहमत ऋणदाताओं को चंद्रा से अपनी रकम वसूलने की स्वतंत्रता दी थी। पीठ ने कहा कि तीसरे सदस्य ने सभी ऋणदाताओं पर दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 115(1) समान रूप से लागू करते हुए योजना को मंजूरी दी और सभी ऋणदाताओं के दावों को समाप्त कर दिया। मामले में मतभेद आईबीसी की धारा 79(2)(जी) की व्याख्या और इसे धारा 115(1) के साथ पढ़े जाने को लेकर है। धारा 115(1) ऋणदाताओं द्वारा पुनर्भुगतान योजना को मंजूरी देने की प्रक्रिया से संबंधित है। चंद्रा की समाधान योजना में करीब 22,006.57 करोड़ रुपये के स्वीकृत दावों के मुकाबले ऋणदाताओं को 6.25 करोड़ रुपये लौटाने और प्रक्रियागत खर्च के लिए 25 लाख रुपये देने का प्रस्ताव है। तीसरे सदस्य शर्मा ने योजना को मंजूरी देते हुए कहा था कि चंद्रा की व्यक्तिगत संपत्ति का मूल्य योजना के तहत प्रस्तावित राशि से भी कम है और योजना खारिज होने की स्थिति में ऋणदाताओं के लिए अधिक वसूली की संभावना नहीं रह जाएगी।

2 मंगलवार 01 सितम्बर 2026

जग प्रेरणा live शहर बालाघाट

● गर्रा ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोंगलई

बालाघाट जिले में रोज हो रही आदिवासी बच्चों की मौत के लिये

दोषी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कर बर्खास्त करें - श्याम पंजवानी

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले के बैहर और परसवाड़ा क्षेत्र में आदिवासी ग्रामों में अब तक 29 बच्चों की मौत हो चुकी है, इस मामले में सीधे तौर पर टीकाकरण अधिकारी के रुप में तथा जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के रुप में डॉ. परेश उपलप दोषी है, तथा परेश उपलप के कारनामों की जांच करते हुए उसे पदमुक्त करते हुए डॉ. परेश उपलप एवं अन्य सभी दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों

पर गैर ईरादतन हत्या का अपराध दर्ज करते हुए उन्हें बर्खास्त किया जाए, यह मांग आज बालाघाट में शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस कमेटी द्वारा आंदोलन करते हुए ज्ञापन के माध्यम से की गई। बालाघाट में आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष अनिल बनोटे एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी (शहर) के अध्यक्ष श्याम पंजवानी के नेतृत्व में आंदोलन करते हुए कांग्रेस नेताओं ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप के कार्यालय का पुतला दहन किया एवं डॉ. उपलप का पुतला दहन करते हुए कार्यवाही की मांग की। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी भी की और जिला पुलिस अधीक्षक, बालाघाट को ज्ञापन सौंपा।

बोले श्याम पंजवानी..

शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने कहा कि बैहर क्षेत्र में अब तक 29 मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है, और रोजाना मौत का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। जिले में यह स्थिति अत्यंत गंभीर एवं चिंताजनक है। पंजवानी ने कहा कि तत्कालीन टीकाकरण अधिकारी परेश उप्पल के कार्यकाल के दौरान टीकाकरण व्यवस्था में कथित लापरवाही तथा आवश्यक टीकाकरण पूर्ण नहीं होने की गंभीर शिकातयें सामने आ रही है। इसी प्रकार पीएचई अधिकारी बी.एल. उईके तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी देवेंद्र सुन्द्रियाल की भूमिका एवं जिम्मेदारी की भी निष्पक्ष जांच की आवश्यकता साफ दिखाई दे रही है।

कांग्रेस नेताओं ने मांग की है कि 29 बच्चों की मौत की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा तत्कालीन टीकाकरण अधिकारी की भूमिका और जिम्मेदारी तय की जाए। इसके साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी की भी जांच कर दोषियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि जांच में किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही, कर्तव्य में गंभीर चूक अथवा अन्य आपराधिक जिम्मेदारी प्रमाणित होती है, तो उसके विरुद्ध गैर इरादतन हत्या सहित लागू कानूनी धाराओं में एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही पूरे मामले में संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने और दोषी व्यक्तियों को संरक्षण नहीं देने की मांग की गई है।

कांग्रेस ने मृत बच्चों के परिवारों को न्याय एवं उचित सहायता उपलब्ध कराने तथा जांच की कार्रवाई एवं निष्कर्ष को सार्वजनिक करने की मांग भी रखी है। नेताओं ने स्पष्ट कहा कि 29 मासूम बच्चों की मौत के मामले को दबाया नहीं जाना चाहिए और निष्पक्ष जांच के बाद दोषियों की जवाबदेही तय कर कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

यह रहे उपस्थित..

कांग्रेस द्वारा किये गए प्रदर्शन के दौरान प्रमुख रुप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता रहीम खान, शमीम सिद्दीकी, पन्ना शर्मा, रामभाऊ पंचेश्वर, वारासिवनी के कांग्रेस नेता जावेद अली, पार्षद कारो लिल्हारे, अल्ला रक्खा, पार्षद प्रवीण मदनकर, संतोष बाहेश्वर, जीतु बर्वे, रामसिंग भाटिया, जयकृष्ण डिंगरु, पूर्व पार्षद निर्मल सोनी संहित अनेक कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

बालाघाट में कांग्रेस ने डॉ. परेश उपलप का पुतला फूंका, कार्यालय का घेराव कर की सेवामुक्त करने और गिरफ्तार करने की मांग..

कांग्रेस के चारो विधायक फिर रहे आंदोलन से नदारद..

गौरतलब है कि बालाघाट में जब भी कांग्रेस का कोई प्रदर्शन होता है, और उसमें पुतला दहन या किसी तरह की आक्रामकता के साथ प्रदर्शन किया जा रहा होता है, तब इस स्थिति में कांग्रेस के बालाघाट जिले में चार विधायक होने के बाद भी प्रदर्शन में शामिल नहीं होते। यहां उल्लेखनीय है कि जब बारी आती है कि कार्यकर्ताओं के पुलिस के डंडे खाने की, और गिरफ्तारी देने की, तब विपक्षी नेताओं के निशाने पर आने से बचते हुए कांग्रेस के विधायक हमेशा गायब रहते हैं। एक तरफ जहां बालाघाट में मुख्यमंत्री मोहन यादव के आगमन पर कांग्रेस के नेताओं ने किसी भी तरह से कोई प्रदर्शन नहीं किया, और स्वयं जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक संजय उईके तथा विधायक मधु भगत मुख्यमंत्री के इर्द गिर्द नजर आए, जबकि विपक्ष के विधायक होने के नाते उन्हें जनता की लड़ाई लड़ने की जरुरत थे, लेकिन कांग्रेस के विधायक भाजपा सरकार के मुखिया के साथ ऐसे करीब नजर आए कि मानो वे विपक्षी कांग्रेस के नहीं भाजपा के विधायक हैं या फिर माना जा सकता है कि कांग्रेस को धोखा देते हुए भविष्य में कांग्रेस के ये विधायक भी भाजपा के पाले में जाने के लिये बेकरार हों। बहरहाल बालाघाट में भी कांग्रेस की स्थानीय विधायक अनुभा मुंजारे भी जहां प्रदर्शन में शामिल नहीं हुई, वहीं वारासिवनी विधायक विवेक पटेल भी अधिकांशतः कांग्रेस के प्रदर्शनों से दूर दिखाई देते हैं, और आज भी फिर ऐसा ही हुआ, जिसको लेकर कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों में चर्चाओं का बाजार गर्म रहा।

संक्षिप्त समाचार..

सेवानिवृत कर्मचारी रामप्रसाद बोरीकर का निधन, गृह ग्राम में किया अंतिम संस्कार

जगप्रेरणा बालाघाट। जनपद पंचायत बालाघाट से सेवानिवृत कर्मचारी रामप्रसाद बोरीकर उम्र करीब 63 वर्ष निवासी छोटा रजेगांव महाराष्ट्र हाल मुकाम वार्ड नंबर 11 भटेरा चौकी का 30 अगस्त की दोपहर बीमारी के चलते निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार सोमवार को उनके गृह ग्राम छोटा रजेगांव में किया गया। इस अवसर पर काफी संख्या में स्थानीयजन व रिश्तेदार मौजूद रहे। स्वर्गीय रामप्रसाद के दो बेटे व दो बेटियां है। वे अपने पीछे मां व पत्नि सहित भरा पूरा परिवार छोड़ इस दुनिया से अलविदा हो गए। उन्होंने करीब 35 वर्ष से अधिक बालाघाट जनपद पंचायत में अपनी सेवाएं दी थी।

शहीद शंकरशाह व रघुनाथशाह के बलिदान दिवस पर विशाल आदिवासी मेला 19 को..

जगप्रेरणा बालाघाट। बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में अमर शहीद राजा शंकरशाह, कुंवर रघुनाथशाह का 196 वां बलिदान दिवस पर विशाल आदिवासी मेले का आयोजन 19 सितम्बर को स्थानीय कमला नेहरू प्रांगण में किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इंजी. रामजी गौतम राज्यसभा सांसद एवं केंद्रीय कोऑडीनेटर व कार्यक्रम अध्यक्ष इंजी. महेन्द्र बसपा जिलाध्यक्ष रहेंगे। विशिष्ठ अतिथि के रूप में मोहित आनंद केंद्रीय प्रदेश प्रभारी बसपा, जियालाल अहिरवार प्रदेशाध्यक्ष, कमलेश कुमार प्रदेश प्रभारी, पूर्णेन्द्र अहिरवार मध्यप्रदेश प्रभारी, जोन प्रभारी भोपाल उमाकांत बंदेवार, ज्ञानेश्वर गजभिए, सचिन बौद्ध उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर लोगों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील बसपा जिला महासचिव एड. राज्यपाल ऊके सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के कंट्रोल रूम का एसडीएम बैहर ने किया निरीक्षण

जगप्रेरणा बालाघाट। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैहर अनिकेत शांडिल्य (आईएएस) ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बीमारी प्रभावित क्षेत्रों की सतत निगरानी एवं समन्वय के लिए स्थापित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री देवेंद्र सुंदरियाल सहित कंट्रोल रूम की टीम उपस्थित रही। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने कंट्रोल रूम की गतिविधियों एवं राहत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को नियमित पौष्टिक नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध कराने, गंभीर तीव्र कुपोषित बच्चों की सतत निगरानी एवं फॉलोअप तथा प्रभावित क्षेत्र की 15 कि.मी. परिधि में निवासरत बीमार बच्चों की दैनिक मॉनिटरिंग की जानकारी ली। कंट्रोल रूम के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले के साथ समन्वय स्थापित कर बीमार बच्चों को त्वरित चिकित्सा सहायता एवं आवश्यक रेफरल सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। एसडीएम ने कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली का अवलोकन करते हुए प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर सतर्कता और बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण संरक्षण के लिए विभागीय टीम को निरंतर सक्रिय रहकर कार्य करने पर बल दिया।

अभिषेक सराफ की अव्यवहारिकता, मनमानी, अनियमितता और तानाशाही से परेशान थे सरपंच, सचिव, जिला पंचायत सदस्य भी..

जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ने स्थानांतरित मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ पर अनेक आरोप..

कहा.. सराफ ने पंचायतीराज व्यवस्था को प्रभावित कर जनप्रतिनिधियों के अधिकारों का भी किया हनन, स्थानांतरण के लिये मुख्यमंत्री मोहन यादव का जताया आभार..

जगप्रेरणा बालाघाट।

जिला पंचायत बालाघाट के अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार एवं अन्य जिला पंचायत सभापति व सदस्यों ने स्थानीय सर्किट हाऊस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर स्थानांतरित मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ पर अनियमितता, तानाशाही, मनमानी और अव्यवहारिता के आरोप लगाए, तथा उम्मीद व्यक्त की कि नई मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदया के आगमन पर अब जिला पंचायत में व्यवस्थाएं सुधर सकेंगी, और समन्वय के साथ विकास कार्यों को रफ्तार मिल सकेगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रमुख रुप से श्रीमती केसर बिसेन, डुलेन्द्र ठाकरे, डाली कावरे, मीरा सिंघनधुपे एवं अन्य सदस्य गण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री का जताया आभार..

पत्रकार वार्ता में जिला पंचायत अध्यक्ष सरसवार ने कहा कि अभिषेक सराफ का स्थानांतरण जिला पंचायत बालाघाट से भोपाल किया गया है। उन्होंने कहा कि सीईओ की कार्यप्रणाली, व्यवहार एवं जनप्रतिनिधियों की कथित अवहेलना को लेकर जिला पंचायत सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन, प्रभारी मंत्री सहित वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें बालाघाट से हटाने का अनुरोध किया गया था। मुख्यमंत्री द्वारा भी उन्हें हटाए जाने का आश्वासन दिया गया था, जिसे अब पूरा किया गया है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

पंचायतीराज व्यवस्था को चौपट कर डाला था अभिषेक सराफ ने..

जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ने आरोप लगाया कि सीईओ रहते हुए अभिषेक सराफ की कार्यप्रणाली के कारण जिले में त्रि-स्तरीय पंचायतीराज व्यवस्था प्रभावित हुई और जनप्रतिनिधियों के अधिकारों का कथित रूप से हनन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष व सदस्यों के अधिकारों की भी अनदेखी की गई तथा पंचायतों से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों में जनप्रतिनिधियों की भूमिका को नजरअंदाज किया गया। जिला पंचायत सीईओ को विभिन्न मामलों में कारण बताओ सूचना पत्र दिए जाने के बावजूद उनका जवाब नहीं दिया गया। जिला पंचायत द्वारा लिखे गए पत्रों पर भी अपेक्षित जवाब अथवा कार्रवाई नहीं की गई।

सरपंच-सचिवों को परेशान कर रखा था अभिषेक सराफ ने..

सम्राट सिंह सरसवार ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिवों को अनावश्यक रूप से परेशान किया गया। वहीं उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि न्यायालय से दोषी ठहराए गए सचिवों को उपकृत किया गया, जबकि जिन मामलों में गंभीर शिकायतें सामने आईं, उनमें अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि पंचायतों में कार्रवाई को लेकर भी समानता नहीं बरती गई। सीधे-सादे सरपंचों के खिलाफधारा 40 के तहत कार्रवाई की गई, जबकि गंभीर शिकायतों वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही थी। इसी प्रकार मनमानीपूर्वक कर्मचारियों का स्थानांतरण करना, वित्तिय अनियमितता करना, पारदर्शिता का उल्लंघन किया जा रहा था।

गौण खनिज मद की बैठक में अध्यक्ष को नहीं बुलाने का आरोप

जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि गौण खनिज मद की बैठक में नामांकित सदस्य होने के बावजूद उन्हें बैठक में नहीं बुलाया गया। उन्होंने इसे जनप्रतिनिधियों के अधिकारों की अनदेखी बताते हुए तत्कालीन सीईओ की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने वित्तीय मामलों में भी पारदर्शिता की कमी और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए। साथ ही जिला पंचायत के कर्मचारियों के स्थानांतरण एवं पदस्थापना में भी मनमानी किए जाने का आरोप लगाया।

बिना अनुमोदन उपयंत्रियों के क्लस्टर प्रभार का आदेश जारी करने का आरोप..

जिला पंचायत अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि आरईएस एवं मनरेगा के उपयंत्रियों के क्लस्टर प्रभार से संबंधित फाइल को जिला पंचायत अध्यक्ष के अनुमोदन के बिना ही आदेश जारी कर दिया गया। उन्होंने इसे पंचायतराज व्यवस्था और निर्धारित प्रक्रिया के विपरीत बताते हुए गैर-संवैधानिक कार्य करार दिया। उन्होंने कहा कि पंचायतराज अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कार्य करने के बजाय कई मामलों में नियमों की अनदेखी की गई। इससे पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकारों और जिले की त्रि-स्तरीय पंचायत व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

कई बिंदुओं में गिनाईं कथित अनियमितताएं

पत्रकार वार्ता में जिला पंचायत अध्यक्ष ने तत्कालीन सीईओ के कार्यकाल को लेकर प्रमुख रूप से कई बिंदुओं पर आरोप लगाए। इनमें त्रि-स्तरीय पंचायतीराज व्यवस्था को प्रभावित करने, जिला पंचायत अध्यक्ष के अधिकारों के कथित हनन, पत्रों एवं कारण बताओ नोटिस का जवाब नहीं देने, सरपंच-सचिवों को परेशान करने, दोषी सचिवों को उपकृत करने, गौण खनिज मद की बैठक में अध्यक्ष को नहीं बुलाने, वित्तीय अनियमितता एवं पारदर्शिता की कमी, कर्मचारियों की मनमानी पदस्थापना व स्थानांतरण, सरपंचों पर धारा 40 की कार्रवाई में कथित भेदभाव, पंचायतराज अधिनियम के विपरीत कार्य करने तथा बिना अनुमोदन उपयंत्रियों को क्लस्टर प्रभार देने जैसे आरोप शामिल हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ने कहा कि अब अभिषेक सराफका बालाघाट से स्थानांतरण होने के बाद जनप्रतिनिधियों को उम्मीद है कि पंचायत व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होगी और जनप्रतिनिधियों को उनके अधिकारों के अनुरूप सम्मान एवं सहभागिता मिलेगी। उन्होंने कहा कि पंचायतों के विकास और ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान के लिए जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है।

कर्मचारियो, वकीलो ने भी की थी हड़ताल..

सम्राट सिंह सरसवार ने आगे कहा कि सीईओ अभिषेक सराफ बालाघाट के ऐसे पहले अधिकारी रहे, जिनके खिलाफ कर्मचारियों ने आंदोलन और हड़ताल की, इसके अलावा वकीलों ने भी अभिषेक सराफ के खिलाफ प्रदर्शन किया था।

कलेक्टर कुमार सत्यम ने किया जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के बीच कार्य विभाजन..

जगप्रेरणा बालाघाट। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने प्रशासनिक कार्य व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने की दृष्टि से जिले में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के बीच नये सिरे से कार्य विभाजन किया है। इसके तहत विभिन्न अनुविभागों में अधिकारियों को एसडीएम का दायित्व सौंपा गया है। जारी कार्य विभाजन के अनुसार संयुक्त कलेक्टर श्री विजय सिंह यादव को कटंगी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर श्री कमलचंद सिंहसार को किरनापुर एसडीएम, श्री आदित्य नारायण तिवारी को लांजी एसडीएम तथा श्री श्रीश प्यासी को वारासिवनी एसडीएम का प्रभार सौंपा गया है। इसके साथ ही डिप्टी कलेक्टर श्री श्रीश प्यासी को परसवाड़ा एसडीएम का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

बाघ के आतंक से ग्रामीणों की सुरक्षा का मुद्दा मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया..

विधायक मधु भगत ने कान्हा से लगे गांवों में 15 फीट ऊंची तार फिनिशिंग की मांग रखी

जगप्रेरणा बालाघाट/बिरसा।

परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मधु भगत ने बिरसा विकासखंड के ग्राम कोरखा एवं बोंदारी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगमन पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के साथ-साथ कान्हा नेशनल पार्क से लगे गांवों में बाघ के आतंक से उत्पन्न भय और ग्रामीणों की सुरक्षा का महत्वपूर्ण विषय मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुखता से रखा।

विधायक मधु भगत ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि विगत दिनों ग्राम मालखेड़ी, पर्रापुर, सैला सहित कान्हा नेशनल पार्क से लगे आसपास के कई गांवों में बाघ की लगातार मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का वातावरण बना हुआ है। बाघ के गांवों के आसपास दिखाई देने की घटनाओं के कारण ग्रामीणों को अपने दैनिक कार्यों के लिए भी घर से बाहर निकलने में चिंता बनी रहती है। विशेष रूप से खेतों और जंगल से लगे क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की सुरक्षा एक गंभीर विषय बन गया है।

मधु भगत ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में वन्यजीवों की मौजूदगी को देखते हुए प्रशासन और वन विभाग को स्थायी एवं प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था की दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष कान्हा नेशनल पार्क से लगे ग्राम पंचायत सैला, पर्रापुर, मालखेड़ी तथा अन्य प्रभावित ग्रामों में लगभग 15 फीट ऊंची तार फिनिशिंग किए जाने का प्रस्ताव रखा। विधायक ने बताया कि इस तरह की सुरक्षा व्यवस्था से वन्यजीवों की आवाजाही को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है तथा पार्क से लगे गांवों में रहने वाले ग्रामीणों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए आवश्यक संसाधन एवं स्थायी व्यवस्था उपलब्ध कराना जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधायक द्वारा उठाए गए इस गंभीर विषय को ध्यानपूर्वक सुना तथा ग्रामीणों की सुरक्षा से जुड़े मामले में शीघ्र आवश्यक कार्यवाही किए जाने का आश्वासन दिया।

विधायक मधु भगत ने कहा कि परसवाड़ा क्षेत्र वन एवं वन्यजीवों से समृद्ध है, लेकिन इसके साथ ही यहां रहने वाले ग्रामीणों की सुरक्षा और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वन्यजीव संरक्षण और ग्रामीण सुरक्षा के बीच संतुलन बनाते हुए प्रभावी व्यवस्था तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के ग्रामीणों की समस्याओं, सुरक्षा और मूलभूत आवश्यकताओं को लेकर वे लगातार शासन स्तर पर आवाज उठाते रहेंगे। उनका प्रयास है कि परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों की हर महत्वपूर्ण समस्या को सरकार के समक्ष मजबूती से रखा जाए और उसका शीघ्र समाधान सुनिश्चित हो।

विज्ञापन आमंत्रित है..
मो. हासिब खान
जिला सिवनी
संपर्क - मो. 7898530101

जग प्रेरणा live जिला सिवनी
बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

युवक ने फांसी लगाने से पहले बनाया वीडियो, परिजनों ने की कार्रवाई की मांग

प्रेम प्रसंग और विवाह के बाद विवाद की बात सामने आई, पुलिस ने शुरू की जांच..

जगप्रेरणा सिवनी।

कोतवाली थाना क्षेत्र के कटंगी नाका इलाके में एक युवक ने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले युवक द्वारा सोशल मीडिया पर

वीडियो साझा किए जाने की बात सामने आई है। वीडियो में युवक ने एक युवती पर धोखा देने का आरोप लगाते हुए अपने कदम के लिए उसे जिम्मेदार ठहराने जैसे आरोप लगाए हैं। घटना के बाद मृतक के परिजन शव को लेकर कोतवाली थाना पहुंचे और युवती तथा उसके परिजनों के खिलाफउचित कार्रवाई की मांग की।

बताया गया है कि मृतक की पहचान कपिल भलावी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार कपिल का एक युवती से प्रेम संबंध था और दोनों ने गायत्री मंदिर में विवाह भी किया था। बाद में युवती उसे छोड़कर चली गई। इसके बाद से कपिल तनाव में था। हालांकि, आत्महत्या के वास्तविक कारणों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। मृत्यु से पहले कपिल ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया था। वीडियो में उसने युवती पर धोखा देने का आरोप लगाते हुए अपनी मौत के बाद भी उसे और उसके परिवार को लेकर गंभीर बातें कही हैं। इसके अलावा एक अन्य वीडियो में भी उसने युवती के परिजनों पर आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।

कपिल की मौत की जानकारी मिलने के बाद परिजन शव को वाहन में लेकर कोतवाली थाना पहुंचे। परिजनों ने पुलिस के समक्ष युवती और उसके परिवार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस दौरान कुछ समय तक पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को समझाइश दी। एसडीओपी चंचलेश मरकाम और कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी ने परिजनों से चर्चा कर मामले की जांच का भरोसा दिलाया, जिसके बाद परिजन शव लेकर वापस लौट गए।

कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी ने बताया कि युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। परिजनों ने एक परिवार पर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। प्रारंभिक जानकारी में युवक द्वारा एक युवती से गायत्री मंदिर में विवाह किए जाने और बाद में युवती के अलग हो जाने की बात सामने आई है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस अब मृतक के मोबाइल फोन, सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो, विवाह से संबंधित जानकारी और परिजनों के बयानों के आधार पर घटनाक्रम की जांच कर रही है। जांच में यदि किसी व्यक्ति की भूमिका या आत्महत्या के लिए उकसाने संबंधी तथ्य सामने आते हैं तो उसके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

संत रविदास महाराज की 650 वीं जयंती पर धनौरा पहुंची कलश वंदन एवं समरसता यात्रा

जगप्रेरणा धनौरा बलजीत सिंह।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश में आयोजित कलश वंदन यात्रा एवं समरसता संकल्प अभियान के तहत रविवार को

कलश रथ यात्रा धनौरा पहुंची। यात्रा के धनौरा पहुंचने पर संत रविदास मंदिर, बस स्टैंड में श्रद्धालुओं, अनुयायियों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक बंधुओं ने कलश का पूजन कर संत रविदास महाराज को नमन किया।

संत रविदास महाराज की 650 वीं जयंती के उपलक्ष्य में निकाली जा रही इस यात्रा का उद्देश्य उनके समानता, सामाजिक समरसता और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। आकर्षक रूप से सजाए गए कलश रथ पर '650 वीं जन्म जयंती', 'कलश वंदन यात्रा' एवं 'समरसता संकल्प अभियान' सहित संत रविदास महाराज के संदेशों को प्रदर्शित किया गया था। धनौरा में यात्रा के पहुंचने पर भाजपा के जिला महामंत्री मुकेश बघेल, पूर्व जिला उपाध्यक्ष नवल श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष सुजीत मिश्रा, जनपद सदस्य ममलेश पटेल, भाजपा नेता डॉ. नीलेश जैन, संत कुमार राय, विनय राय, आंचल राय, विनीत जैन सहित भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक बंधु मौजूद रहे। सभी ने कलश का पूजन कर संत रविदास महाराज के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।

इस दौरान उपस्थित लोगों ने संत रविदास महाराज के विचारों को याद करते हुए समाज में भेदभाव समाप्त कर समानता, सद्भाव और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का संदेश दिया। कलश रथ यात्रा के धनौरा पहुंचने से क्षेत्र में संत रविदास जयंती को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला।

ग्लोबल लॉ कॉलेज, सिवनी में विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित..

जगप्रेरणा सिवनी।

ग्लोबल लॉ कॉलेज सिवनी में 31 अगस्त 2026 को विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संविधान, विधिक अधिकारों तथा विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न विधिक सेवाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रवि नायक एवं जिला विधिक अधिकारी सिद्धार्थ शुक्ला जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना के संबंध में महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली, निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, मध्यस्थता तथा समाज के जरूरतमंद एवं कमजोर वर्गों के लिए उपलब्ध विधिक सेवाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। महाविद्यालय की ओर से सलीम सिद्दीकी द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावी संचालन सहायक प्राध्यापिका श्रीमती कविता विजौरिया द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं विधिक जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अतिथियों एवं उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, शिक्षिकाएँ एवं प्रशासनिक स्टाफगरिमामयी रूप से उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विधिक सेवा प्राधिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि न्याय प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है और विधिक जागरूकता ही न्याय तक पहुँच का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम सफल एवं ज्ञानवर्धक रहा।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की बैठक में लिए गये कई महत्वपूर्ण निर्णय..

निजी विद्यालयों की सुरक्षा, गुणवत्ता एवं संगठन विस्तार पर हुई चर्चा..

जगप्रेरणा सिवनी।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की जिला स्तरीय बैठक आशीर्वाद पैलेस, सिवनी में आयोजित हुई। निजी विद्यालयों के संचालक साथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विद्यार्थियों की सुरक्षा, विद्यालय संचालन की गुणवत्ता, शिक्षकों के प्रशिक्षण, संगठन के विस्तार तथा निजी विद्यालयों की समस्याओं को शासन के समक्ष प्रभावी ढंग से रखने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में सर्वसम्मति से लिये गये निर्णय अंतर्गत विद्यार्थियों की सुरक्षा हेतु संस्था द्वारा ÷ग्रीन कार्ड÷ की व्यवस्था करना ताकि अभिभावक द्वारा बच्चे को विद्यालय से ले जाते समय अनिवार्यतः प्रस्तुत किया जा सके, विद्यालय प्रारंभ होने के पश्चात विषम परिस्थितियों में अभिभावक से चर्चा उपरांत ही विद्यार्थी की छुट्टी करना, विद्यालयों के सुचारु एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन हेतु आवश्यक मानकों, व्यवस्थाओं एवं मूलभूत आवश्यकताओं पर विशेष प्रशिक्षण का आयोजन, निजी विद्यालय संचालन में आ रही समस्याओं को शासन के समक्ष रखना, विकासखंड एवं जिला स्तरीय कार्यकारिणी का पुर्नगठन करना, 10 सूत्रीय मांगों को लेकर भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में जिले की सहभागिता, जिला कार्यकारणी में जिलाध्यक्ष, कार्यकारी जिलाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव प्रत्येक विकाखंड से 3 सदस्य को मिलाकर 65 सदस्यीय कार्यकारणी का गठन करना षामिल है।

प्रदेश अध्यक्ष, शैलेष तिवारी के मुख्य आतिथ्य, कार्यकारी जिलाध्यक्ष नरेश सिंह राजपूत की अध्यक्षता में विधिक सलाहकार जनक तिवारी, कोषाध्यक्ष शिवकुमार हीरनखेड़े, घंसौर विकासखंड हीरालाल गोल्हानी, लखनादौन से शैलेन्द्र यादव, धनौरा से नरेश विश्वकर्मा, केवलारी से सुशील तिवारी, कुरई से सीमा गढ़पायले, बरघाट से भुवनेश्वर चौधरी, पवन पारधी एवं सिवनी ब्लॉक से दिनेश चैकसे, नीरज साहू, राजेश बघेल सहित आठों विकासखंड के संचालक साथियों की उपस्थिति रही।

संचालक साथियों ने संगठन को मजबूत बनाने, आपसी समन्वय बढ़ाने तथा निजी विद्यालयों से जुड़े विषयों को एकजुट होकर प्रभावी ढंग से उठाने के लिए अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करने का संकल्प व्यक्त किया। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के जिला मीडिया प्रभारी शुभम सोनी द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार कार्यकारी जिलाध्यक्ष नरेश सिंह राजपूत ने सभी संचालक साथियों से अपने-अपने विकासखंड में होने वाली बैठकों में समस्त संचालकों की सहभागिता सुनिश्चित कर 7 सितंबर से पूर्व कार्यकारिणी का गठन करने का आव्हान किया है।

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

फुलारा मे हर्षोल्लास के साथ मना कजलिया पर्व

जगप्रेरणा सिवनी।

हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी विशाल कजलिया मेला ग्राम फुलारा में आयोजित किया गया। यह कजलिया मेला 136 वर्ष से अपनी प्रथा को कायम रखते हुये स्व.दादू चंद्रिका प्रसाद सक्सेना की स्मृति में बड़े हर्षोल्लाह के साथ मनाया जाता है।

इस वर्ष भी आसपास के समस्त ग्रामीण क्षेत्र के किसान भाइयों, माता बहनों एवं सक्सेना परिवार नेउपस्थित होकर बड़े धूमधाम और हर्ष उल्लास के साथ कजलिया पर्व मनाया द्य जिसमें आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के समाचार प्रतिनिधियों की सहभागिता सराहनीय रही।कार्यक्रम में मंडल प्रतियोगिता आयोजित की गयी।जिसमें प्रथम स्थान राजराजेश्वरी शैला मंडल ग्राम एरपा,द्वितीय स्थान बजरंग शेला मंडल पिपरिया, तृतीय स्थान जय बजरंग शैल मंडल ग्राम कुंडा एवं चतुर्थ स्थान शेला मण्डल ग्राम मरझोर को प्राप्त हुआ। वही कार्यक्रम मे आल्हा गायकी की प्रस्तुति सुनील भाई पीपरढ़ाई एवं शिव राम विश्वकर्मा टिकारी नरेरा की प्रस्तुति सराहनीय रही।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महापर्व को लेकर ग्रामीण अंचलों में घर-घर पहुंच रही जिला यादव महासभा

जगप्रेरणा सिवनी।

जिला यादव महासभा सिवनी द्वारा आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महापर्व को भव्य रूप से मनाने की तैयारियों के साथ जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में पहुंचकर समाज के प्रत्येक परिवार को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित करने का अभियान लगातार जारी है।

इसी क्रम में आज जिला यादव महासभा के अध्यक्ष अरुण कुमार यादव एवं पूर्व उपाध्यक्ष उमेश यादव पूर्व जिला कार्यकारी अध्यक्ष किशोर यादव पूर्व उपाध्यक्ष संजय यादव द्वारा जिले के दूरस्थ अंचलों बेरीनाला, खमरिया, नांदिया, इमलिया, चमारी, धूमा, सिरमंगनी, गणेशगंज एवं बंडोल सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया गया।

समाज के सदस्यों एवं परिवारों से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें जन्माष्टमी महोत्सव का आमंत्रण पत्र प्रदान करते हुए सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर बेरीनाला में शुभम यादव एवं राकेश यादव, वहीं इमलिया, नांदिया एवं चमारी क्षेत्र में सुरेश यादव,उदय नारायण यादव एवं बाबा यादव दुधन यादव सहित अनेक सामाजिक बंधुओं से मुलाकात हुई।

धूमा में ताराचंद्र यादव, कंचन लाल यादव, विनोद यादव, हरिशंकर यादव, प्रमोद यादव, पुन्नू लाल यादव, रामलाल यादव, रितिक यादव, शंभू लाल यादव, अभिषेक यादव, नितेश यादव एवं राधेश्याम यादव सहित समाज के अन्य सदस्यों से मुलाकात कर उन्हें जन्माष्टमी महापर्व का आमंत्रण दिया गया तथा अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया गया।

जिला अध्यक्ष अरुण कुमार यादव ने कहा कि महासभा का प्रयास है कि जन्माष्टमी महोत्सव का आमंत्रण जिले के हर गांव और हर सामाजिक परिवार तक व्यक्तिगत रूप से पहुंचे। ग्रामीण और शहरी समाज की संयुक्त सहभागिता से भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को भव्य स्वरूप देने के साथ सामाजिक एकता और संगठन को और अधिक मजबूत किया जाएगा।

संस्कृत विषय का दिया गया प्रशिक्षण

जगप्रेरणा सिवनी।

समग्र शिक्षा अभियान के तहत जिला शिक्षा विभाग द्वारा जिला कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी अविनाश दीक्षित के मार्गदर्शन में तथा एपीसी के निर्देश पर संस्कृत विषय का प्रशिक्षण विषय विशेषज्ञ नीरज कुमार तिवारी उत्कृष्ट विद्यालय सिवनी एवं अनंत कुमार मिश्रा माध्यमिक शिक्षक घनश्याम मेहर माध्यमिक शिक्षक द्वारा दिया गया इस अवसर पर प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी संजीव राय ने कहा कि बीते वर्षों में संस्कृत विषय का आप लोगों ने अच्छा परिणाम दिया है लेकिन शासन की मंशा है कि इस बार सभी शिक्षक सब प्रतिशत परिणाम दें इस लक्ष्य के साथ अध्यापन कार्य कराया जाए साथ ही संस्कृत विषय को लेकर उन्होंने चिंता व्यक्त की है कि कोई भी कालखंड खाली ना रहे जिससे हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके इस अवसर पर सहायक नोडल अधिकारी कैलाश रैकवार उपस्थित रहे सभी को बैठने की एवं भोजन की उत्तम व्यवस्था की जा रही है।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डॉ. आमिर अंसारी
MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCP
डॉ. समरीन आमिर अंसारी
MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS
मिलने का समय
सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक
विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध
पता- बड़ी ज्यारत डाल्डा फेक्ट्री रोड अकबर वार्ड सिवनी
मो.- 8817448039

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने सरगापुर भव्य शैला नृत्य कार्यक्रम मे किया सहभागिता..

जगप्रेरणा सिवनी।

31/08/2026 को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने ग्राम सरगापुर भव्य शैला नृत्य कार्यक्रम मे सहभागिता कर मनमोहक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। आज सिवनी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम सरगापुर में कजलिया महापर्व के अवसर पर आयोजित पुनेम प्रसंग, भव्य शैला नृत्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाजपा विधायक दिनेश राय मुनमुन ने शिरकत किया और पारंपरिक लोक संस्कृति व आदिवासी कला की मनमोहक प्रस्तुतियों का आनंद लिया।

कार्यक्रम के दौरान नृत्यक दलों ने अपनी पारंपरिक पोशाक में सुसज्जित होकर शैला नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। जिसका विधायक दिनेश राय मुनमुन ने उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हमारी पारंपरिक आदिवासी कला, लोक संस्कृति और लोक परंपराएं हमारी समृद्ध धरोहर है। इन्हें संरक्षित एवं प्रोत्साहित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही आपने समस्त क्षेत्रवासियों को कजलिया महापर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया। तथा आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन हमारी नयी पीढ़ी को अपनी गौरवशाली परंपराओं और संस्कृति से जोडने का महत्व पूर्ण माध्यम है। इसके साथ ही विधायक दिनेश राय मुनमुन ने स्वयं की ओर से शैला नृत्य कार्यक्रम मे प्रथम विजेता मंडल को पुरस्कार प्रदान किया एवं सभी सहभागी मंडलों को 5-5 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि देने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान आयोजन समिति द्वारा विधायक दिनेश राय मुनमुन का अंगवस्त्र भेंटकर व तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, गणमान्य जन और बड़ी संख्या में मातृशक्ति, ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

Associate Dealer
रुसिया मोटर्स हीरो
वारासिवनी Hero
सेल्स । सर्विस । स्पेयर
मो.- 9425822392
विशेष ऑफर 5000/- लाए और आसान किस्तें में गाड़ी ले जाए।
पता - मेन रोड, वारासिवनी

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

तिरोड़ी महाविद्यालय में प्रवेश उत्सव एवं दीक्षारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक गौरव सिंह पारधी

जगप्रेरणा तिरोड़ी/कटंगी।

कटंगी-खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र में विधायक श्री गौरव सिंह पारधी ने मंगलवार को विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर विद्यार्थियों के करियर मार्गदर्शन से लेकर किसानों की सुविधाओं से जुड़े विषयों पर चर्चा की।

तिरोड़ी में महाविद्यालय के कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद किया, वहीं कटंगी कृषि उपज मंडी में नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

विधायक ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ कौशल विकास पर ध्यान देने का संदेश

वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय, तिरोड़ी में आयोजित प्रवेश उत्सव, दीक्षारंभ कार्यक्रम एवं स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम में विधायक श्री गौरव सिंह पारधी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए शिक्षा के साथ कौशल एवं व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। विधायक ने विद्यार्थियों को करियर से संबंधित मार्गदर्शन देते हुए लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने की बात कही। उन्होंने बदलते समय के अनुरूप नए कौशल सीखने और बेहतर करियर के लिए स्वयं को तैयार करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक ने महाविद्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं की जानकारी ली तथा उनके द्वारा रखी गई मांगों के निराकरण के लिए उचित पहल करने की बात कही।

इस अवसर पर जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री सुरेश ठाकुर, भाजपा मंडल अध्यक्ष तिरोड़ी श्री अविनाश देशमुख, भाजपा मंडल अध्यक्ष मेहकर श्री योगेश सोनवाने, सरपंच प्रतिनिधि तिरोड़ी श्री फिरोज खान, श्री मिहिर त्रिवेदी, पूर्व सरपंच श्री विजय कपगते, भाजपा महामंत्री श्रीमती पूजा मिहिर त्रिवेदी, महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती सविता चौहान, सरपंच श्री जागेश डहरवाल, श्री राजा ठाकुर, श्री घांसी बिसेन, प्राचार्य श्री पवन सोनी सहित महाविद्यालय स्टाफएवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विधायक पारधी ने 34 लाख की लागत से बनने वाले कृषि उपज मंडी के नवीन भवन का किया भूमिपूजन

कृषि उपज मंडी कटंगी के नवीन भवन के भूमिपूजन समारोह में विधायक श्री गौरव सिंह पारधी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विधायक श्री पारधी ने नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। नवीन भवन का निर्माण करीब 34 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा।

भूमिपूजन के बाद विधायक ने मंडी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा किसानों एवं मंडी से जुड़े लोगों से चर्चा कर उनकी समस्याओं और आवश्यक सुविधाओं से संबंधित विषयों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक समस्याओं के निराकरण के लिए पहल करने की बात कही।

किसानों की सुविधा और मंडी व्यवस्था में सुधार पर रहेगा जोर

विधायक श्री पारधी ने कहा कि कृषि उपज मंडी किसानों के लिए महत्वपूर्ण स्थान है, जहां किसान अपनी मेहनत से तैयार की गई उपज लेकर पहुंचते हैं। मंडी में आने वाले किसानों को अपनी उपज के विक्रय, उचित सुविधाओं, बैठने, पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक सुधार एवं सुविधाओं पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंडी की व्यवस्थाओं को किसानों की जरूरतों के अनुरूप बेहतर बनाने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। भूमिपूजन समारोह में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कविता अरविंद देशमुख, जिला पंचायत सभापति श्रीमती केशर बिसेन, नगर परिषद उपाध्यक्ष श्रीमती धर्मकला कामराज देशमुख, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष श्री मेष देशमुख, पूर्व मंडी अध्यक्ष श्रीमती भागेश्वरी तुरकर, श्री ईश्वरी प्रसाद बिसेन, श्री राजकुमार तरवरे, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा श्री भोजराज देशमुख, मंडल अध्यक्ष भाजपा श्री सौरभ ठाकरे, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे।

छात्रों को कौशल विकास का मंत्र, किसानों को सुविधा का वादा - विधायक गौरव पारधी का तिरोड़ी-कटंगी दौरा

तिरोड़ी कॉलेज में दीक्षारंभ कार्यक्रम में लिया हिस्सा, कटंगी में 34 लाख की लागत से बनेगा कृषि उपज मंडी का नया भवन

जगप्रेरणा कटंगी।

कटंगी-खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के विधायक गौरव सिंह पारधी मंगलवार को तिरोड़ी और कटंगी के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने शिक्षा से लेकर किसान हित तक जुड़े कार्यक्रमों में शिरकत की।

तिरोड़ी स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय में आयोजित प्रवेश उत्सव, दीक्षारंभ एवं स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम में विधायक मुख्य रूप से शामिल हुए। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केवल डिग्री से काम नहीं चलेगा, बदलते दौर में शिक्षा के साथ कौशल विकास और व्यक्तित्व विकास सबसे जरूरी है। विद्यार्थी लक्ष्य तय कर निरंतर मेहनत करें। विधायक ने महाविद्यालय परिसर का निरीक्षण भी किया और छात्र-छात्राओं से उनकी समस्याओं और जरूरतों पर चर्चा की। उन्होंने मांगों के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति अध्यक्ष सुरेश ठाकुर, भाजपा मंडल अध्यक्ष अविनाश देशमुख, योगेश सोनवाने, सरपंच प्रतिनिधि फिरोज खान, मिहिर त्रिवेदी, विजय कपगते, पूजा त्रिवेदी, सविता चौहान, प्राचार्य पवन सोनी सहित स्टाफऔर बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

उधर, कटंगी में विधायक गौरव सिंह पारधी ने कृषि उपज मंडी के नवीन भवन का भूमिपूजन किया। करीब 34 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस भवन से मंडी की व्यवस्थाओं में सुधार होगा।

इस मौके पर विधायक ने कहा कि कृषि उपज मंडी किसानों के लिए अहम केंद्र है। यहां आने वाले किसानों को उपज बिक्री, बैठने, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं में कोई परेशानी न हो, इसके लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने मंडी का निरीक्षण कर किसानों और व्यापारियों से चर्चा भी की।

भूमिपूजन कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष कविता देशमुख, जिला पंचायत सभापति केशर बिसेन, नगर परिषद उपाध्यक्ष धर्मकला देशमुख, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष मेष देशमुख, पूर्व मंडी अध्यक्ष भागेश्वरी तुरकर, सौरभ ठाकरे सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जामा मस्जिद में जश्ने मोहसिने इंसानियत कॉन्फ्रेंस आज

इंटरनेशनल नातख्वां शकील आरफी उत्तर प्रदेश सहित मशहूर उलेमा - ए - कराम करेंगे शिरकत

जगप्रेरणा वारासिवनी।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के अजीमुश्शान चार रोजा इजलास का आयोजन जामा मस्जिद वारासिवनी में किया जा रहा है।

आज 1 सितंबर को स्थानीय जामा मस्जिद ग्राउंड में बाद नमाज-ए-ईशा 'जश्ने मोहसिने इंसानियत कॉन्फ्रेंस' का आयोजन होगा, जिसमें मशहूर उलेमा-ए-कराम एवं नातख्वां शिरकत करेंगे।

जलसे में जेरे सरपरस्ती मौलाना अब्दुल हबीब नूरी साहब (काजी-ए-शहर बालाघाट), जेरे सदारत मोहम्मद नजीर कादरी साहब (इमाम जामा मस्जिद वारासिवनी), मुकर्रिरे खुसूसी मौलाना हाफिज व कारी मुफ्ती आफ्ताब अहमद साहब (मदरसा जामिया नूरिया बालाघाट), जेरे निजामत मोहम्मद इकरार रजा साहब (जामा मस्जिद वारासिवनी) तथा इंटरनेशनल नातख्वां जनाब शकील आरफी साहब (फर्रुखाबाद, उत्तर प्रदेश) शिरकत करेंगे।

वहीं बतौर जेरे हिमायत अब्दुल वहीद नूरी साहब (बालाघाट), हाफिज इरशाद रजा साहब (इमाम लालबर्रा), अब्दुल अजीज नूरी साहब (इमाम मस्जिद वारासिवनी) एवं अब्दुल हफीज अशरफी साहब (मदरसा गुलशने आला हजरत वारासिवनी) मौजूद रहेंगे।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी चार रोजा कार्यक्रम का समापन – इकबाल खान

जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष इकबाल खान ने जानकारी देते हुए बताया कि पैगंबर साहब की आमद के मौके पर जामा मस्जिद वारासिवनी में चार रोजा इजलास आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत 26 अगस्त को जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया एवं लंगर-ए-आम रखा गया। 28 अगस्त को बच्चों का दीनी नातिया कार्यक्रम आयोजित किया गया, जबकि 30 अगस्त को नागपुर, महाराष्ट्र से आई आलिमा की मौजूदगी में ख्वातीन का इज्तिमा रखा गया।

वहीं 1 सितंबर को उलेमा-ए-कराम की तकरीर एवं इंटरनेशनल नातख्वां शकील आरफी की नात के साथ चार रोजा जलसे का समापन किया जाएगा।

जामा मस्जिद कमेटी अध्यक्ष इकबाल खान ने तमाम लोगों से अपील की है कि ज्यादा से ज्यादा तादाद में शिरकत फरमाकर प्रोग्राम को कामयाब बनाएं।

चंगेरा की श्रेया टेंभरे ने नीट में सफलता हासिल कर रीवा मेडिकल कॉलेज में पाया एमबीबीएस में प्रवेश..

नवोदय वारासिवनी से 12वीं में 92.4 प्रतिशत अंक, मध्य प्रदेश की टॉप भोपाल से चयनित होकर वाराणसी में की तैयारी

कैलाश कसार वारासिवनी जग प्रेरणा।

ग्रामीण क्षेत्र चंगेरा की प्रतिभावान छात्रा कुमारी श्रेया थानेंद्र टेंभरे ने नीट में शानदार सफलता हासिल कर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रीवा में एमबीबीएस में प्रवेश प्राप्त किया है। 24 अगस्त को हुई प्रथम काउंसलिंग में उन्हें रीवा मेडिकल कॉलेज आवंटित हुआ।

उनकी सफलता से चंगेरा सहित वारासिवनी क्षेत्र में खुशी का माहौल है। श्रेया ने जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी से कक्षा 12वीं में 92.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके बाद मध्यप्रदेश की टॉप सुपर भोपाल परीक्षा में चयनित होकर वाराणसी में नीट की तैयारी की। नियमित अध्ययन और बेहतर रणनीति के चलते उन्होंने टॉप रैंकिंग में स्थान बनाया। श्रेया ने बताया कि उन्होंने घंटों की बजाय क्वालिटी स्टडी पर ध्यान दिया और प्रतिदिन 7 से 8 घंटे पढ़ाई की। एनसीईआरटी को आधार बनाकर नियमित मॉक टेस्ट दिए तथा अपनी कमजोरियों में लगातार सुधार किया।

अपनी सफलता का श्रेय श्रेया ने माता-पिता, गुरुजनों और दादाजी स्वर्गीय लखन लाल टेंभरे के आशीर्वाद को दिया। उन्होंने कहा कि दादाजी आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी प्रेरणा हमेशा उनके साथ रही। जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी और भोपाल के शिक्षकों का मार्गदर्शन भी सफलता में महत्वपूर्ण रहा।

ग्रामीण विद्यार्थियों को संदेश देते हुए श्रेया ने कहा कि संसाधनों की कमी से हौसला नहीं हारना चाहिए। लक्ष्य पक्का हो और मेहनत लगातार जारी रहे तो कोई भी मंजिल मुश्किल नहीं है। कठिनाइयों को कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी ताकत बनाकर आगे बढ़ना चाहिए।

कुमारी श्रेया थानेंद्र टेंभरे, सुपौत्री स्वर्गीय लखन लाल टेंभरे, निवासी चंगेरा, की इस उपलब्धि पर परिजनों, शिक्षकों एवं क्षेत्रवासियों ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

क्षत्रिय छिपा समाज ने धूमधाम से मनाया भुजरिया पर्व, शोभायात्रा में थिरके समाजजन

जगप्रेरणा कटंगी।

रक्षाबंधन के बाद मनाया जाने वाला पारंपरिक लोकपर्व भुजरिया इस वर्ष क्षत्रिय छिपा समाज, कटंगी द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। पूरे नगर में इस पर्व को लेकर खासा उत्साह देखा गया। परंपरा के अनुसार समाजजनों द्वारा रक्षाबंधन के दिन टोकरी में गेहूं बोया गया था, जो अंकुरित होकर भुजरिया के रूप में तैयार हुआ। रविवार को सत्संग भवन, कटंगी से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में समाज के वरिष्ठजन, युवा, महिलाएं और छोटे-छोटे बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए।

शोभायात्रा सत्संग भवन से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग होते हुए सिनेमा चौक और बस स्टैंड से गुजरी। इस दौरान ÷जय श्री राम÷ और भक्ति गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। आगे-आगे डीजे पर बज रहे भजनों और लोकगीतों की धुन पर बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं ने जमकर नृत्य किया। नगरवासियों ने जगह-जगह शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

शोभायात्रा का समापन नगर के छोटे तालाब पर हुआ, जहां विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ भुजरिया का विसर्जन किया गया। समाजजनों ने एक-दूसरे को भुजरिया देकर सुख-समृद्धि और आपसी भाईचारे की कामना की। मान्यता है कि भुजरिया का आदान-प्रदान मित्रता और प्रेम का प्रतीक है।

इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि भुजरिया पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी परंपरा से जोड़ने का काम करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज के सभी कार्यकर्ताओं का सराहनीय योगदान रहा।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती पर वारा में भव्य कलश वंदन एवं समरसता संकल्प यात्रा का समापन..

मानवता, समानता और सामाजिक समरसता का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का लिया गया संकल्प; पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा– 'संतों के विचार आज भी संपूर्ण समाज के लिए मार्गदर्शक हैं।'

कैलाश कसार, जगप्रेरणा वारासिवनी।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर ग्राम पंचायत वारा में रविदास समाज की ओर से भव्य कलश वंदन एवं समरसता संकल्प यात्रा के आभार एवं अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल 'गुड्डा भैया' उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संत रविदास महाराज के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

संत रविदास के विचार आज भी प्रासंगिक प्रदीप जायसवाल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रदीप जायसवाल ने कहा कि 650 वर्ष बीत जाने के बाद भी संत रविदास महाराज को पूरे श्रद्धाभाव के साथ याद किया जाता है। उनका जीवन मानवता, परोपकार, समानता और समाज सुधार के लिए समर्पित रहा। आज भी उनके विचार और सामाजिक समरसता का संदेश संपूर्ण समाज के लिए प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि महापुरुष किसी एक वर्ग के नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज की धरोहर होते हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाज में एकता और समरसता को मजबूत किया जा सकता है। मानवता और समरसता का संदेश कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने संत रविदास जी के जीवन एवं उनके विचारों पर प्रकाश डालते हुए समानता, मानवता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य संत रविदास जी के आदर्शों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाना तथा समाज में आपसी सद्भाव और एकजुटता को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर शारीरिक स्वास्थ्य एवं मानसिक एकाग्रता के महत्व को लेकर विशेष योग सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले, वारासिवनी नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, यात्रा प्रभारी सुनील 'सोनू' जैन, जनपद सदस्य राम गौतम, सरपंच सूर्यभान सिंह पुसाम, राम सिंह पटेल, उपसरपंच ज्ञानसिंह पटले, पूर्व सरपंच वायकर पारधी, सद्गुरु रविदास सामाजिक संगठन ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण खरोले सहित मुकेश राहंगडाले, दीपेश राहंगडाले, रमेश कनोजे, महेश कनोजे, मनोहर पटले, कैलाश जगने, दिलीप भोंदेकर, निर्मला कनोजे, गीता कनोजे, उर्मिला कटरे, अर्चना कनोजे एवं पिंकी कनोजे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। अंत में उपस्थितजनों ने संत रविदास जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा समाज में एकता, भाईचारे एवं सामाजिक समरसता बनाए रखने का संकल्प लिया। आयोजन समिति एवं रविदास समाज की ओर से सभी अतिथियों एवं आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

नेवरगांव(ला.) में जिला स्तरीय खो - खो प्रतियोगिता का शानदार आगाज, 28 शालाओं की बालिका खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम..

14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग की 36 प्रतिभाशाली बालिका खिलाड़ियों का संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन..

जगप्रेरणा लालबर्रा। खेल प्रतिभाओं को निखारने और ग्रामीण अंचल की उभरती खिलाड़ियों को बड़ा मंच प्रदान करने के उद्देश्य से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरगांव(ला.) के खेल प्रांगण में दो दिवसीय जिला स्तरीय बालक-बालिका खो-खो प्रतियोगिता का शानदार आगाज सोमवार 31 अगस्त से हुआ।

प्रतियोगिता के पहले दिन सोमवार को बालिका वर्ग की जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बालाघाट जिले की 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग की कुल 28 शासकीय एवं अशासकीय शालाओं की प्रतिभाशाली छात्रा खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने खेल कौशल, फुर्ती और दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान मैदान पर खिलाड़ियों के जोश और जुनून ने खेल प्रेमियों को रोमांचित कर दिया। बालिकाओं ने बेहतर तालमेल, तेज गति और उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का परिचय देते हुए यह साबित किया कि जिले की बेटियां खेल के क्षेत्र में भी किसी से पीछे नहीं हैं।

36 बालिका खिलाड़ियों का संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय बालिका खो-खो प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 14 वर्ष, 17 वर्ष एवं 19 वर्ष आयु वर्ग की कुल 36 बालिका खो-खो खिलाड़ियों का चयन आगामी संभाग स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए किया गया। चयनित खिलाड़ी अब संभाग स्तर पर बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

मंगलवार को बालक वर्ग की प्रतियोगिता

दो दिवसीय इस जिला स्तरीय खेल आयोजन के दूसरे दिन मंगलवार को बालक वर्ग की खो-खो प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के खिलाड़ी हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

शिक्षकों और खेल प्रभारियों के मार्गदर्शन में सफल आयोजन

जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरगांव के प्राचार्य राजेन्द्र कटरे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के खेल प्रभारी लुकेश गौतम, सुदर्शन बिसेन, ललिता बिसेन एवं ममता दाते का विशेष मार्गदर्शन रहा।

प्रतियोगिता के सफल संचालन में जिले से पधारे खेल शिक्षकों एच. धुवारे, राजेन्द्र सहारे, राकेश तूरकर, आशा सुलाखे, आनन्द कुमार साहू, छतरसिंह ठाकरे, दिनेश कुमार कटरे एवं लीना शरणागत ने भी सराहनीय भूमिका निभाई।

अखबार में बैगा आदिवासियों की तकलीफ पढ़ी, सेवानिवृत्त हाईकोर्ट जज ने मदद के लिए बढ़ाया हाथ..

समाचार पढ़कर जागी मदद की भावना, मित्र के माध्यम से वनांचल के बच्चों और मरीजों तक पहुंचाई सहायता सामग्री

हितेश अजीत, जगप्रेरणा बालाघाट।

बिरसा विकासखंड के सुदूर वनांचल क्षेत्र कुडेकसा, बोंदारी, कोरका सहित आसपास के ग्रामों में मलेरिया एवं खसरा के प्रकोप से स्थानीय जन प्रभावित हैं। बीमारी से जूझ रहे इन गांवों में उपचार, जनजागरूकता और बचाव के प्रयास लगातार जारी हैं। इन क्षेत्रों की स्थिति और स्थानीय बैगा आदिवासी परिवारों की परेशानियों से जुड़े समाचार लगातार समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रहे हैं।

इन्हीं समाचारों में आदीवासी के बच्चों और ग्रामीणों की पीड़ा को पढ़कर भोपाल में निवासरत मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति माननीय अचल कुमार पालीवाल का मन भी प्रभावित हुआ। समाचार उनके लिए महज एक खबर नहीं रहा, बल्कि दूर बैठे उन बच्चों और परिवारों तक मदद पहुंचाने की प्रेरणा बन गया। उन्होंने अपने मित्र एवं बालाघाट निवासी सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र कुमार तुरकर से संपर्क कर प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाने की अपनी इच्छा व्यक्त की।

न्यायमूर्ति अचल कुमार पालीवाल की इस संवेदनशील पहल को आगे बढ़ाते हुए 25 अगस्त 2026 को सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र कुमार तुरकर एवं उनकी पत्नी श्रीमती सुनीता तुरकर बीमारी से प्रभावित ग्रामों में पहुंचे। उनके साथ जिला पंचायत बालाघाट से पीएम पोषण प्रभारी सांत्वना अग्रवाल, सरिता राहंगडाले, राम निरंजन तिवारी, संजय परिमल एवं रोहित कावरे भी मौजूद रहे।

इस दौरान शाला में उपस्थित बच्चों तथा वैकल्पिक चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को शर्ट, टी-शर्ट, पैंट, साड़ी एवं अन्य कपड़ों के साथ नमकीन, बिस्कुट आदि सहायता सामग्री वितरित की गई। इसके बाद बोंदारी एवं कोरका में भी शाला और आंगनबाड़ी के बच्चों तथा स्थानीय ग्रामीणों को सहायता सामग्री प्रदान की गई।

एक खबर बनी मदद की वजह..

दूरस्थ वनांचल में रहने वाले उन परिवारों की तकलीफ शायद सामान्य दिनों में शहरों तक आसानी से नहीं पहुंचती, लेकिन समाचार पत्र में प्रकाशित खबर ने उनकी पीड़ा को दूर बैठे एक सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति तक पहुंचाया। खबर पढ़कर उन्होंने न केवल चिंता व्यक्त की, बल्कि अपनी सामर्थ्य के अनुसार मदद पहुंचाने की पहल भी की।

39 साल 8 माह की सेवा के बाद प्राचार्य अनिल कुमार सोलंकी को भावभीनी विदाई, भावुक हुआ एकलव्य विद्यालय

राष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थियों ने जीते 63 पदक, मेरिट में भी चमके विद्यार्थी; सेवानिवृत्ति के बाद जरूरतमंद विद्यार्थियों को गणित-भौतिक शास्त्र पढ़ाने का संकल्प..

जगप्रेरणा परसवाड़ा। *एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय उकवा के प्राचार्य अनिल कुमार सोलंकी की सेवानिवृत्ति पर विद्यालय परिवार की ओर से भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। करीब 39 वर्ष 8 माह के शासकीय सेवाकाल और* इनमें 23 वर्ष 2 माह प्राचार्य पद पर सेवाएं देने वाले श्री सोलंकी के विदाई समारोह में छात्र-छात्राओं की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने माहौल को भावुक कर दिया। शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने उनके कार्यकाल की उपलब्धियों को याद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्री सोलंकी ने 5 जनवरी 1987 को उच्च श्रेणी शिक्षक के पद से शासकीय सेवा शुरू की थी। मंडला के सिझौरा और बालाघाट जिले के बिरसा में व्याख्याता के रूप में सेवाएं देने के बाद 23 जून 2003 को प्राचार्य पद पर पदोन्नत हुए। उन्होंने गुदमा, बिठली सहित विभिन्न विद्यालयों में प्राचार्य के रूप में जिम्मेदारी निभाई। उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए उन्हें जिला स्तर पर कई बार कलेक्टर एवं प्रभारी मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया।

एकलव्य विद्यालय को खेलों में राष्ट्रीय पहचान दिलाई-

वर्ष 2 जनवरी 2018 को एकलव्य विद्यालय उकवा की जिम्मेदारी मिलने के बाद श्री सोलंकी के कार्यकाल में विद्यालय ने शिक्षा के साथ खेलों में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। विद्यालय में खेल मैदान की कमी के बावजूद विद्यार्थियों को खेलों के लिए प्रोत्साहित किया गया। वर्ष 2019 में राष्ट्रीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 15 पदक जीते, जबकि वर्ष 2022-23 में आंध्रप्रदेश के गुंटूर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 14 पदक हासिल किए।

वर्ष 2025-26 में ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित ईएमआरएस राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 34 पदक हासिल किए। इनमें 12 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक शामिल रहे। विद्यार्थियों ने ताइक्कांडो, रेसलिंग, जूडो और वेटलिफ्टिंग सहित विभिन्न खेल विधाओं में पदक हासिल किए। इस तरह इन प्रमुख राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में विद्यालय के विद्यार्थियों ने कुल 63 पदक अपने नाम किए।

मेरिट में छठे स्थान से लेकर नीट-जेईई तक उपलब्धियां-

वर्ष 2018-19 में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उकवा का प्रभार मिलने पर उनके मार्गदर्शन में कक्षा 12वीं की एक छात्रा ने मध्यप्रदेश की मेरिट सूची में छठवां स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर उन्हें गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मानित किया गया। एकलव्य विद्यालय में भी उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम दिए और नीट एवं जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सहभागिता की।

विद्यालय के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए वर्ष 2025 में प्रभारी मंत्री द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह में संस्था को सम्मानित किया गया। वहीं 12 जुलाई 2026 को उन्हें प्राचार्य प्रथम श्रेणी के पद पर पदोन्नति मिली।

'अनुशासन और अध्ययन को हमेशा प्राथमिकता दें'-

विदाई समारोह में जनजातीय कार्य विभाग के सहायक संचालक एवं परसवाड़ा विकासखंड शिक्षा अधिकारी जयंत खांडवे ने श्री सोलंकी के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके अनुशासन और कार्यशैली से एकलव्य विद्यालय की व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आया। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों से सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने तथा अध्ययन-अध्यापन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की। वहीं शिक्षक टीके बोपचे ने प्राचार्य श्री सोलंकी को शाल-श्रीफल भेंट कर दुसरी पारी के लिए शुभकामनाएं दी। शिक्षिका निशा यादव एवं हॉस्टल वार्डन समीक्षा जैन, शिक्षक अनिल छाबरा ने भी भावनात्मक शुभकामनाएं देते हुए श्री सोलंकी के साथ बिताए कार्यकाल को याद किया। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियां देकर उन्हें विदाई दी।

भारी मन से बोले श्री सोलंकी- संस्था में अनुशासन बनाए रखें-

सपरिवार समारोह में पहुंचे प्राचार्य अनिल कुमार सोलंकी ने भावुक होते हुए कहा कि उनके जाने के बाद भी विद्यालय में अनुशासन, अध्ययन-अध्यापन और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की परंपरा कायम रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय से उनका जुड़ाव समाप्त नहीं होगा। सेवानिवृत्ति के बाद वे सामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहेंगे और जरूरतमंद एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को गणित और भौतिक शास्त्र जैसे विषय स्वयं पढ़ाकर मार्गदर्शन देने का प्रयास करेंगे।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने श्री सोलंकी को स्मृति चिह्न एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। शिक्षकों ने उनके लंबे अनुभव का भविष्य में भी लाभ लेने और आवश्यकता पड़ने पर उनका मार्गदर्शन प्राप्त करने की बात कही। विदाई के दौरान विद्यालय परिसर का माहौल भावुक हो गया। शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों की आंखों में अपने प्रिय प्राचार्य के जाने की भावनाएं साफनजर आईं।

कार्यक्रम में ऋषभ सिंह, रवि कुमावत, शुभम सौरभ, संगीता गोस्वामी, अहाना शंकर दुबे, निकिता सिंह, निशा यादव, नूपूर विश्वास, हुमायूं खान, सौरभ मिश्रा, दिनेश वाहने, संजय राय, कंचन मैम, नीरू मैम , मीनू मैम, आकांक्षा मैम, अनुष्का रैले, समर्थ जसवानी, निखिल जैन, पंकज कुमार, अमन ढिमोले, कविता सिसोदिया, प्रतिक्षा सिंह, सोनम पाटिल, शुभम मरोठी, सोनम शर्मा, विनय मालवीय, राकेश यादव, समीक्षा जैन, मोहित सर, पंकज राहंगडाले, विजय प्रकाश तिवारी, वंदना ठाकूर सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं विद्यालय परिवार मौजूद रहा।

मासूम बच्चों की मौत पर न्याय की मांग, बैंगा आदिवासी समाज की हड़ताल को ओबीसी महासभा का समर्थन..

जगप्रेरणा बालाघाट। बैहर-बिरसा क्षेत्र में मासूम बच्चों की लगातार हो रही मौतों को लेकर न्याय की मांग तेज होती जा रही है। इसी क्रम में बालाघाट जिला मुख्यालय में बैंगा आदिवासी समाज द्वारा चलाए जा रहे अनिश्चितकालीन धरना-हड़ताल को ओबीसी महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी ओमप्रकाश मरठे ने समर्थन दिया। हड़ताल स्थल पर पहुंचकर मरठे ने बैंगा आदिवासी समाज के लोगों से मुलाकात की और उनकी मांगों के प्रति एकजुटता जताई। उन्होंने कहा कि मासूम आदिवासी बच्चों की असमय मौत बेहद पीड़ादायक है।

जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है, उनके दर्द को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। ऐसे कठिन समय में उनके साथ खड़ा होना हर संवेदनशील व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बच्चों की मौत के वास्तविक कारणों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि किसी की लापरवाही या जिम्मेदारी सामने आती है तो संबंधित लोगों पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही पीड़ित आदिवासी परिवारों को उचित एवं सम्मानजनक मुआवजा दिया जाना चाहिए, ताकि उन्हें शासन की संवेदनशीलता का एहसास हो सके।

मरठे ने कहा कि आदिवासी समाज द्वारा जिला बंद के आह्वान को उनका और उनकी टीम का पूर्ण समर्थन है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ÷न्याय की इस लड़ाई में बैंगा आदिवासी समाज अकेला नहीं है। अगर समाज को न्याय नहीं मिलता है तो मैं अपने आदिवासी भाइयों के साथ हड़ताल और भूख हड़ताल पर बैठने के लिए भी तैयार हूं।÷

उन्होंने कहा कि यह लड़ाई किसी व्यक्ति या संगठन के खिलाफ नहीं, बल्कि मासूम बच्चों की मौत के जिम्मेदारों पर कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की लड़ाई है।

घोटी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर होगा भव्य धार्मिक आयोजन, 4 सितंबर को हवन-पूजन एवं महाआरती

सार्वजनिक श्रीकृष्ण मंदिर में सजेगा भक्ति और आस्था का अनुपम संगम, कृष्ण भजनों से गूंजेगा पूरा गांव

जगप्रेरणा लालबर्रा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर तहसील लालबर्रा के ग्राम घोटी में आस्था और भक्ति का भव्य संगम देखने को मिलेगा। ग्राम के सार्वजनिक श्रीकृष्ण मंदिर में आगामी 4 सितंबर को विशेष धार्मिक आयोजन के तहत हवन-पूजन एवं भव्य महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम को लेकर ग्रामवासियों में उत्साह का माहौल है। आयोजन के लिए सार्वजनिक श्रीकृष्ण मंदिर को आकर्षक लाइटों एवं रंग-बिरंगे फूलों से विशेष रूप से सजाया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर भजनों और धार्मिक वातावरण से पूरा ग्राम घोटी कृष्णमय नजर आएगा। मंदिर समिति द्वारा धार्मिक परंपराओं के अनुरूप हवन-पूजन का आयोजन किया जाएगा, जिसके पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की भव्य महाआरती संपन्न होगी।

इस अवसर पर श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त कर ग्राम एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना करेंगे।

मंदिर समिति एवं आयोजन समिति ने ग्राम घोटी सहित आसपास के क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं और ग्रामीणजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पावन धार्मिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

जग प्रेरणा
खेल मनोरंजन
खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..

तिलक वर्मा ने ठोकी जबरदस्त सेंचुरी

श्रेयस ने खेली शानदार पारी..

डेस्क जगप्रेरणा।

भारतीय क्रिकेट टीम तो इस वक्त इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर है, लेकिन खिलाड़ी जरूर नजर आ रहे हैं। इन दिनों दलीप ट्रॉफी का सीजन चल रहा है। इस दौरान कुछ जबरदस्त पारियां दिख रही हैं।

अब तिलक वर्मा ने एक जबरदस्त सेंचुरी लगाई है। इतना ही नहीं, श्रेयस गोपाल ने भी नीचे के क्रम में आकर अच्छी पारी खेली, हालांकि वे अपना शतक पूरा नहीं कर पाए। दोनों खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में साउथ जोन के लिए खेल रहे हैं।

साउथ जोन और नॉर्थ जोन के बीच दलीप ट्रॉफी का सेमीफाइनल..

दलीप ट्रॉफी 2026 के सेमीफाइनल में साउथ जोन और नॉर्थ जोन की टीमें आमने सामने हैं। पहले बल्लेबाजी करते हुए नॉर्थ जोन की टीम ने अपनी पहली पारी में 195 रन बनाए हैं। टीम की ओर से कामरान इकबाल ने 76 रनों की पारी खेली। बाकी कोई बल्लेबाज 50 का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। इसके जवाब में दिन का खेल खत्म होने तक साउथ जोन ने 9 विकेट पर 285 रन बना लिए हैं।

तिलक वर्मा 225 बॉल पर 106 रन बनाकर नाबाद..

साउथ जोन के शुरुआती बल्लेबाजी जल्दी आउट हो गए, लेकिन कप्तान तिलक वर्मा ने जबरदस्त शतक लगाया। जब दिन का खेल खत्म हुआ, तब तक वे 225 बॉल पर 106 रन बना लिए थे। उन्होंने सात चौके अब तक लगा दिए हैं। वे अभी नाबाद हैं। इस बीच श्रेयस गोपाल ने 169 बॉल पर 88 रन बनाए। इसमें 11 चौके शामिल रहे। हालांकि वे 12 रन से अपना शतक पूरा करने से चूक गए।

भारत बनाम अफगानिस्तान के बीच मिल सकता है तिलक वर्मा को मौका..

करीब 23 साल के तिलक वर्मा अब तक प्रथम श्रेणी क्रिकेट में आठ शतक लगा चुके हैं। इसके अलावा छह शतक उनके लिस्ट ए क्रिकेट में हैं। टी20 क्रिकेट में उनके नाम पांच शतक दर्ज हैं। वे फिलहाल भारत की टी20 टीम के नियमित मैंबर हैं। जल्द ही भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। 3 सितंबर को इसके लिए टीम के ऐलान की संभावना है। माना जा रहा है कि इस सीरीज में भी तिलक वर्मा खेलते हुए नजर आएंगे। फिलहाल उनका लक्ष्य अपनी टीम को इस मैच को जिताकर फाइनल में ले जाना है और उसके बाद वे कोशिश करेंगे कि उनकी टीम दलीप ट्रॉफी की चैंपियन भी बने।

रश्मिका से शादी से पहले टूटा था दिल, विजय देवरकोंडा का बड़ा खुलासा, बोले- 'सब कुछ झेलकर छोड़ी शराब'..

डेस्क जगप्रेरणा।

साउथ सिनेमा के चर्चित अभिनेता विजय देवरकोंडा ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय रेड्डी वांगा के नए

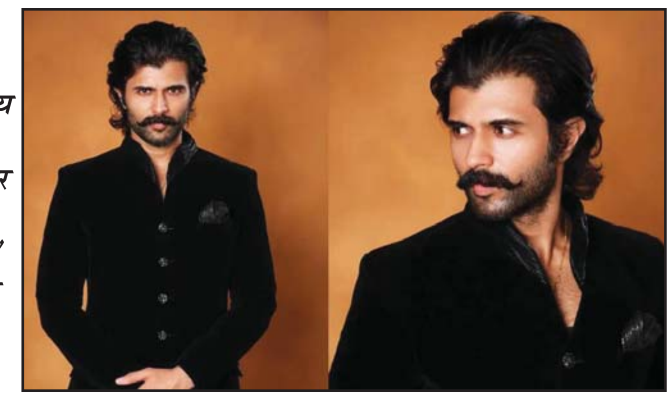

प्रोडक्शन 'रोमांचकम' के प्रमोशनल इवेंट में पहुंचे विजय ने अपनी जिंदगी के कई अनदेखे पन्नों को खोला। उन्होंने रश्मिका मंदाना से शादी, दिल टूटने के अनुभव और शराब छोड़ने के अपने फैसले पर खुलकर बात की।

जिंदगी के सबसे रोमांचक पलों पर बेबाक बयान..

कार्यक्रम के दौरान जब शो के होस्ट ने विजय से साल 2026 के उनके सबसे रोमांचक ('रोमांचकम') अनुभव के बारे में पूछा, तो उन्होंने केवल इस साल या अपनी शादी तक बात सीमित रखने के बजाय अपने पूरे जीवन के सफर को बयां किया। फैंस की भारी नारेबाजी के बीच विजय ने कहा, 'मेरा जन्म 1989 में हुआ था और तब से लेकर हर साल मेरी जिंदगी रोमांचक रही है। जेब में पैसे हों या न हों, मैंने अलग-अलग तरह की शराब पी है, लेकिन अब मैंने शराब पीना पूरी तरह छोड़ दिया है।'

प्यार, दिल का टूटना और फिर रश्मिका से शादी..

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए विजय ने पहली बार अपनी पिछली जिंदगी के कड़वे अनुभवों पर रोशनी डाली। उन्होंने बताया, 'मुझे प्यार हुआ, फिर मेरा दिल टूटा और आखिरकार मैंने शादी कर ली। हालात चाहे जो भी रहे हों, जीवन हमेशा रोमांच से भरा रहा।' विजय की इन बातों को सुनकर मंच पर मौजूद संदीप रेड्डी वांगा अपनी हंसी नहीं रोक पाए और उन्होंने तालियां बजाकर अभिनेता का समर्थन किया। कार्यक्रम के दौरान जब फैंस ने अपनी 'वदीनम्मा' (भाभी) रश्मिका मंदाना का हाल पूछा तो विजय ने मुस्कुराते हुए बताया कि कूल्हे की चोट से उबर रहीं रश्मिका अब ठीक हैं। उन्होंने कहा, 'आपकी भाभी अब बेहतर हैं। वह चोटिल हो गई थीं, लेकिन अब घर पर आराम कर रही हैं और रिकवर कर रही हैं।'

रील से रियल लाइफ तक का सफर..

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की जोड़ी को दर्शकों ने पहली बार साल 2018 में आई फिल्म 'गीता गोविंदम' और 2019 में रिलीज हुई 'डियर कॉमरेड' में देखा था। साल 2020 में दोनों के बीच अफेयर की खबरें तब सुर्खियां बनने लगीं, जब फैंस ने रश्मिका की तस्वीरों में विजय के घर की झलकियां देखीं। लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहने के बाद इस जोड़े ने अक्टूबर 2025 में अपनों की मौजूदगी में सगाई की थी। हालांकि सगाई की अंगूठी में देखे जाने के बाद भी दोनों ने इस पर चुप्पी साधे रखी। आखिरकार, इस साल फरवरी में उदयपुर में शादी के बंधन में बंधने से कुछ दिन पहले दोनों ने एक संयुक्त नोट शेयर कर अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि की थी।

दोनों कलाकारों के आगामी प्रोजेक्ट्स..

वर्क फ्रंट की बात करें तो रश्मिका को हाल ही में हिंदी फिल्म 'कॉकटेल 2' में देखा गया था। वह जल्द ही रवींद्र पुल्ले की एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'मायसा' में नजर आएंगी। इसी फिल्म के एक गाने की शूटिंग के दौरान उनके कूल्हे में चोट लग गई थी। दूसरी ओर, विजय हाल ही में फिल्म 'किंगडम' में नजर आए थे। उनके पास रवि किरण कोला की एक्शन-ड्रामा फिल्म 'राउडी जनार्दन' है, जिसमें कीर्ति सुरेश उनके साथ हैं।

इसके अलावा वह शौर्युव की एक अनाम फिल्म में भी काम कर रहे हैं। विजय और रश्मिका की जोड़ी जल्द ही राहुल सांकृत्यायन की पीरियड एक्शन फिल्म 'रणबाली' में सालों बाद एक साथ पर्दे पर वापसी करेगी, जो 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं, प्रणय रेड्डी वांगा की फिल्म 'रोमांचकम' 3 सितंबर को बड़े पर्दे पर दस्तक देने के लिए तैयार है।

इंग्लैंड दौरे से रिजवान और इमाम की स्वदेश वापसी की संभावना..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

इंग्लैंड दौरे पर लगातार दो टेस्ट मैचों में करारी हार झेलने वाला पाकिस्तान अब विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक को दौरे के बीच से ही स्वदेश वापस बुला सकता है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर मौजूद पाकिस्तान को लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में इंग्लैंड से पारी और 103 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 194 रन से शिकस्त दी। 'जियो न्यूज' की रिपोर्ट के मुताबिक, 'रिजवान और इमाम को वापस बुलाने का फैसला किया गया है।'

इंग्लैंड दौरे पर मौजूद पाकिस्तानी मीडिया ने दूसरे टेस्ट में मिली हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय बैठक होने की भी खबर दी है।

इस बैठक में पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी, मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) सुमैर अहमद, पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सलमान नसीर, पूर्व क्रिकेटर और वरिष्ठ चयनकर्ता आकिब जावेद तथा सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम के मुख्य कोच माइक हेसन शामिल हुए। पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि पाकिस्तान सरकार में मंत्री मोहसिन नकवी को इंग्लैंड में पाकिस्तान टीम के निराशाजनक प्रदर्शन को लेकर उनसे ऊपर के स्तर पर बैठे लोगों की नाराजगी और निराशा से अवगत करा दिया गया है। सूत्र ने कहा, 'दूसरे टेस्ट के दौरान स्काई स्पोर्ट्स पर इमरान खान के बेटों का साक्षात्कार प्रसारित किए जाने की घटना से भी शीर्ष स्तर पर नाराजगी है। लेकिन सबसे बड़ी चिंता मीडिया में पाकिस्तान टीम की बन रही छवि और मैदान पर उसका प्रदर्शन है।' सूत्र ने दावा किया कि मोहम्मद रिजवान और इमाम उल हक दोनों ही स्वदेश लौट रहे हैं। सूत्र ने कहा, 'इमाम बड़ी मुश्किल में हैं।' उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के लिए दो टेस्ट मैच खेल चुके 23 वर्षीय अब्दुल्ला फजल को इंग्लैंड भेजा जाना लगभग तय है। इमाम दूसरे टेस्ट के पहले दिन क्षेत्ररक्षण के दौरान चोटिल हो गए थे। इसी वजह से वह बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे।

उनकी चोट की गंभीरता को लेकर हालांकि सवाल उठ रहे हैं। सूत्र के मुताबिक, बैठक में माइक हेसन को टेस्ट टीम की जिम्मेदारी सौंपने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। हेसन अब इंग्लैंड दौरे के बाकी हिस्से में पाकिस्तान टीम के साथ बने रहेंगे। हेसन की टेस्ट टीम के साथ मौजूदगी ने पाकिस्तान के मुख्य कोच सरफराज अहमद के भविष्य पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है।

'मैं बहाने नहीं बना रहा', 'खतरों के खिलाड़ी' में स्टंट को लेकर ट्रोल हुए विशाल आदित्य सिंह, रिपोर्ट दिखाकर की बोलती बंद..

डेस्क जगप्रेरणा।

कलर्स टीवी पर प्रसारित होने वाले 'खतरों के खिलाड़ी 15' के कंटेस्टेंट विशाल आदित्य सिंह ने हाल ही में रोहित शेट्टी के शो में एक स्टंट के दौरान अपने परफॉर्मेंस को लेकर हुई आलोचना के बाद सोशल मीडिया पर अपनी मेडिकल रिपोर्ट शेयर की है।

ट्रोल करने वालों को जवाब देते हुए, एक्टर विशाल ने अपने कंधे की चोट की रिपोर्ट दिखाई और साफ किया कि टास्क के दौरान दर्द के बारे में बात करते समय वह कोई बहाना नहीं बना रहे थे। एक्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि स्टंट बेस्ड रियलिटी शो में हिस्सा लेने के लिए उन्होंने अपनी पूरी ताकत लगा दी थी।

विशाल ने मेडिकल रिपोर्ट शेयर कर दिया ट्रोल्स को जवाब..

विशाल आदित्य सिंह ने वीडियो की शुरुआत एक मशहूर हिंदी कहावत से की, 'प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं पड़ती है', जिसका मतलब है कि जो चीज साफ तौर पर दिख रही हो, उसके लिए किसी और सबूत की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट उस चोट का सबूत हैं, जिसके बारे में वह बात कर रहे थे और बताया कि ये रिपोर्ट अफ्रीका के डॉक्टरों ने दी है, जहां शो की शूटिंग हुई थी। वीडियो में उन्होंने कहा, 'ये है मेरे कंधे की चोट की रिपोर्ट जिसे मैं पोस्ट कर दूंगा और यह किसी भारतीय डॉक्टर की रिपोर्ट नहीं है, जिसमें गड़बड़ होगी। यह अफ्रीका के डॉक्टर की रिपोर्ट है।'

विशाल सिंह ने खुद को बताया मजबूत परफॉर्मर..

हाल ही में हुए स्टंट के दौरान कंधे के दर्द को बहाना बनाने का आरोप लगाने वालों को जवाब देते हुए विशाल ने कहा कि ऐसा बिल्कुल नहीं था और दर्शकों से 'खतरों के खिलाड़ी 15' में उनके पूरे परफॉर्मेंस को देखने की अपील की। उन्होंने कहा, 'मैं कंधे के दर्द का बहाना बनाकर अपना डर नहीं छिपा रहा था।' इस दौरान, उन्होंने शो में अपने ट्रैक रिकॉर्ड का जिक्र करते हुए कहा, 'मैं फाइनलिस्ट रहा हूं' और बताया कि उन्होंने लगातार खुद को एक मजबूत परफॉर्मर के तौर पर साबित किया है। वीडियो के अंत में विशाल सिंह ने अपनी चोट के सबूत के तौर पर अपनी मेडिकल रिपोर्ट दिखाई। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन दिया, 'फिर भाई अगर किसी को कुछ लगता है तो लगते रहे, अपना नंबर '1' दिखाओ।'

विशाल सिंह की ट्रोल्स को खुली चुनौती..

इसके बाद विशाल ने आलोचनाओं का जवाब देते हुए अपने परफॉर्मेंस का बचाव किया और पिछले सीजन के प्रतियोगियों पर भी मजाक में कटाक्ष किया। उन्होंने सुझाव दिया कि पिछले सीजन में भाग लेने वाले प्रतियोगियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के बावजूद, वह खुद को साबित करने और प्रतियोगिता से ऊपर उठने में कामयाब रहे। ट्रोल्स पर पलटवार करते हुए विशाल ने किसी को भी घायल कंधे के साथ स्टंट करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा, 'भाई अगर सराहना नहीं कर सकते तो कुछ भी ना बोलें, क्यों? क्योंकि एक कंधा, एक कंधा टूटा हुआ है और एक ठीक है। उसे कोई स्टंट अगर कर लेगा तो खतरों के खिलाड़ी जीतने की प्राइज मनी उसका मैं आधा दूंगा। लोखंडवाला में आइए, मिलिए, वह स्टंट करता हूं मैं।'

'मेरी मौत करीब है', कैंसर की चौथी स्टेज के दौरान अकेलेपन से भर गई थी मनीषा कोइराला की दुनिया, लगा सब खत्म हो रहा..

डेस्क जगप्रेरणा।

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने हाल ही में अपने जीवन के सबसे कठिन दौर और कैंसर के साथ अपनी जंग को याद करते हुए भावुक बातें साझा की हैं।

साल 2012 में चौथे चरण के ओवेरियन कैंसर से पीड़ित होने के बाद उन्होंने न्यूयॉर्क में लंबी सर्जरी और कीमोथेरेपी के जरिए इस जानलेवा बीमारी को मात दी थी। हालांकि जब उन्हें पहली बार अस्पताल में इस बीमारी का पता चला था तो वह रात उनके जीवन का सबसे भयानक और खौफनाक अनुभव बन गई थी। अस्पताल के उस दौर को याद करते हुए मनीषा ने बताया कि जिस दिन उन्हें इस बीमारी की जानकारी मिली, उसके बाद की रात उनके लिए बेहद लंबी, अंधेरी और अकेली साबित हुई थी।

'गहरे अंधेरे जैसा था वो खौफनाक पल'..

सुशांत प्रधान के पॉडकास्ट में अपने उस दर्दनाक अनुभव को बयां करते हुए मनीषा ने कहा, 'अस्पताल की उस रात मुझे ऐसा महसूस हो रहा था जैसे मैं किसी गहरे अंधेरे में उतर रही हूं। हर पल यही डर सता रहा था कि अब सब खत्म होने वाला है और मेरी मौत करीब है। किसी गंभीर बीमारी से गुजरते समय इंसान भीतर से जितना डरा हुआ और अकेला महसूस करता है, उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।' अभिनेत्री ने बताया कि इस अनुभव ने उन्हें यह सिखाया कि बीमारी सिर्फ शारीरिक दर्द नहीं देती, बल्कि मानसिक रूप से भी इंसान को बेहद अकेला कर देती है। उन्होंने कहा कि अकेलापन जीवन का एक कड़वा सच है और कई बार बड़ी-बड़ी महफिलों और लोगों की भीड़ के बीच होने के बावजूद इंसान खुद को कटा हुआ और अकेला महसूस करता है।

जीवन के प्रति बदला नजरिया और बदलीं प्राथमिकताएं..

कैंसर को हराने के बाद मनीषा कोइराला के जीवन को देखने के मायने पूरी तरह बदल गए। उन्होंने बताया कि जब जिंदगी ने उन्हें दोबारा जीने का अवसर दिया तो उन्होंने उन सभी गैर-जरूरी चीजों को खुद से दूर कर दिया जो उनके सिद्धांतों से मेल नहीं खाती थीं। मनीषा ने स्वीकार किया कि बीमारी से पहले वह अपनी सेहत को लेकर काफी बेपरवाह थीं, लेकिन अब उन्होंने अपनी सेहत, परिवार, प्रकृति और ईश्वर के प्रति आभार को प्राथमिकता बना लिया है। अब वह अपने इर्द-गिर्द दोस्तों की बड़ी भीड़ रखने के बजाय केवल कुछ भरोसेमंद और खास लोगों के साथ ही समय बिताना पसंद करती हैं।

काम के बोझ से आई थकान और गलत फैसलों पर आत्ममंथन..

अपने करियर के शुरुआती दौर का जिक्र करते हुए मनीषा ने माना कि एक समय ऐसा था जब वह बिना किसी ब्रेक के दिन में 18-18 घंटे और एक साथ कई फिल्मों में काम कर रही थीं।

लगातार काम करने की वजह से वह इस कदर मानसिक रूप से थक गई थीं कि उन्होंने फिल्मों के चुनाव में कुछ गलत फैसले भी ले लिए, लेकिन जब कैंसर के दौरान दुनिया भर से फैंस ने उनके जल्द ठीक होने के लिए दुआएं भेजीं, तब उन्हें अहसास हुआ कि उनके काम ने लोगों के दिलों में कितनी खास जगह बनाई है। इसके बाद उन्होंने फैसला किया कि क्वान्टिटी के बजाए क्वालिटी पर काम करेंगे।

'सौदागर' से 'हीरामंडी' तक का शानदार अभिनय सफर..

1991 में फिल्म 'सौदागर' से अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाली मनीषा ने '1942: ए लव स्टोरी', 'बॉम्बे', 'खामोशी', 'गुप्त', 'दिल से..' और 'कंपनी' जैसी कालजयी फिल्मों में अपनी छाप छोड़ी।

कैंसर से ठीक होने के बाद उन्होंने 'संजू' और 'डियर माया' जैसी फिल्मों से मजबूत वापसी की। हाल ही में वेब सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में 'मल्लिकाजान' के उनके शानदार अभिनय ने क्रिटिक्स से खूब तारीफें लूटीं।

एसएलसी को महिला चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन श्रीलंका में ही होने की उम्मीद..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

श्रीलंका के अंतरिम क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि वह खेल प्रशासन में सरकारी हस्तक्षेप को लेकर उठ रही चिंताओं के बीच अगले साल होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी देश में बनाए रखने के लिए बुनियाद से ही सुधारवादी कदम उठाएगा। देश के खेल मंत्री द्वारा नियुक्त अंतरिम समिति के अध्यक्ष एरन विक्रमरत्ने ने कहा कि उनकी समिति श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के प्रशासन में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

विक्रमरत्ने ने कहा, 'हम बुनियाद से ही सुधार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हम पीछे नहीं हट रहे हैं।' हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। छह टीम का यह टी20 टूर्नामेंट फरवरी 2027 में आयोजित होना है लेकिन ऐसी संभावना है

कि एसएलसी के प्रशासन में सरकारी हस्तक्षेप के कारण इसे श्रीलंका से बाहर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। अंतरिम समिति में शामिल अधिकारी प्रकाश शाफ्टर ने कहा कि करीब ढाई महीने पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने संकेत दिया था

कि वह श्रीलंका के अलावा किसी वैकल्पिक स्थल की तलाश कर रहा है। शाफ्टर ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा, 'हालांकि उन्होंने एसएलसी से जुड़े प्रशासनिक मुद्दों के कारण अपने फैसले के बारे में हमें स्पष्ट रूप से नहीं बताया है लेकिन हमें उम्मीद है कि हम उन्हें अब तक उठाए गए कदमों से अवगत करा पाएंगे और उन्हें यहां टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए मना सकेंगे।'

श्रीलंका के पूर्व कप्तान और अंतरिम समिति के सदस्य कुमार संगकारा ने कहा कि आईसीसी के साथ करीबी सहयोग से काम करने की जरूरत है। संगकारा ने कहा, 'हम नए संविधान को तैयार करने और उसके बाद निर्वाचित निकाय के गठन के चरण से गुजर रहे हैं।'

मौजूदा अंतरिम समिति का गठन अप्रैल में किया गया था। इससे पहले तत्कालीन एसएलसी प्रशासन को कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते इस्तीफा देने को कहा गया था। इसके बाद खेल मंत्री ने एसएलसी के संविधान और उसकी प्रशासनिक व्यवस्था में व्यापक बदलाव के उद्देश्य से मौजूदा समिति का गठन किया था। हालांकि आईसीसी सदस्य देशों के क्रिकेट प्रशासन में राजनीतिक हस्तक्षेप के पक्ष में नहीं है।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

जंतर-मंतर के छात्रों की एफ़आईआर पर सुप्रीम कोर्ट क़ी 1 सितंबर 2026 को निर्णायक सुनवाई? - एफ़आईआर का डर या भविष्य की नई सुबह? - निर्दोष छात्रों और गंभीर आरोपियों के बीच खिंचेगी कानूनी लकीर

वैश्विक स्तरपरः भारत में लोकतांत्रिक विरोध, युवाओं के भविष्य और कानून के शासन के बीच संतुलन का एक महत्वपूर्ण अध्याय मंगलवार,1 सितंबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट में सामने आने वाला है? नीट-यूजी परीक्षा में कथित पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था के खिलाफ जंतर- मंतर सहित विभिन्न स्थानों पर हुए छात्र आंदोलनों से जुड़े मामलों में केंद्र सरकार ने सोमवार, 31 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण न्यायिक शक्ति का इस्तेमाल कर एफ़्आईआर रद्द करने का आग्रह किया है। सॉलिसिटर जनरल ने सोमवार को इस मुद्दे का उल्लेख करते हुए अदालत से आवेदन दाखिल करने की अनुमति मांगी और मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने मामले को अगले दिन यानी 1 सितंबर 2026 को सुनने पर सहमति जताई।यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मामला केवल कुछ एफ़्आईआर खत्म करने तक सीमित नहीं है,बल्कि यह सवाल भी सामने रखता है कि शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रदर्शन करने वाले छात्रों के भविष्य को आपराधिक मुकदमों के बोझ से कैसे बचाया जाए, जबकि आंदोलन की आड़ में हिंसा या गंभीर अपराध करने वाले लोगों को कानून से छूट न मिले। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बता दूं क़ि इस पूरे विवाद की पृष्ठभूमि जुलाई में जंतर-मंतर पर हुए नीट विरोध प्रदर्शन और 20 जुलाई के संसद मार्च से जुड़ी है। प्रदर्शनकारियों ने परीक्षा व्यवस्था, कथित पेपर लीक और छात्रों के भविष्य को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर आवाज उठाई थी।बाद में पुलिस कार्रवाई, प्रदर्शनकारियों के साथ कथित अत्यधिक बल प्रयोग,महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार, निगरानी और एफ़्आईआर को लेकर कई याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं। दिल्ली पुलिस ने अदालत में अपने पक्ष में कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए थे और पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान न्यूनतम आवश्यक बल इस्तेमाल किया।दूसरी ओर, याचिकाकर्ताओं ने पुलिस कार्रवाई को अत्यधिक और अनुपातहीन बताते हुए स्वतंत्र जांच की मांग की। यही विरोधाभासी दावे अब सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच के दायरे में हैं। यह लेख 31 अगस्त 2026 तक उपलब्ध जानकारी के आधार पर लिखा गया है; इसलिए 1 सितंबर की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट वास्तव में क्या आदेश देता है,उसे अंतिम परिणाम के रूप में पहले से निश्चित नहीं माना गया है।

साथियों,सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि क्या जंतर-मंतर आंदोलन से जुड़े सभी छात्रों के केस खत्म हो जाएंगे?इसका उत्तर फ़िलहाल सीधा हां कहना कानूनी रूप से सही नहीं होगा। केंद्र ने एफ़्आईआर रद्द करने की मांग की है,लेकिन अंतिम आदेश और उसकी शर्तें सुप्रीम कोर्ट तय करेगा।उपलब्ध जानकारी से यह संकेत मिलता हैकि अदालत शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल वास्तविक छात्रों को राहत देने और गंभीर आपराधिक मामलों वाले व्यक्तियों को अलग रखने की व्यवस्था पर विचार कर सकती है। इसलिए आंदोलन में मौजूद प्रत्येक व्यक्ति को केवलछात्र होने के आधार पर स्वतःपूर्ण छूट मिलना जरूरी नहीं है। अदालत के सामने वास्तविक चुनौती यही होगी कि शांतिपूर्ण असहमति और आपराधिक हिंसा के बीच स्पष्ट कानूनी सीमा कैसे निर्धारित की जाए।

साथियों इस संदर्भ में संविधान का अनुच्छेद 142 अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है।यह प्रावधान सुप्रीम कोर्ट कोकिसी लंबित मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक आदेश देने की असाधारण शक्ति प्रदान करता है। केंद्र का तर्क यही है कि यदि सामान्य आपराधिक प्रक्रिया केतहत प्रत्येक एफ़्आईआर को अलग-अलग पुलिस और मजिस्ट्रेट स्तर की प्रक्रिया से गुजारना पड़ेगा,तो छात्रों को वर्षों तक मुकदमों का सामना करना पड़ सकता है और उनके शिक्षा तथा रोजगार संबंधी भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।इसलिए एक व्यापक न्यायिक समाधान के माध्यम से वास्तविक छात्रों को राहत देने का रास्ता खोजा जा रहा है। लेकिन इस शक्ति का प्रयोग किस सीमा तक होगा और किन व्यक्तियों पर लागू होगा, इसका अंतिम निर्धारण सुप्रीम कोर्ट करेगा।

साथियों,यहीं से 2,873 लोगों का आंकड़ा भी चर्चा के केंद्र में आता है।दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया है कि फेस रिकग्निशन सिस्टम के माध्यम से प्रदर्शन से जुड़े 2,873 ऐसे व्यक्तियों की पहचान हुई जिनके नाम पुलिस के मौजूदा आपराधिक रिकॉर्ड से मेल खाते थे। पुलिस के अनुसार इनमें 2,402 लोग क्राइम कुंडली डाटाबेस और 471 लोग डोस्सियर रिकाड्‌र्स के माध्यम से पहचाने गए। इनमें से 92 लोगों के खिलाफ दस से अधिक मामले होने की बात कही गई और 47 को हिस्ट्री-शीटर्स बताया गया।हालांकि यहां एक अत्यंत महत्वपूर्ण कानूनी अंतर समझना आवश्यक है,किसी व्यक्ति के खिलाफएफ़्आईआर या पुराना आपराधिक मामला दर्ज होना अपने-आप उसकी दोषसिद्धि साबित नहीं करता। इसलिए केवल पुराने रिकॉर्ड के आधार पर किसी व्यक्ति को आंदोलन के दौरान किए गए अपराध का दोषी मानना भी उचित नहीं होगा। वास्तविक भूमिका, आरोप और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच आवश्यक होगी।

साथियों,इसी कारण 1 सितंबर की सुनवाई में स्क्रीनिंग या पहचान की प्रक्रिया सबसे संवेदनशील मुद्दों में से एक हो सकती है। यदि अदालत छात्रों को व्यापक राहत देती है तो यह तय करना आवश्यक होगा कि कौन वास्तविक छात्र था, किसने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया,किसकेखिलाफ केवल प्रदर्शन में मौजूद रहने के कारण मामला दर्ज हुआ और किस व्यक्ति पर आंदोलन के दौरान हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान या पुलिसकर्मियों पर हमला जैसे विशिष्ट आरोप हैं।दूसरी ओर, यदि किसी व्यक्ति के खिलाफगंभीर आरोप हैं तो केवल इस आधार पर कि वह प्रदर्शन में शामिल था, उसे स्वतः राहत देना न्याय के उद्देश्य के विपरीत हो सकता है। इसलिए संभावित न्यायिक मॉडल सभी को माफी के बजाय निर्दोष और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को राहत, वास्तविक अपराध के आरोपियों की कानूनी प्रक्रिया जारी' पर आधारित हो सकता है।

साथियों,इस मामले का दूसरा बड़ा स्तंभ सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित पांच सदस्यीय हाई-पावर्ड इंक्वायरी कमेटी है।18 अगस्त को गठित इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी कर रहे हैं। समिति में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रवि शंकर झा, दिल्ली हाई कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश जस्टिस शालिंदर कौर, पूर्व सीबीआई निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के सेवानिवृत्त डीजीपीएल शामिल हैं। अदालत ने समिति को स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच के लिए गठित किया है तथा उसे सुप्रीम कोर्ट की प्रत्यक्ष निगरानी में काम करना है।

समिति का महत्व केवल पुलिस कार्रवाई की जांच तक सीमित नहीं है। उसे कथित अत्यधिक और अनुपातहीन बल प्रयोग, प्रदर्शनकारियों के साथ व्यवहार, महिलाओं के खिलाफकथित यौन उत्पीड़न या दुर्व्यवहार, निगरानी और अन्य संबंधित शिकायतों की जांच करनी है।अदालत ने महिलाओं से जुड़ी शिकायतों को प्राथमिकता से देखने को भी कहा है। इसके अतिरिक्त पुलिस द्वारा इस्तेमाल किए गए बल की वैधता और अनुपातिकता तथा भविष्य में बड़े जनसमूह के प्रदर्शन से निपटने के लिए पुलिस व्यवस्था में सुधार जैसे मुद्दे भी व्यापक विमर्श का हिस्सा बन चुके हैं।

साथियों, 25 अगस्त को कुछ याचिकाकर्ताओं ने इस हाई-पावर्ड कमेटी के गठन और संरचना पर सवाल उठाते हुए इसके पुनर्गठन की मांग की थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि समिति अदालत की प्रत्यक्ष निगरानी में काम कर रही है और इस आवेदन पर मुख्य मामले के साथ विचार किया जाएगा। इसका अर्थ यह है कि 1 सितंबर की कार्यवाही केवल एफ़्आईआर के प्रश्न तक सीमित नहीं रह सकती; अदालत के सामने आंदोलन, पुलिस कार्रवाई और जांच समिति से जुड़े व्यापक संवैधानिक प्रश्न भी बने रहेंगे। इस पूरे प्रकरण का एक और महत्वपूर्ण पहलू 5 सितंबर को प्रस्तावित दिल्ली मार्च है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार सीजेपी ने इंडिया गेट से दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक मार्च की घोषणा की है। इस प्रस्तावित प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में एफ़्आईआर, पुलिस कार्रवाई और छात्रों से जुड़े विवादों का समाधान प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। ऐसे में 1 सितंबर का सुप्रीम कोर्ट आदेश केवल पुराने मामलों को प्रभावित नहीं करेगा, बल्कि आने वाले विरोध प्रदर्शनों के माहौल पर भी इसका असर पड़ सकता है। यदि छात्रों को व्यापक कानूनी राहत मिलती है तो तनाव कम होने की संभावना है; वहीं यदि अदालत राहत को स्पष्ट शर्तों से जोड़ती है तोप्रदर्शनकारियों और प्रशासन दोनों के लिए आगे की रणनीति अधिक स्पष्ट हो सकती है।

साथियों, दरअसल,यह मामला भारत के लोकतांत्रिक भविष्य के लिए एक व्यापक संदेश भी रखता है। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार नागरिक स्वतंत्रता का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन यह अधिकार हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति के विनाश या दूसरे नागरिकों और पुलिसकर्मियों पर हमले का लाइसेंस नहीं बन सकता। सुप्रीम कोर्ट के सामने चुनौती यही है कि वह ऐसी व्यवस्था तैयार करे जिसमें शांतिपूर्ण असहमति को अपराध न बनाया जाए और वास्तविक अपराध को विरोध के अधिकार की आड़ में संरक्षण भी न मिले। दिल्ली पुलिस ने भी अदालत के समक्ष कहा है कि शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन जब प्रदर्शन हिंसा और संपत्ति के नुकसान में बदल जाए तो कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी भी राज्य की है।

अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि 1 सितंबर 2026 की सुनवाई केवल एफ़्आईआर रद्द करने का मामला नहीं होगी,बल्कि यह भारत में छात्र आंदोलन, नागरिक अधिकार, पुलिस शक्ति, डिजिटल निगरानी और न्यायिक हस्तक्षेप के बीच संतुलन की परीक्षा भी होगी। यदि सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 142 के तहत वास्तविक छात्रों को सामूहिक राहत देने का रास्ता निकालता है, तो हजारों युवाओं के लिए यह उनके शैक्षणिक और पेशेवर भविष्य को बचाने वाला महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। लेकिन अदालत के लिए उतना ही जरूरी होगा कि गंभीर आरोपों और केवल पुराने आपराधिक रिकॉर्ड के बीच अंतर किया जाए तथा किसी व्यक्ति को बिना उचित जांच के दोषी न माना जाए।

इसलिए 1 सितंबर का सबसे संभावित और न्यायसंगत दृष्टिकोण यही दिखाई देता है कि निर्दोष छात्रों को शीघ्र राहत मिले, लेकिन वास्तविक आपराधिक कृत्यों की स्वतंत्र जांच और कानून के अनुसार कार्रवाई जारी रहे। जंतर-मंतर का यह विवाद आने वाले समय में भारत केलोकतांत्रिक विरोध और पुलिसिंग के लिए एक महत्वपूर्ण संवैधानिक मिसाल भी बन सकता है।

लेखक

एडव्होकेट किशन भावनानी गोंदिया

शब्दवर्गपहेली क्र.- 259

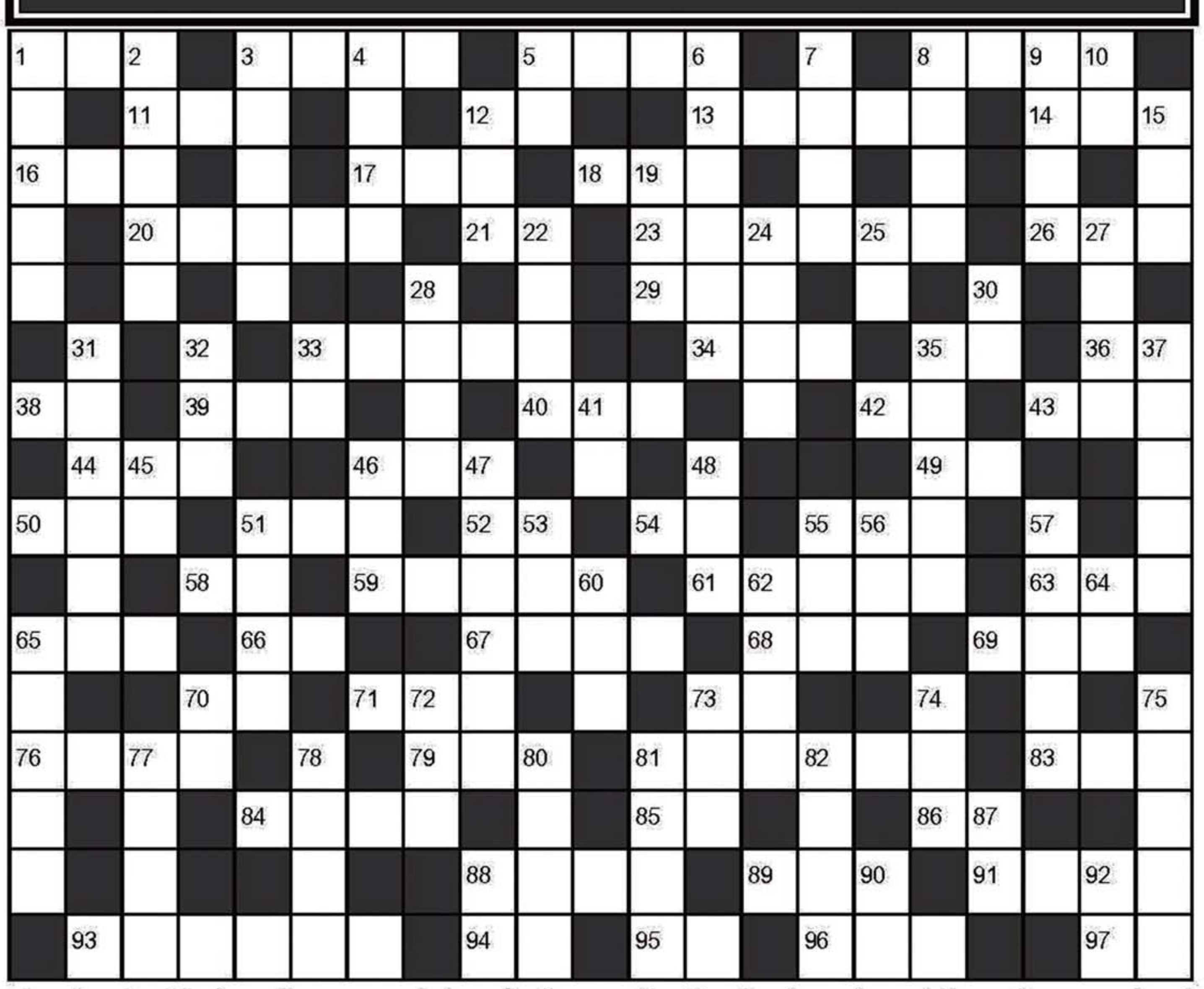

ck;s ls nk;s & 1) साड़ी का पल्लू 3) देश की सीमा 5) बिना पूर्व सूचना के, एकाएक 8) उपासना 11) पते या प्रमाण के लिए दिया उल्लेख 12) अर्थसहित 13) महापुरुष, महोदय 14) पुराणों के अनुसार पापी लोगों का मरणोपरान्त फल भोगने का स्थान 16) अंजन 17) क्रम से चौथा 18) निर्धन, गरीब 20) कोई तुच्छ वस्तु 21) चंद्रमा का सोलहवां भाग, हुनर 23) लोक जागृति, लोक चेतना 26) नृत्य कराना, इधर उधर दौड़ाना 29) प्रजा, राज्य के लोग 33) सभा का मुखिया 34) अनुकरण, लेख आदि की प्रतिलिपी 35) कुछ पाने की इच्छा, उम्मीद 36) समय, उपयुक्त अवसर 38) मृतदेह 39) नुकसान, नष्ट होना 40) राज, गुप्त बात 42) तृष्णा, प्रबल कामना 43) धारण करनेवाला 44) प्रवास, यात्रा 46) कठिन, मुश्किल, भयंकर 49) भग्न, खंडित हुआ 50) जो टेढ़ा न हो, सीधा 51) नगरपालिका, मार्ग 52) अन्य, अतिरिक्त 54) बायां 55) टंटा, बखेड़ा, कठिनाई 58) धोखा देकर पैसे लुटनेवाला, धूर्त 59) बाल्यावस्था, चंचलता 61) इस प्रकार हिलाना जिससें उस पर पड़ी हुयी दूसरी चीज गिर पड़े 63) शराब, मद्य 65) फाड़ा हुआ, तोड़ा हुआ 66) किसी धुन में बैठाये हुये स्वर 67) आच्छादित करवाना, शांत कराना 68) पीटना, ठोंकना, आघात पहुंचाना 69) कर्मचारियों की विशेष प्रकार की पोशाक 70) मां की माता 71) अखंड, जिसका कोई जोड़ न हो, अद्वितीय 73) दृश्यकाव्य का अभिनय करनेवाला, अभिनेता 76) वसुदेव पुत्र श्रीकृष्ण 79) तनने का भाव या क्रिया 81) वेश्या 83) शिथिलता, थकने का भाव 84) अपने मन के मुताबिक कार्य करना 85) गरदन, गला, बनानेवाला 86) वल्ली,, बेल 88) अभिनय करना 89) समाचार, संवाद 91) युद्ध के लिये पुकारना 93) वसीयत संबंधी लेख्यपत्र 94) प्राण, जीवन, अति प्यारी वस्तु 95) मृत्यु देवता 96) देश, राज्य 97) राय, विचार

ऊपर से नीचें :- 1) बहुत ही प्यारा होना इस अर्थ का एक मुहावरा 2) खेत का हरा भरा होना 3) सलाह देनेवाला 4) खलबली, धूम 5) आशय 6) जिसकी कमल के फूल के समान आंख हो वह 7) प्रेम, आसक्ती 8) आच्छादन, परदा 9) पैसेवाला, अमीर 10) स्त्री,, महिला 12) अर्थ युक्त 15) कमाई करना 19) एक कंद मुली 22) फायदेमंद, गुणकारक 24) हिन्दुओं के दस संस्कारों में से चौथा संस्कार 25) मणी,, जवाहिर 27) झूठी प्रशंसा या चापलूसी करनेवाला 28) विनाश करनेवाला 30) रात, रजनी 31) अवसर से लाभ उठानेवाला 32) वृत्त, समाचार, सूचना 33) सौ वर्षों का समूह 35) उम्मीद खत्म होना, निराश होना 37) जंगल से लकड़ी तोड़कर बेचनेवाला 41) जिद, अपनी बात पर अड़े रहना 45) नतीजा, ग्रहों के योग का परिणाम 46) निर्मल, निर्दोश, सुन्दर 47) अचानक आ धमकना 48) अक्ल, बुद्धि, समझने का भाव 51) देखभाल, निरीक्षण 53) फिसलाहट, दौड़ 55) झनकार, झनझनाहट का स्वर 56) ऊंचे स्थान से गिरनेवाला जलप्रवाह 57) बर्फ के नैसर्गिक शिवलिंग के लिये प्रसिद्ध जम्मु - कश्मीर स्थित देश की सबसे बड़ी गुंफा 60) किसी रियासत का मुस्लिम शासक 62) हरे और लाल रंग का एक फल 64) बड़ी बहन का संबोधन 65) अनाथ विधवाओं का पालन पोषण जहां होता है वह आश्रम 70) नौका, किश्ती 72) हल चलाकर जमीन की मिट्टी खोदना, किसी को जबरदस्ती काम में लगाना 73) शहर 74) दुर्भिक्ष, अशुभ समय 75) निरंतर, लगातार 77) मंदिरो में सेवा देनेवाली दासी, 78) अपरिचित, अनभिज्ञ 80) देवता से प्राप्त फल, आर्शीवाद 81) नगरसंबंधी 82) महाराष्ट्र के वारकरी संत संप्रदाय के एक अग्रणी संत, इन्होने पंजाबी भाषा में भी अभंग रचे थे 87) तालाब 88) बकरी, जन्म रहित 90) सौ 92) कार्य, कर्म (जवाब अगले अंक में)

पिछ्ले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

हि	मा	च	ल	प्र	दे	श		औ	रं	ग	जे	ब		अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न
मा	न			ति	र	प	न		ग	ज	ब		न		ग	र	ज	ना		र
ल	द	वा	ना		क	थ	क	ली		रा		मु	क	री		का	न			गि
य		र		पै	र		ल	प	ट		अ	क	ल	म	न्द		ला	वा	रि	स
	अं	दा	ज		ना	री		ना		बा	व	र	ची			जा	ल		वा	
भा		त	ल	वा			सु		आ	रा	ध	ना		क	मा	न		र	ज	क
री	छ		गां		ब	गु	ला	भ	ग	त			ह	म	ला	व	र			ला
	लि	खा	व	ट		म	ना		म		र	ख	वा	ला		र	स	म	ला	ई
ब	या	न		न	ख	रा		न	न	दो	ई		ला		नौ		खा	रि	ज	
र		पा	न		त	ह	म	त			स	म	त	ल		त	न	य		खा
सा	ज	न	का	घ	र		हा		न		जा	री		की		ल		ल	ग	न
त	न		र	ट	ना		न	ज	र	अं	दा	ज	क	र	ना		अ		ग	दा
	ता	ना		ना	क	र	ग	ड़	ना				प	का	ना		ग	जा	न	न
सु		जा	ट			वा	र		ह	र	द	म		फ		मि	र	गी		
ना	रि	य	ल		ला	ना		नी	र	जा			य	की	न		वा	र	दा	त
र		ज	ना	दे	श		स	च		ई	मा	न	दा	र		ची	ल		रा	म

anumeya-08446302691

जग प्रेरणा

व्यापार समाचार

● शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाइल्स

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

दाइची - रैनबैक्सी मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने फॉरेंसिक ऑडिटर नियुक्त किया

नई दिल्ली, (भाषा)।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने जापानी दवा कंपनी दाइची सैंक्यो के पक्ष में पारित 3,500 करोड़ रुपये के मध्यस्थता पंचाट निर्णय से जुड़े शेयर लेनदेन की जांच के लिए सोमवार को एक फॉरेंसिक ऑडिटर नियुक्त किया। यह मामला फोर्टिस के पूर्व प्रवर्तकों मलविंदर मोहन सिंह और शिविंदर मोहन सिंह से जुड़ा है।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने एस रामानंद अय्यर एंड कंपनी को फॉरेंसिक ऑडिटर नियुक्त करते हुए छह महीने में जांच पूरी करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि जांच का उद्देश्य घटनाक्रम की पूरी कड़ी की पहचान और पुनर्निर्माण करना है, ताकि शेयरों के कथित हस्तांतरण में शामिल व्यक्तियों और कंपनियों का पता लगाया जा सके।

अदालत ने दाइची की उन अर्जियों को मंजूर किया, जिनमें फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड (एफएचएल), सिंह बंधुओं और अन्य के बीच हुए लेनदेन की जांच के लिए फॉरेंसिक ऑडिट की मांग की गई थी। दाइची का आरोप है कि इन लेनदेन के कारण ऐसी संपत्तियां कम हो गईं, जिनसे उसके पक्ष में पारित आदेश के तहत देय राशि की वसूली की जा सकती थी।

अदालत ने फोर्टिस हेल्थकेयर में फोर्टिस हेल्थकेयर होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (एफएचएचपीएल) की हिस्सेदारी में आई तेज गिरावट का भी उल्लेख किया। इस कंपनी का नियंत्रण सिंह बंधुओं के पास था।

उच्च न्यायालय ने कहा कि लेनदेन का एक-एक कर विश्लेषण करने के बजाय विशेषज्ञ के जरिये इनकी पड़ताल करना अधिक उचित होगा। ऑडिटर यह भी जांचेगा कि इन लेनदेन में फोर्टिस हेल्थकेयर की कोई भूमिका थी या नहीं और क्या इनमें भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नियमों का उल्लंघन हुआ।

फॉरेंसिक ऑडिटर को 24 मई, 2016 के बाद एफएचएचपीएल की फोर्टिस हेल्थकेयर में हिस्सेदारी से जुड़े पूरे घटनाक्रम की जांच करने को कहा गया है। इसमें हिस्सेदारी में कमी, गिरवी और गैर-गिरवी शेयरों का हस्तांतरण, नई गिरवी तथा हिस्सेदारी को प्रभावित करने वाले अन्य लेनदेन शामिल हैं।

सिंगापुर के एक न्यायाधिकरण ने 2016 में दाइची के पक्ष में करीब 3,500 करोड़ रुपये का निर्णय दिया था। यह मामला 2008 में सिंह बंधुओं द्वारा अपनी कंपनी रैनबैक्सी के शेयर दाइची को 9,576.1 करोड़ रुपये में बेचे जाने से जुड़ा था। दाइची ने आरोप लगाया था कि शेयरों की बिक्री के समय सिंह बंधुओं ने रैनबैक्सी के खिलाफअमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) और न्याय विभाग की जांच से जुड़ी जानकारी छिपाई थी।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 31 जनवरी, 2018 को इस अंतरराष्ट्रीय पंचाट के फैसले को बरकरार रखा था। इसके खिलाफ सिंह बंधुओं की अपील को उच्चतम न्यायालय ने 16 फरवरी, 2018 को खारिज कर दिया था।

विदेशी मुद्रा प्रवासी जमा जुटाने से भुगतान संतुलन को मिला मजबूत समर्थन: सीईए नागेश्वरन..

नई दिल्ली, (भाषा)।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के एफसीएनआर (बी) जमा सफलतापूर्वक जुटाए जाने से देश के भुगतान संतुलन को मजबूत समर्थन के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये को एक आधार मिला है।

आरबीआई ने आठ जून, 2026 को वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता के बीच देश की बाह्य क्षेत्र की स्थिति मजबूत करने और विदेशी मुद्रा की उपलब्धता बढ़ाने के लिए विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) जमा, विदेशों से वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) और अन्य विदेशी मुद्रा प्रवाह को शामिल करते हुए विशेष डॉलर-रुपया विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा शुरू की थी।

आरबीआई के ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश को कुल 56.84 अरब डॉलर का प्रवाह मिला है, जिसमें 52.3 अरब डॉलर एफसीएनआर(बी) जमा के तहत आए हैं।

नागेश्वरन ने पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़े जारी होने के बाद बयान में कहा, ''आरबीआई के एफसीएनआर जमा को सफलतापूर्वक जुटाया जाना भुगतान संतुलन को बहुत मजबूत समर्थन देता है और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के लिए एक आधार भी प्रदान करता है।''

अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों का जिक्र करते हुए मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि तिमाही आंकड़ों में दिखी मजबूती को महत्वपूर्ण आंकड़ों का भी समर्थन प्राप्त है।

उन्होंने कहा, ''निकट अवधि में देखा जाए तो घरेलू आर्थिक गतिविधियों की गति काफी मजबूत है, लेकिन वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। हमने अगस्त की आर्थिक समीक्षा में इसका जिक्र किया है। ब्याज दर का स्तर, ऊर्जा जिंस की आपूर्ति में संभावित बाधा और खाद्य कीमतों आदि को लेकर चिंताएं हैं।''

नागेश्वरन ने कहा कि वैश्विक मामलों के संबंध में अभी कई मुद्दों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''उनका असर आने वाले समय में देश की आर्थिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। हालांकि, फिलहाल घरेलू आर्थिक गतिविधियां और निर्यात प्रदर्शन दोनों ने मिलकर एक और तिमाही में मजबूत वृद्धि दर्ज कराने में योगदान दिया है। यह पिछले 12 वर्षों में लागू किए गए वृहद आर्थिक और संरचनात्मक सुधारों के लाभकारी प्रभावों को भी दर्शाता है।''

नागेश्वरन ने कहा कि देश अब बेहद अनिश्चित वैश्विक माहौल में इन संरचनात्मक सुधारों का लाभ उठा रहा है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था के तीनों क्षेत्रों...प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक...ने जीडीपी वृद्धि में योगदान दिया।

उन्होंने कहा, ''...कृषि का योगदान कुछ कम रहा, लेकिन पश्चिम एशिया से जुड़ी अनिश्चितताओं के बावजूद पहली तिमाही में विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन अच्छा रहा। इसका एक कारण सरकार का यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि युद्ध के कारण कच्चे माल की कोई कमी नहीं हो।''

कृषि, पशुधन, वानिकी और मत्स्यपालन क्षेत्र की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 3.6 प्रतिशत रही, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 4.4 प्रतिशत थी।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर अप्रैल-जून तिमाही में उम्मीद से बेहतर 7.8 प्रतिशत रही। इससे यह संकेत मिलता है कि ईरान में युद्ध और उससे पैदा हुई वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच भी देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

रुपया 21 पैसे की बढ़त के साथ 95.22 प्रति डॉलर पर

मुंबई, (भाषा)।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सोमवार को शुरुआती गिरावट से उबरते हुए 21 पैसे की बढ़त के साथ 95.22 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक तनाव के कारण स्थानीय मुद्रा पर दबाव

के बीच यह तेजी संभावित रूप से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप के कारण आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि सितंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाने की संभावना बढ़ने के बाद अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ा और डॉलर में व्यापक मजबूती आई। ऐसा हो सकता है कि आरबीआई ने रुपये को समर्थन देने के लिए निचले स्तर पर हस्तक्षेप किया हो।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.56 प्रति डॉलर पर खुला और कारोबार के दौरान 95.11 से 95.56 के दायरे में रहा। अंत में यह 95.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त है।

रुपया शुक्रवार को दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा कि डॉलर सूचकांक में शुक्रवार को आई तेजी और फेडरल रिजर्व के प्रमुख की सख्त रुख वाली टिप्पणियों के बाद शुरुआती गिरावट के बावजूद रुपये ने दो दिन में मजबूत वापसी की और पांच अगस्त के बाद के अपने सबसे मजबूत स्तर पर रहा।

उन्होंने कहा कि इस सुधार में आरबीआई के समय पर किए गए संभावित हस्तक्षेप के साथ-साथ एमएससीआई पुनर्संतुलन और विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) योजनाओं से जुड़े डॉलर प्रवाह की अहम भूमिका रही। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.52 पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 3.70 प्रतिशत बढ़कर 91.36 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि रुपये में बड़ी गिरावट को रोकने के लिए आरबीआई बाजार में हस्तक्षेप कर रहा है। इसके अलावा, एफसीएनआर (बी) योजना के तहत उम्मीद से बेहतर विदेशी मुद्रा प्रवाह से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 307.24 अंक की गिरावट के साथ 76,957.27 अंक पर और निफ्टी 95.25 अंक टूटकर 24,080.40 अंक पर बंद हुआ।

बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में 7,985.88 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की।

आरबीआई ने शुक्रवार को कहा कि 21 अगस्त को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12.42 अरब डॉलर बढ़कर 729.32 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

बाल भाऊ देवरस विद्यालय की 2 छात्राओं का मेडिकल में चयन, छात्राओं का समिति ने किया गरिमामय सम्मान..

जगप्रेरणा लांजी।

विद्या भारती बालभाऊ देवरस सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कारंजा की दो प्रतिभाशाली छात्राओं कुमारी प्रियांशी ठाकरे एवं कुमारी निशा चौरे ने एमबीबीएस में चयनित होकर विद्यालय,

परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। दोनों छात्राओं की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय समिति द्वारा सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें शाल, पुष्पगुच्छ एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह में विद्यालय के अध्यक्ष लालाराम नंदनवार, व्यवस्थापक सचिन अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष डॉ. देवेश येड़े ने दोनों छात्राओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

देवलगांव निवासी कुमारी प्रियांशी ठाकरे, पिता कमल किशोर ठाकरे ने अपनी प्राथमिक शिक्षा बालभाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर, कारंजा से प्रारंभ की। इसके बाद उनका चयन जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी में हुआ, जहां उन्होंने आगे की शिक्षा प्राप्त की। कड़ी मेहनत और लगन के बल पर प्रियांशी ने नीट में सफलता हासिल करते हुए सुखसागर मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में एमबीबीएस में प्रवेश प्राप्त किया।

वहीं कुमारी निशा चौरे, पिता प्रहलाद चौरे ने कक्षा केजी-1 से लेकर 12वीं तक करीब 14 वर्षों तक बालभाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर, कारंजा में शिक्षा प्राप्त की। निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ पढ़ाई करते हुए निशा ने भी नीट में सफलता हासिल की और इंडेक्स मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में प्रवेश प्राप्त किया।

रोजाना 10 से 12 घंटे पढ़ाई को बनाया सफलता का मंत्र

सम्मान समारोह के दौरान दोनों छात्राओं ने विद्यालय में बिताए अपने पुराने दिनों और अध्ययन के अनुभव साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र बताते हुए कहा कि नियमित रूप से प्रतिदिन 10 से 12 घंटे पढ़ाई, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और लक्ष्य के प्रति समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दोनों छात्राओं ने विद्यालय के आचार्यों के मार्गदर्शन एवं अपने माता-पिता के सहयोग के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उनकी सफलता से विद्यालय के विद्यार्थियों में भी उत्साह का माहौल रहा और उन्होंने दोनों छात्राओं से प्रेरणा ली।

कार्यक्रम में देवलगांव की सरपंच श्रीमती पुष्पा ठाकरे सहित विद्यालय का आचार्य परिवार एवं बड़ी संख्या में भैया-बहनों की उपस्थिति रही। विद्यालय के संरक्षक सदस्य राजेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्यामराव राखड़े, परिषद मनोनीत सदस्य रामेश्वर मटाले सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने दोनों छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे ने उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों एवं विद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। दोनों छात्राओं की सफलता को विद्यालय ने अपनी शैक्षणिक परंपरा और संस्कारमय शिक्षा की उपलब्धि बताते हुए इसे अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी बताया।

प्रशासनिक अधिकारियो के कार्य विभाजन, आदित्य नारायण तिवारी को लांजी एसडीएम का प्रभार..

जगप्रेरणा लांजी।

जिले में प्रशासनिक कार्य व्यवस्था को और अधिक सुचारू एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर कुमार सत्यम ने राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के बीच नए सिरे से कार्य विभाजन किया है। जारी आदेश के तहत श्री आदित्य नारायण तिवारी को लांजी अनुविभागीय

अधिकारी (राजस्व) एसडीएम का दायित्व सौंपा गया है। नए कार्य विभाजन के बाद श्री तिवारी लांजी अनुविभाग में राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनके दायित्व में शासन की विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, राजस्व प्रकरणों का निराकरण, कानून-व्यवस्था से जुड़े प्रशासनिक समन्वय तथा आमजन की समस्याओं के समाधान जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल होंगे।

कलेक्टर द्वारा किए गए कार्य विभाजन के तहत संयुक्त कलेक्टर विजय सिंह यादव को कटंगी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर कमलचंद सिंहसार को किरनापुर एसडीएम तथा श्रीश प्यासी को वारासिवनी एसडीएम का दायित्व सौंपा गया है। श्रीश प्यासी को परसवाड़ा एसडीएम का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

लांजी के लिए महत्वपूर्ण बदलाव

आदित्य नारायण तिवारी के लांजी एसडीएम का दायित्व संभालने से क्षेत्र में राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है।

खासकर ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े राजस्व प्रकरण, जनसमस्याओं के निराकरण और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन पर अब प्रशासन की विशेष नजर रहेगी।

विकसित भारत के लिए भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बुनियादी ढांचा जरूरी..

मुंबई, (भाषा)।

देश को विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए ऐसे बुनियादी ढांचे की जरूरत है जो भविष्य की जरूरतों के अनुरूप, जलवायु-अनुकूल, प्रौद्योगिकी-सक्षम, वित्तीय रूप से टिकाऊ और समावेशी हो।

रेटिंग एजेंसी केयरएज ने सोमवार को यह बात कही। 'बुनियादी ढांचा परिदृश्य-विकसित भारत के लिए दृष्टिकोण' शीर्षक से अपनी रिपोर्ट में एजेंसी ने यह भी कहा कि भारत को ऐसे शहरों की जरूरत है जो उत्पादक होने के साथ रहने योग्य हों। इसके अलावा स्वच्छ और कुशल परिवहन व्यवस्था, सुरक्षित एवं हरित ऊर्जा नेटवर्क, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी लॉजिस्टिक श्रृंखला और ऐसी डिजिटल प्रणालियां जरूरी हैं, जो शासन व्यवस्था को सुगम बनाएं।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने सोमवार को मुंबई में आयोजित केयरएज के सम्मेलन में रिपार्ट जारी की। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत का बुनियादी ढांचा विकास एक निर्णायक चरण में प्रवेश कर रहा है। विकास का अगला चरण केवल क्षमता निर्माण से आगे बढ़कर बुनियादी ढांचे के एकीकरण, मजबूती, दक्षता और परिसंपत्तियों के प्रभावी उपयोग पर केंद्रित हो रहा है।

अदाणी ने कहा, ''मैं केयरएज टीम के सामने एक चुनौती रखना चाहता हूं। बुनियादी ढांचे के लिए एकीकृत मंच आधारित दुनिया की पहली व्यापक ऋण मूल्यांकन रूपरेखा भारत से क्यों नहीं आनी चाहिए? केयरएज को इसका नेतृत्व क्यों नहीं करना चाहिए? ऐसी रूपरेखा विकसित की जानी चाहिए जो बहुआयामी बुनियादी ढांचे का आकलन करने में सक्षम हो, जो विभिन्न परिवेश के व्यापक प्रभाव और संबंधित क्षेत्रों से मिलने वाले अतिरिक्त मूल्य को पहचान सके।''

उन्होंने कहा, ''संभवतः एक दिन दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाएं भारत में विकसित इस तरह के ढांचे को अपने मानक के रूप में इस्तेमाल करें।''

रिपोर्ट में बिजली, नवीकरणीय ऊर्जा, सौर विनिर्माण, स्मार्ट मीटर, पारेषण, परमाणु ऊर्जा, डेटा सेंटर, सड़क, बंदरगाह, हवाई अड्डे और बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) समेत विभिन्न क्षेत्रों का आकलन किया गया है। इसमें उन अवसरों और प्रमुख पहलुओं को रेखांकित किया गया है, जो विकसित भारत 2047 की दिशा में देश के बुनियादी ढांचे की प्रगति को प्रभावित करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, जोर अब अलग-अलग परियोजनाओं से हटकर एकीकृत बुनियादी ढांचा परिवेश पर हो गया है। इसमें बहु-माध्यम संपर्क, लॉजिस्टिक दक्षता, ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण अनुकूल उपाय और नागरिक सुविधाओं की योजना एक साथ बनाई जाती है।

रिपोर्ट में कहा गया कि केंद्र का प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 के दौरान करीब 38 लाख करोड़ रुपये रहा। वहीं, केंद्रीय बजट 2026-27 में पूंजीगत व्यय के लिए 12.20 लाख करोड़ रुपये, यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.1 प्रतिशत, आवंटित किया गया है।

केयरएज के प्रबंध निदेशक एवं समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी मेहुल पांड्या ने कहा, ''सार्वजनिक निवेश का यह स्तर बुनियादी ढांचा परिवेश के निर्माण के प्रति सरकार के संकल्प को बताता है।'' उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार के लगातार पूंजीगत व्यय से विभिन्न क्षेत्रों, सेवाओं, रोजगार और क्षेत्रीय विकास में व्यापक गुणक प्रभाव पैदा हुआ है। साथ ही इससे परियोजनाओं की स्पष्टता बढ़ाकर, क्रियान्वयन जोखिम घटाकर और परिसंपत्तियों के मौद्रीकरण के अवसर बढ़ाकर निजी निवेश आकर्षित करने की भारत की क्षमता भी मजबूत हुई है।''

|| श्री जीणमाता की जय || || जय गुलाब बाबा नम: ||
प्रो. मनीष वर्मा, मो. 9425448126
मान्यता ऑटो पार्ट्स
सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते है एंव गाड़ियाँ सुधारी जाती है।

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

सुश्रृत वात क्लिनिक
डॉ. आकाश अनिल शेंडे
बी.ए.एम.एस. (नाशिक)
वात रोग तज्ञ
जनरल फिजिशियन
Regi L - 114791-A
कमर दर्द, सायटिका, आमवात, अस्थीवात, गठियावात, लकवा, नसों का दर्द (मोंदरा) एवं कमर गैप आदि वात रोगों का उपचार..
पता - भिलाई रोड, भारती लॉन के सामने, लांजी मो. 8637707202

जग प्रेरणा
लांजी किरनापुर हट्टा
● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● रिसेवाड़ा ● बहेला ● साडरा ● हिर्री ● रजेगांव

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

सहकारिता की भावना से 33 वर्षों की सेवा देकर एम एल नगपूरे हुए सेवानिवृत्त

गरिमामई बिदाई समारोह का हुआ आयोजन..

जगप्रेरणा लांजी।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट, शाखा लांजी के संस्था प्रबंधक एम. एल. नगपुरे के सेवानिवृत्त होने पर सोमवार, 31 अगस्त 2026 को भारती लॉन, लांजी में गरिमामय विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में सहकारिता एवं बैंकिंग क्षेत्र में उनके 33 वर्षों से अधिक के समर्पित सेवाकाल को याद करते हुए सहकर्मियों, कृषकों एवं गणमान्य नागरिकों ने भावभीनी विदाई दी।

एम. एल. नगपुरे ने 15 दिसंबर 1992 को बी-पैक्स से अपने सेवाकाल की शुरुआत की थी। इसके बाद 22 सितंबर 2003 से उन्होंने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट, शाखा लांजी में अपनी सेवाएं दीं। लंबे सेवाकाल के दौरान उन्होंने संस्था, बैंक तथा कृषकों के हित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कार्यशैली, अनुभव और किसानों के साथ सहयोगात्मक व्यवहार को उपस्थितजनों ने विशेष रूप से सराहा।

ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ किया कार्य..

समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि एम. एल. नगपुरे ने अपने सेवाकाल में ईमानदारी, निष्ठा, कर्तव्यपरायणता और सहकारिता की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। संस्था एवं कृषकों के हितों को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने जो सेवाएं दीं, वे लंबे समय तक याद की जाएंगी। उनका सरल, सहज एवं सहयोगात्मक व्यवहार सहकर्मियों और कृषकों के बीच उनकी अलग पहचान बना रहा।

इस अवसर पर एम. एल. नगपुरे को शॉल, श्रीफल, स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। उपस्थितजनों ने उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना करते हुए सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

पुरानी यादें साझा करते हुए भावुक हुए सहकर्मी..

विदाई समारोह के दौरान वातावरण भावुक हो गया। सहकर्मियों एवं उपस्थितजनों ने नगपुरे के साथ बिताए सेवाकाल की स्मृतियां साझा कीं और उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। वक्ताओं ने कहा कि उनका अनुभव, कार्यशैली और सहकारिता के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

समारोह में शाखा प्रबंधक आर. के. हरिनखेड़े, पर्यवेक्षक एस. बी. राहंगडाले, राजेंद्रप्रसाद उमरे, धर्मपत्नी कर्षनी नगपुरे, पुत्र चिरंजीवी नगपुरे, वीरेंद्र नगपुरे, प्रदीप उमरे सहित समिति एवं बैंक से जुड़े पदाधिकारी, कर्मचारी, कृषकगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक समिति के प्रभारी प्रबंधक विलास चौरे, विजय कावड़े, जितेंद्र जाम्भुरकर, गिरीश बड़गैया एवं घनश्याम पंचाले सहित समिति के समस्त कर्मचारियों ने आयोजन में सहभागिता की। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ समारोह का समापन हुआ।

उपस्थित अतिथियों एवं कर्मचारियों ने एम. एल. नगपुरे के उज्ज्वल, स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उन्हें सेवानिवृत्ति उपरांत जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

ऊंची सोच और ऊंचे सपने देखे विद्यार्थी - विधायक करांहे..

उत्कृष्ट में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

जगप्रेरणा लांजी।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लांजी में सोमवार, 31 अगस्त को सत्र 2025 की बोर्ड परीक्षा में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। समारोह में कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 58 तथा कक्षा 10वीं के 60 विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शिका पुस्तक, शील्ड, प्रशस्ति पत्र एवं बैग प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सामग्री लांजी-किरनापुर क्षेत्र के विधायक राजकुमार करांहे द्वारा विद्यार्थियों को वितरित की गई।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को बताया गया कि करियर मार्गदर्शिका पुस्तकों को अच्छी तरह पढ़कर एवं समझकर विद्यालय में वापस जमा करना है, ताकि अगले वर्ष इन पुस्तकों का लाभ अन्य विद्यार्थी भी उठा सकें। मार्गदर्शिका के माध्यम से विद्यार्थी अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप आगे की पढ़ाई और करियर का मार्ग स्वयं निर्धारित कर सकेंगे।

विद्यार्थियों को दिया सफलता का मंत्र..

सम्मान समारोह के बाद कक्षा 9वीं से 12वीं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को विधायक राजकुमार करांहे ने मार्गदर्शन देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को ऊंचे सपने देखने और सकारात्मक सोच रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि लक्ष्य ऊंचा होगा और उसके लिए निरंतर मेहनत की जाएगी तो निश्चित रूप से सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि आज बालिकाएं शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर बड़े-बड़े पदों पर पहुंच रही हैं। इसी प्रकार बालकों को भी मेहनत और लगन के साथ अपनी पढ़ाई पूरी कर जीवन में उच्च लक्ष्य हासिल करना चाहिए।विधायक ने विद्यार्थियों को 'नशे से दूरी है जरूरी' का संदेश देते हुए नशे से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन से जुड़े कुछ अनुभव भी विद्यार्थियों के साथ साझा किए। साथ ही मुख्यमंत्री से बिना डरे अच्छे एवं सार्थक प्रश्न पूछने वाले विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया।

जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षकों की रही उपस्थिति..

कार्यक्रम में गौरव बैस, सांसद प्रतिनिधि जिला पंचायत, कैलाश गोस्वामी, विधायक प्रतिनिधि तथा राकेश रामटेककर, सांसद प्रतिनिधि सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संस्था प्राचार्य डी.के. फुल्लारे, एस.आई. बनोठे, रविंद्र धामड़े, जी.आर. चीखले, एम.डी. मेश्राम, एन.के. मेश्राम सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया तथा उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार मेहनत कर विद्यालय, परिवार एवं क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया गया।

आईटीआई पालडोंगरी में प्रवेश प्रक्रिया के लिए अंतिम चरण..

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी क्षेत्र की पालडोंगरी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में वर्ष 2026-27 के प्रवेश के लिए अंतिम चरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। संस्था में वर्तमान में आशुलिपिक हिंदी व्यवसाय में सीटें रिक्त हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए यह प्रवेश का अंतिम अवसर है। मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड द्वारा जारी प्रवेश कार्यक्रम के अनुसार 'पहले आओ, पहले पाओ' चरण के अंतर्गत रिक्त सीटों की जानकारी 4 सितंबर 2026 को प्रवेश जानकारी पोर्टल पर प्रदर्शित की जाएगी। 5 सितंबर से 7 सितंबर 2026 तक नवीन पंजीयन, विकल्प चयन एवं त्रुटि सुधार की प्रक्रिया होगी।

अभ्यर्थी अपनी इच्छा के अनुसार किसी एक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में उपलब्ध किसी एक व्यवसाय का चयन कर सकेंगे। सभी पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए विकल्प चयन करना अनिवार्य है। विकल्प को अंतिम रूप से सुरक्षित करने के बाद उसमें संशोधन संभव नहीं होगा। इसलिए अभ्यर्थियों को संस्था एवं व्यवसाय का चयन सावधानीपूर्वक करने की सलाह दी गई है। प्रवेश के लिए अभ्यर्थी को 50 रुपये का भुगतान कर विकल्प सुरक्षित करना होगा। इसके बाद आवंटन पत्र निकालकर संबंधित आईटीआई में मूल दस्तावेज एवं दो सेट छायाप्रतियों के साथ उपस्थित होकर उसी दिन दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा। सत्यापन के बाद प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश पर्ची प्राप्त करनी होगी। निर्धारित प्रक्रिया पूरी नहीं करने वाले अभ्यर्थी का आवंटन संस्था द्वारा अगले कार्यदिवस में दोपहर 1 बजे के बाद निरस्त किया जा सकता है तथा रिक्त सीट के अनुसार किसी अन्य आवेदक को प्रवेश दिया जा सकेगा। पालडोंगरी शासकीय आईटीआई में आशुलिपिक हिंदी व्यवसाय में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी 5 से 7 सितंबर के बीच होने वाली इस अंतिम प्रवेश प्रक्रिया का लाभ उठा सकते हैं।

सेवा सहकारी समिति खारा में लिपिक जितेन्द्र हनवंत को सेवानिवृत्ति पर दी गई भावभीनी विदाई..

जगप्रेरणा किरनापुर।

सेवा सहकारी समिति खारा में पदस्थ लिपिक जितेन्द्र हनवंत के सेवानिवृत्त होने पर समिति कार्यालय में विदाई समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों, कर्मचारियों एवं उपस्थितजनों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके कार्यकाल की सराहना की। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि जितेन्द्र हनवंत ने अपने सेवाकाल के दौरान जिम्मेदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। समिति से जुड़े किसानों एवं सदस्यों के कार्यों में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विदाई समारोह के दौरान उपस्थितजनों ने उन्हें शॉल, श्रीफल एवं पुष्पहार भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके स्वस्थ, सुखी एवं मंगलमय सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान भावुक माहौल में सहकर्मियों एवं शुभचिंतकों ने उनके साथ बिताए कार्यकाल के अनुभव भी साझा किए। समारोह के अंत में जितेन्द्र हनवंत ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सहकारी समिति के साथ बिताया समय उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। उन्होंने सभी सहयोगियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

इनकी रही उपस्थिति प्रबंधक क्षीरसागर जी, हिरालाल वाघे समिति सहायक प्रबंधक, नुरेन्द पारधी आपरेटर, योगराज बिसेन, छोटेलाल रहांगडाले, देवीचरण पारधी पूर्व जिला पंचायत सदस्य, चित्रसेन पारधी, राजेंद्र बोपचे सरपंच खारा, ईश्वरदयाल पारधी पूर्व अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति खारा एवं समस्त गणमान्य।

बैगा, आदिवासियों का विकास तभी संभव है जब धरातल पर दिखे योजनाएं - अजय अवसरे

नुक्सलमुक्त अभियान के बाद कागजों तक सीमित योजनाएं - ऋषि पटेल..

जगप्रेरणा लांजी।

बैगा आदिवासी समाज बालाघाट की पहचान, जंगल और प्रकृति का अभिन्न हिस्सा होने के साथ इस क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण जनजातीय आबादी में से एक है।

पीढ़ियों से जंगल और प्राकृतिक संसाधनों के साथ जीवन जीने वाले इस समाज के नाम पर सरकारें योजनाएं बनाती हैं, बजट जारी करती हैं और विकास के दावे करती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि आज भी बैगा परिवारों का बड़ा हिस्सा स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, आवास और मूलभूत सुविधाओं के लिये संघर्ष कर रहा है। बैगा आदिवासी इस क्षेत्र के लिये बेहद आवश्यक हैं। उनकी संस्कृति, परंपराएं, जंगलों से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान और प्रकृति के संरक्षण में उनकी भूमिका बालाघाट की पहचान है। इनके नाम पर सरकारी योजनाओं में राशि आती है, विभागों के माध्यम से योजनाएं चलती हैं, लेकिन बैगा आदिवासियों के हिस्से का कितना रुपया वास्तव में उन तक पहुंचता है और कितना सरकारी विभाग और अधिकारी डकार जाते हैं, इसकी जमीनी तस्वीर भी सामने आनी चाहिए। ऐसे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा बैगा बहुल क्षेत्रों के लिये की गई घोषणाओं को लेकर जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला के अध्यक्ष ऋषि पटेल दसरिया ने अपनी अलग-अलग प्रतिक्रिया व्यक्त की है। दोनों नेताओं ने कहा कि नक्सल मुक्त बालाघाट को विकास और आत्मनिर्भरता का मॉडल बनाने की बात तभी सार्थक होगी, जब विकास की वास्तविक तस्वीर बोंदारी जैसे गांवों और लांजी के अस्पतालों में दिखाई दे। बैगा आदिवासियों के नाम पर घोषणा करने से ज्यादा जरूरी है कि उनके हिस्से का हक और सरकारी सुविधा वास्तव में उनके घर और अस्पताल के बिस्तर तक पहुंचे।

2 लाख की सहायता बैगा परिवारों के लिये ऊंट के मुंह में जीरा : अजय अवसरे..

जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बीमारी से मृत बच्चों के परिवारों को प्रति परिवार 2 लाख रुपये की मुआवजा राशि देने की घोषणा की है, लेकिन जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है, उनके लिये यह राशि ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। किसी परिवार ने अपने बच्चे को खोया है तो दो लाख रुपये उस परिवार के दर्द और भविष्य की भरपाई नहीं कर सकते। अवसरे ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बालाघाट जिले के सर्वांगीण विकास के लिये 225 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की घोषणा की है। घोषणा सुनने में बड़ी है, लेकिन बैगा आदिवासियों की वास्तविक जरूरतों के सामने यह भी ऊंट के मुंह में जीरा जैसी है। वर्षों से जिन गांवों में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पेयजल, रोजगार और आजीविका जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है, वहां केवल घोषणा कर देने से बैगा परिवारों का जीवन नहीं बदलने वाला। अवसरे ने कहा कि बैगा परिवारों को किसी की कृपा नहीं चाहिए। उन्हें उनके हिस्से का हक चाहिए। घोषणा की राशि से ज्यादा जरूरी यह है कि योजनाओं का पैसा सही हितग्राही तक पहुंचे और सरकारी व्यवस्था उन परिवारों के घर तक पहुंचे, जिनके नाम पर योजनाएं बनाई जा रही हैं। अवसरे ने कहा कि मुख्यमंत्री बोंदारी आये थे तो बैगा परिवारों के बीच बैठकर उनकी वास्तविक समस्याएं समझने की उम्मीद थी। लेकिन अपनी ढपली और अपना राग अलापते हुए नक्सल समस्या को बीच में ले आए। ग्रामीणों को अपने स्वास्थ्य , बच्चों की बीमारी, शिक्षा, रोजगार और रोजमर्रा की परेशानियों के बारे में मुख्यमंत्री से अपनी बात कहने का अवसर चाहिए था। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा ग्रामीणों से यह कहे जाने पर भी नाराजगी जताई कि 'कभी इतना बड़ा नेता आप लोगों के बीच में आया है क्या' और पहली बार आने पर ग्रामीण ताली बजाकर उनका स्वागत भी नहीं कर रहे हैं। दशरिया ने कहा कि बैगा आदिवासियों को तालियां बजाने से ज्यादा अपने बच्चों के लिये इलाज, शिक्षा और बेहतर भविष्य चाहिए। उन्हें अपने हिस्से की योजनाओं का लाभ और सम्मानजनक जीवन चाहिए।

लांजी अस्पताल में भर्ती लगभग आधा सैकड़ा बैगा मरीज, फिर मुख्यमंत्री को जानकारी क्यों नहीं? : ऋषि पटेल दशरिया..

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला के अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बोंदारी में बैगा आदिवासियों से उनका हालचाल जानने और उनके हालात समझने के लिये पहुंचे थे। लेकिन इसी दौरान लांजी के सिविल अस्पताल में भर्ती लगभग आधा सैकड़ा बैगा समुदाय के मरीजों का हालचाल तक मुख्यमंत्री के सामने नहीं आया। दशरिया ने कहा कि इन मरीजों में कुछ स्वस्थ होकर अपने घर लौट चुके हैं, जबकि कुछ मरीज अस्पताल में उपचाररत रहे हैं। बीते दिनों विधायक राजकुमार करांहे, सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सिविल अस्पताल पहुंचकर मरीजों का हालचाल जाना था। ऐसे में मुख्यमंत्री के दौरे के समय स्वास्थ्य विभाग या संबंधित अधिकारियों द्वारा इन मरीजों की जानकारी मुख्यमंत्री तक नहीं पहुंचाना गंभीर लापरवाही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बैगा आदिवासियों के स्वास्थ्य और उनके जीवन की कठिनाइयों को समझने के लिये आये थे, तो लांजी सिविल अस्पताल में भर्ती मरीज क्या बैगा समुदाय से नहीं आते? यदि आते हैं तो फिर उनकी बीमारी और उपचार की जानकारी मुख्यमंत्री के सामने क्यों नहीं रखी गई।

मंच से बैगा समाज के स्वास्थ्य की बात करने के बजाय अस्पताल में भर्ती वास्तविक मरीजों की स्थिति मुख्यमंत्री के सामने रखी जाती तो उन्हें क्षेत्र की वास्तविक तस्वीर समझने में अधिक मदद मिलती। ऋषि पटेल ने कहा कि सरकारी तंत्र वर्षों से इन दूरस्थ क्षेत्रों तक आवश्यक सुविधाएं पहुंचाने में नाकाम रहा है। अब नक्सल मुक्त होने के बाद मुख्यमंत्री द्वारा यह कहना कि 'इन क्षेत्रों से ऐसी समस्याओं से हम रूबरू हो रहे हैं', उचित नहीं लगता। नक्सलियों की मौजूदगी में कभी ऐसी समस्या या घटना प्रकाश में नहीं आई। यदि आज ऐसी समस्याएं सामने आ रही हैं तो यह भी उसी सरकारी तंत्र की विफलता है, जो इतने वर्षों में इन इलाकों के लोगों तक पर्याप्त स्वास्थ्य और अन्य सुविधाएं पहुंचाने में नाकाम रहा।

मंडला जिले में हिन्दी दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
हेमंत नायक
मो. 88273 19933

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

सीआरपीएफ जवानों की कलाई पर बांधा रक्षासूत्र, भावुक हुए जवान..

समाज की बहनों ने राखी बांधकर जताया सम्मान, जवानों ने दिया सुरक्षा का भरोसा..

जगप्रेरणा मंडला।
रक्षाबंधन के पावन अवसर पर सोमवार को 148वीं सीआरपीएफ बटालियन मुख्यालय में भावनात्मक माहौल देखने को मिला। श्रमजीवी पत्रकार परिषद एवं मंडला कला मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में समाज की बहनों ने सीआरपीएफ जवानों की कलाई पर राखी बांधकर उनके प्रति सम्मान, स्नेह और अपनत्व प्रकट किया। राखी बंधवाते समय कई जवानों के चेहरों पर खुशी के साथ भावुकता भी साफ दिखाई दी। कार्यक्रम में 148वीं सीआरपीएफ बटालियन के कमांडेंट आलोक वीर यादव, द्वितीय कमान अधिकारी रत्नेश कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी प्रमोद कुमार यादव, उप कमांडेंट मनोरंजन कुमार, उप कमांडेंट श्रीमती मनोरमा सिंह और सूबेदार मेजर एलबी थापा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे।

बोले कमांडेंट- समाज का स्नेह जवानों का मनोबल बढ़ाता है..

कमांडेंट आलोक वीर यादव ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि सुरक्षा, विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक भी है। देश की सीमाओं और आंतरिक सुरक्षा में तैनात जवान अपने परिवार से दूर रहकर राष्ट्र सेवा करते हैं। ऐसे में जब समाज की बहनें जवानों की कलाई पर राखी बांधती हैं, तो उन्हें अपने परिवार के स्नेह का एहसास होता है।

उन्होंने कहा कि देश की बहनों का स्नेह और आशीर्वाद जवानों का मनोबल बढ़ाता है और उन्हें राष्ट्र सेवा के लिए नई ऊर्जा देता है। उन्होंने मंडला कला मंच एवं श्रमजीवी पत्रकार परिषद का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज और सुरक्षा बलों के बीच आत्मीय संबंधों को मजबूत करते हैं।

बहनों ने कहा- जवानों की कलाई पर राखी बांधना गौरव की बात..

कार्यक्रम में शामिल बहनों ने कहा कि सीआरपीएफ जवान देश की सुरक्षा के लिए दिन-रात अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। त्योहारों पर भी कई जवान अपने परिवार के बीच नहीं पहुंच पाते और देशवासियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे में रक्षाबंधन पर उनकी कलाई पर राखी बांधना उनके लिए गौरव का विषय है। राखी बांधने के बाद बहनों ने जवानों की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं जवानों ने भी बहनों को हर परिस्थिति में सुरक्षा का भरोसा दिलाया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भाई-बहन के स्नेह से सराबोर माहौल बना रहा। कई भावुक क्षणों में जवानों और बहनों की आंखें भी नम दिखाई दीं। इस दौरान पत्रकार परिषद के जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने उपस्थितजनों का परिचय कराया और कार्यक्रम के उद्देश्य एवं आयोजन की जानकारी दी। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता किशोर रजक, रोहित बघेल, रमोरंजन नामदेव, श्रीमती उमा यादव, श्रीमती सुनीता सैयाम, श्रीमती सीता परतेती, श्रीमती दीप्ति नरेलिया, सुश्री रक्षा नामदेव, श्रीमती ललिता लहोरिया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सोलह श्रृंगार कर सुहागिनों ने रखा तीजा व्रत, चांद को अर्घ्य देकर किया पूर्ण..

सिंधी समाज की महिलाओं ने पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की, कन्याओं ने सुयोग्य वर के लिए रखा उपवास..

जगप्रेरणा मंडला।
पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना को लेकर सिंधी समाज की महिलाओं ने सोमवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ तीजा व्रत रखा।

सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत किया, वहीं कन्याओं ने सुयोग्य वर की प्राप्ति की कामना से व्रत रखा। तीजा पर्व को लेकर महिलाओं में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा।

व्रत से एक दिन पहले महिलाओं ने मेहंदी की रस्म निभाई। हाथों में आकर्षक और आधुनिक डिजाइन की मेहंदी सजाने को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह नजर आया। सोमवार सुबह महिलाओं ने ब्रह्म मुहूर्त में सरगी का सेवन किया। इसके बाद नए परिधानों में सोलह श्रृंगार कर महिलाएं पूजा की थाली लेकर सामाजिक पुरोहित के घर पहुंचीं, जहां विधि-विधान से तीज माता की पूजा-अर्चना की गई।

फुलेहरा झूले में बांधा, महिलाओं ने की पूजा..

तीजा पर्व की परंपरा के अनुसार सुबह तीज माता का फुलेहरा झूले में बांधा गया। इसमें फल-फ्रूट सहित विभिन्न पूजन सामग्री रखी गई। महिलाओं ने परंपरागत रूप से फुलेहरे को झूला झुलाया और तीज माता की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। शाम को सामाजिक पुरोहित के घर तीजड़ी माता की कथा का आयोजन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में समाज की महिलाओं ने शामिल होकर श्रद्धापूर्वक कथा का श्रवण किया। इस दौरान महिलाओं ने तीज व्रत से जुड़ी धार्मिक और पारंपरिक मान्यताओं का पालन किया।

चंद्रमा को अर्घ्य देकर पति के हाथों से ग्रहण किया जल..

रात्रि में चंद्रमा के दर्शन होने के बाद महिलाओं ने चंद्रदेव की पूजा की और उन्हें अर्घ्य दिया। इसके बाद सुहागिनों ने पति की पूजा कर उनके हाथों से जल ग्रहण करते हुए व्रत का पारण किया। इस दौरान पति ने अपनी पत्नियों को उपहार भेंट कर तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं।

तीजा पर्व के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। घर के बुजुर्गों के मार्गदर्शन में महिलाओं ने समाज की पारंपरिक रीति-रिवाजों और धार्मिक मान्यताओं का निर्वहन किया। पूरे दिन चले धार्मिक आयोजन के बाद चंद्र दर्शन और पूजा के साथ व्रत पूर्ण हुआ।

मंडला फोर्ट से पेंचवेली एक्सप्रेस संचालन की मांग फिर तेज, यात्रियों ने उठाए सवाल..

जगप्रेरणा मंडला।
मंडला जिले के रेल यात्रियों को इंदौर से सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने वाली पेंचवेली एक्सप्रेस को मंडला फोर्ट स्टेशन से संचालित किए जाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। स्थानीय रेल कार्यकर्ताओं और यात्रियों का कहना है कि इस मांग को उठाए एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक रेलवे की ओर से कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया है।

यात्रियों का कहना है कि मंडला फोर्ट स्टेशन पर प्लेटफॉर्म विस्तार का कार्य पूर्ण हो चुका है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा भी इसकी जानकारी दी जा चुकी है। इसके अलावा स्टेशन पर साफ-सफाई और पेयजल जैसी आवश्यक सुविधाओं को लेकर भी व्यवस्थाएं शुरू कर दी गई हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं, तो पेंचवेली एक्सप्रेस का संचालन मंडला फोर्ट से क्यों नहीं किया जा रहा।

वर्तमान में पेंचवेली एक्सप्रेस शाम को नैनपुर से इंदौर के लिए रवाना होती है और सुबह इंदौर से वापस नैनपुर पहुंचती है। इसके बाद ट्रेन को ठहराव और रखरखाव के लिए मंडला फोर्ट स्टेशन तक लाया जाता है। रेल यात्रियों का तर्क है कि जब ट्रेन नियमित रूप से मंडला फोर्ट तक आ ही रही है, तो इसे यहीं से प्रारंभ करने में कोई बाधा नहीं होनी चाहिए।

स्थानीय नागरिकों का मानना है कि यदि ट्रेन का संचालन मंडला फोर्ट से शुरू होता है तो जिले के हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे मंडला का इंदौर सहित प्रदेश के अन्य प्रमुख शहरों से संपर्क और अधिक मजबूत होगा।

मंडला की जनता लंबे समय से रेल सुविधाओं के विस्तार की मांग करती आ रही है। अब लोगों की नजर जिले के जनप्रतिनिधियों और रेलवे अधिकारियों पर टिकी है। नागरिकों का कहना है कि केवल आश्वासन नहीं, बल्कि रेलवे बोर्ड और संबंधित रेलवे मंडल के समक्ष ठोस प्रस्ताव रखकर पेंचवेली एक्सप्रेस को मंडला फोर्ट से शुरू कराने की दिशा में प्रभावी पहल की जानी चाहिए।

स्कूल में बच्चों से कराई गई सफाई, वीडियो वायरल होने पर चार शिक्षकों को नोटिस..

जगप्रेरणा मंडला।
जिले के मवई विकासखंड स्थित अमवार शासकीय प्राथमिक विद्यालय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग हरकत में आ गया है। 27 अगस्त को सामने आए इस वीडियो में स्कूली बच्चे पढ़ाई करने के बजाय विद्यालय परिसर, कक्षाओं और शौचालयों की सफाई करते हुए दिखाई दे रहे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा विभाग ने विद्यालय के चार शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

वायरल वीडियो में कुछ बच्चे शौचालय साफ करते नजर आ रहे हैं, जबकि अन्य बच्चे कक्षाओं में झाड़ू लगाते दिखाई दे रहे हैं। घटना सामने आने के बाद विद्यालय की व्यवस्था और शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार विद्यालय में कुल सात शिक्षक पदस्थ हैं, जिनमें तीन अतिथि शिक्षक शामिल हैं। जांच के दौरान विद्यालय में केवल तीन अतिथि शिक्षक ही उपस्थित पाए गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि विद्यालयों की साफ-सफाई के लिए शासन द्वारा अलग से राशि और संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं। इसके बावजूद बच्चों से सफाई कार्य कराना नियमों के विपरीत है और उनकी शिक्षा के अधिकार का भी उल्लंघन माना जा सकता है।

जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) अशोक शुक्ला ने बताया कि मामला सामने आते ही विभाग ने चार शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जवाब प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं मवई के प्रभारी बीईओ लालजी उइके ने बताया कि जांच के दौरान अनुपस्थित पाए गए शिक्षकों में एक शिक्षक कार्यालयीन कार्य से बीआरसी कार्यालय गए थे, दो शिक्षक अवकाश पर थे, जबकि एक शिक्षक बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाया गया। उन्होंने बताया कि दो शिक्षकों के नोटिस के जवाब प्राप्त हो चुके हैं, जिन्हें अग्रिम कार्रवाई के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दिया गया है।

इसके अलावा एक साथ दो शिक्षकों का अवकाश स्वीकृत करने के मामले में संबंधित संकुल प्राचार्य को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। बच्चों से सफाई कराए जाने की घटना के बाद अब विभागीय जांच और आगामी कार्रवाई पर अभिभावकों तथा क्षेत्रवासियों की नजर बनी हुई है।

पिंडरई में श्रमण संस्कृति रक्षा दिवस पर दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान संपन्न..

जगप्रेरणा मंडला।
जिले के पिंडरई में वंदनीय आर्यिका मां विमल मति माताजी ससंघ के मंगल सान्निध्य में श्रमण संस्कृति रक्षा दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मध्यान, पूजा-अर्चना एवं विभिन्न धार्मिक गतिविधियों में सहभागिता की।

आयोजन के अंतर्गत रक्षाबंधन विधान संपन्न हुआ, जिसमें अकम्पनाचार्य सहित 700 मुनिराजों का स्मरण कर श्रद्धापूर्वक अर्घ समर्पित किए गए। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने धर्म और संस्कृति की रक्षा का संकल्प भी लिया।

वात्सल्य पर्व के तहत रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें राखी सजाओ प्रतियोगिता तथा मां जिनवाणी सजाओ प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें बच्चों, महिलाओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कला एवं भक्ति का परिचय दिया। कार्यक्रम की समापन बेला में पूज्य बड़ी माताजी वंदनीय आर्यिका मां विमल मति माताजी की मंगल देशना का लाभ श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। माताजी ने अपने प्रवचन में 700 मुनिराजों पर आए उपसर्ग और उनकी रक्षा से जुड़ी ऐतिहासिक कथा का वर्णन करते हुए रक्षासूत्र बांधने के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व को विस्तार से समझाया। सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष कैलाश चंद्र चौधरी ने बताया कि दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में समाज के सभी वर्गों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं को धर्मध्यान, संत समागम और पुण्य अर्जन का विशेष अवसर प्राप्त हुआ। आयोजन का समापन धार्मिक उल्लास, श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ।

कार्यालय ग्राम पंचायत मोहपानी
जनपद पंचायत निवास, जिला मंडला (म.प्र.)

।। मतस्य पालन हेतु निविदा ।।

सर्वसाधारण नागरिकों एवं मछुआ समितियों को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मोहपानी अंतर्गत स्थापित जलाशय एवं छोटे तालाब में मत्स्य पालन कार्य हेतु इच्छुक एवं पात्र मछुआ समितियों/समूहों से आवेदन एवं आवश्यक दस्तावेज आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक मछुआ समितियां/समूह दिनांक 01/09/2026 से 06/09/2026 तक कार्यालयीन समय में कार्यालय ग्राम पंचायत मोहपानी में अपनी समिति के आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं।

आवश्यक पात्रता एवं शर्तें– 1. संबंधित समूह/समिति का पंजीयन कम से कम 02 वर्ष पूर्व का होना अनिवार्य है। 2. समिति की क्रेडिट एवं सिविल स्थिति/रिकॉर्ड संतोषजनक होना आवश्यक है। 3. आवेदन के साथ समिति के पंजीयन संबंधी आवश्यक दस्तावेज एवं अन्य प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। 4. निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदन/दस्तावेजों पर विचार नहीं किया जाएगा। 5. निविदा/चयन संबंधी अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत के नियमानुसार एवं सक्षम प्राधिकारी के अधिकार क्षेत्र में रहेगा। अतः इच्छुक एवं पात्र मछुआ समितियों/समूहों से निर्धारित अवधि के भीतर आवश्यक दस्तावेज कार्यालय ग्राम पंचायत मोहपानी में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया जाता है।

दिनांक:01/09/2026
स्थान: मोहपानी

कार्यालय ग्राम पंचायत
मोहपानी

अब अपनी विज्ञापन जरुरतों के लिये बनाईये दैनिक जगप्रेरणा को अपना सारथी..

गोंदिया बालाघाट जिले से एक साथ प्रकाशित.. प्रतिदिन दो लाख पाठकों का संपर्क माध्यम

क्लासिफाईड विज्ञापन दर..
■ आवश्यकता है, ■ खरीदना है,
■ बेचना है, ■ प्रॉपर्टी,
■ किराये से देना है,
सिंगल कॉलम - सिर्फ 250 रु. 3 दिन, 500 रु. 7 दिन
डबल कॉलम - सिर्फ 450 रु. 3 दिन, 800 रु. 7 दिन
■ नाम परिवर्तन ■ पगड़ी रस्म..
■ कोर्ट नोटिस.. ■ आम सूचना..
सिंगल कॉलम सिर्फ 600 रु. 1 दिन
डबल कॉलम सिर्फ 1000 रु. 1 दिन
कृपया अपने नजदीकी जगप्रेरणा संवाददाता से विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें..
अधिक जानकारी हेतु..9329033433, 9922607145

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, नेहरू स्मारक चौराहे पर की नारेबाजी..

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज

जगप्रेरणा मंडला।
जिला कांग्रेस कमेटी मंडला के नेतृत्व में सोमवार शाम नेहरू स्मारक चौराहे पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा स्थल के कथित शुद्धिकरण और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को तत्काल वापस लेने की मांग की। साथ ही सभा स्थल का कथित शुद्धिकरण करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग भी उठाई गई।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले, बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा, निवास विधायक चैन सिंह वरकड़े सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान नेताओं ने केंद्र और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि इस प्रकार की घटनाएं सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान, सामाजिक समानता और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी।

प्रदर्शन के अंत में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि लोकतांत्रिक अधिकारों पर इस तरह के हमले जारी रहे तो पार्टी आगे भी आंदोलन और विरोध प्रदर्शन करेगी।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरे पढ़ने अपने ग्रुप मे जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा ग्रामीण गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

छात्रावास कर्मचारियों का शासकीय शोषण, 4 घंटे काम करने के बाद भी हाथ में नाममात्र का मानदेय

सामाजिक न्याय विभाग द्वारा शोषण, वेतनमान के लिए आंदोलन का रुख..

जगप्रेरणा देवरी।

पिछड़ा वर्ग अनुदानित छात्रावास कर्मचारियों की सामाजिक न्याय विभाग द्वारा गंभीर उपेक्षा किए जाने की बात सामने आ रही है।

24 घंटे लगातार मेहनत करने के बाद भी बेहद कम मानदेय और कड़ी मशक्कत के बदले शून्य मुआवजा–ऐसी स्थिति इन कर्मचारियों की बन चुकी है। कर्मचारियों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि सरकार ने उन्हें 'बोझ ढोने वाला गधा' बनाकर रख दिया है।

छात्रावास के छात्रों का भविष्य ईमानदारी से संवारने वाले गृहपाल (अधीक्षक), रसोइए, सहायक और रात में पहरा देने वाले चौकीदारों से नाममात्र मानदेय पर काम करवाया जा रहा है। सामाजिक दायरे में रहकर अपनी सेवाएं देने वाले इन कर्मचारियों का शोषण कर सरकार एक तरह से उनका मनोबल तोड़ने का काम कर रही है। महापुरुषों की संकल्पना पर आधारित छात्रावास योजनाओं का उत्थान करने के बजाय, वास्तव में सबसे निचले तबके की घोर उपेक्षा की जा रही है।

'समान काम के लिए समान वेतन' के सिद्धांत को ताक पर रख दिया गया है। अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गया है? पिछड़ा वर्ग छात्रावासों की प्रगति के दरवाजे बंद किए जा रहे हैं और जब तक इन कर्मचारियों के बीच का भेदभाव खत्म नहीं होता, तब तक उन्हें सही मायनों में न्याय नहीं मिलेगा।

महंगाई ने तोड़ी कमर, आत्महत्या की नौबत..

किसी को नियमित वेतनमान तो किसी के मुंह पर नाममात्र मानदेय की धूल फेंककर 24 घंटे काम कराया जा रहा है। इस वजह से कर्मचारियों के सामने अपने परिवार का भरण-पोषण करने का विकट संकट खड़ा हो गया है। एक आम मजदूर को मिलने वाली दिहाड़ी से भी कम मानदेय मिलना और वह भी छह-छह महीने तक बकाया रहना–इसने कर्मचारियों का जीना दूभर कर दिया है। बढ़ती महंगाई ने कर्मचारियों की कमर तोड़ दी है और निराशा में आकर कई कर्मचारी आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर हो चुके हैं।

सरकार को उग्र आंदोलन की चेतावनी..

इससे पहले भी कर्मचारियों ने कई आंदोलन, धरना प्रदर्शन, मोर्चे और भूख हड़तालें कीं; लेकिन सरकार की तरफसे सिर्फआश्वासनों की खैरात ही मिली, धरातल पर कर्मचारियों को कुछ हासिल नहीं हुआ। कर्मचारियों के योगदान का मूल्यांकन करने के बजाय उन पर तरह-तरह की शर्तें लादकर नकारात्मक नजरिया अपनाया जा रहा है।

गोंदिया जिला छात्रावास संचालक मंडल के सदस्य रूपचंद जांभुलकर ने चेतावनी दी है कि सरकार अब इन गरीब कर्मचारियों के सब्र का इम्तिहान न ले। अपने नकारात्मक रवैये को छोड़कर कर्मचारियों को तुरंत नियमित वेतनमान लागू करे, अन्यथा पूरे राज्य में उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा।

गांधीटोला जि. प. स्कूल की 5 कक्षाएं जर्जर, 106 विद्यार्थियों की सुरक्षा पर मंडराया खतरा..

पालकों ने विधायक संजय पुराम से नई पांच कक्षाओं के निर्माण की लगाई गुहार..

जगप्रेरणा सालेकसा।

तालुका के गांधीटोला स्थित जिला परिषद वरिष्ठ प्राथमिक विद्यालय में जर्जर एवं खतरनाक कक्षाओं का मामला गंभीर बन गया है।

विद्यालय की पांच कक्षाएं खतरनाक स्थिति में होने से यहां अध्ययनरत 106 विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर पालकों में चिंता व्याप्त है। विद्यार्थियों के जीवन एवं शैक्षणिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए पालकों ने विधायक संजय पुराम को ज्ञापन सौंपकर विद्यालय के लिए तत्काल नई पांच कक्षाओं के निर्माण को मंजूरी देने तथा आवश्यक निधि उपलब्ध कराने की मांग की है।

गांधीटोला स्थित जिला परिषद वरिष्ठ प्राथमिक विद्यालय में कक्षा पहली से आठवीं तक शिक्षा दी जाती है। विद्यालय में कुल 106 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें 48 छात्र और 58 छात्राएं शामिल हैं। विद्यार्थियों को शिक्षा देने के लिए विद्यालय में कुल पांच शिक्षक कार्यरत हैं।

लेकिन विद्यालय में उपलब्ध कक्षाओं की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। पालकों द्वारा दिए गए ज्ञापन के अनुसार विद्यालय की केवल दो कक्षाएं सुरक्षित स्थिति में हैं, जबकि पांच कक्षाएं जर्जर एवं खतरनाक हो चुकी हैं। ऐसे में इन कक्षाओं में विद्यार्थियों को बैठाना किसी भी समय गंभीर दुर्घटना को आमंत्रण दे सकता है। विशेष रूप से बारिश के मौसम में स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है। जर्जर कक्षाओं के कारण विद्यार्थियों को सुरक्षित वातावरण में शिक्षा उपलब्ध कराना मुश्किल हो रहा है। पर्याप्त एवं सुरक्षित कक्षाओं के अभाव में पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों की कक्षाएं एक साथ अथवा खुले स्थान पर संचालित करनी पड़ रही हैं। इसका सीधा असर विद्यार्थियों की पढ़ाई और शैक्षणिक गुणवत्ता पर पड़ रहा है। पालकों का कहना है कि एक ओर शासन विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रहा है, वहीं दूसरी ओर गांधीटोला जैसे गांव के विद्यार्थी आज भी सुरक्षित कक्षाओं के अभाव में शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर हैं।

पालकों ने विधायक संजय पुराम से मांग की है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं शैक्षणिक हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विद्यालय के लिए नई पांच कक्षाओं के निर्माण को शीघ्र मंजूरी प्रदान की जाए तथा निर्माण कार्य के लिए आवश्यक निधि तत्काल उपलब्ध कराई जाए। जनसामान्य एवं शिक्षा से जुड़े प्रश्नों पर सकारात्मक भूमिका निभाने वाले विधायक संजय पुराम इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान देकर विद्यार्थियों के हित में शीघ्र ठोस एवं सकारात्मक कार्रवाई करेंगे, ऐसी अपेक्षा गांधीतोला के पालकों एवं ग्रामवासियों ने व्यक्त की है।

नंदिनी की मौत को 55 दिन, परिवार का सब्र टूटा, न्याय के लिए प्रशासन से भावुक गुहार

'हमारे घर की बेटी चली गई, सच्चाई कब सामने आएगी?': पिता प्रेमसिंग चौहान, भाई शरदकुमार व ठानसिंग चौहान की मांग; पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लेने की दी जानकारी

जगप्रेरणा आमगांव।

आमगांव तहसील के धामणगांव (कट्टीपार) निवासी 21 वर्षीय नंदिनी प्रेमसिंग चौहान की मौत की घटना को 5 जुलाई 2026 को 55 दिन पूरे हो गए। इतने दिन बीत जाने के बावजूद नंदिनी की मौत को लेकर परिवार के मन में कई सवाल कायम हैं।

परिवार लगातार मांग कर रहा है कि घटना की निष्पक्ष जांच कर पूरी सच्चाई सामने लाई जाए तथा यदि जांच में कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफकानून के अनुसार कार्रवाई की जाए।

नंदिनी की मौत के बाद उसके पिता प्रेमसिंग चौहान, भाई शरदकुमार चौहान और चचेरे भाई ठानसिंग चौहान ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। परिवार का कहना है कि उन्हें किसी के साथ अन्याय नहीं चाहिए, लेकिन उनकी बेटी की मौत की वास्तविक सच्चाई सामने आना बेहद जरूरी है।

'हमें किसी के साथ अन्याय नहीं चाहिए, लेकिन सच्चाई सामने आनी चाहिए'

नंदिनी के भाई शरदकुमार चौहान ने कहा कि बहन की मौत से पूरा परिवार गहरे सदमे में है। घटना के पीछे की पूरी सच्चाई निष्पक्ष जांच के माध्यम से सामने आनी चाहिए। यदि जांच में किसी व्यक्ति की भूमिका संदिग्ध या अपराध से संबंधित पाए जाने के पर्याप्त प्रमाण मिलते हैं, तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवार को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि जांच के माध्यम से सच्चाई और न्याय चाहिए।

पिता की भावुक मांग :'मेरी बेटी की मौत की सच्चाई जानना चाहता हूं'

नंदिनी के पिता प्रेमसिंग चौहान के लिए बेटी को खोने का दर्द शब्दों में बयां करना मुश्किल है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि उनकी बेटी की मौत के पीछे की वास्तविक वजह जांच के माध्यम से सामने लाई जाए। उन्होंने कहा कि परिवार ने अपनी बेटी को खो दिया है। अब उसकी मौत का सच सामने आना और परिवार को न्याय मिलना ही उनकी सबसे बड़ी अपेक्षा है। परिवार ने यह भी स्पष्ट किया कि जांच एजेंसी पर किसी प्रकार का दबाव नहीं डाला जाए, बल्कि उपलब्ध तथ्यों, साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर निष्पक्ष जांच कर कानूनी निष्कर्ष तक पहुंचा जाए।

ठानसिंग चौहान : 'परिवार के दर्द को प्रशासन गंभीरता से ले'

नंदिनी के चचेरे भाई ठानसिंग चौहान ने भी परिवार की ओर से न्याय की मांग की। उन्होंने कहा कि नंदिनी की मौत से पूरा परिवार सदमे में है और घटना से जुड़ी हर पहलू की जांच होना जरूरी है।

उनका कहना है कि जांच में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और सच्चाई जल्द से जल्द सामने आनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायालयीन निष्कर्ष से पहले किसी को दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए, लेकिन जांच में जो तथ्य सामने आएं, उनके आधार पर कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

आरोपी को हिरासत में क्यों नहीं लिया? सवाल पर पुलिस का स्पष्टीकरण..

परिवार की मांगों के बीच गोंदिया ग्रामीण पुलिस से संपर्क कर मामले में पुलिस का पक्ष जानने का प्रयास किया गया। पुलिस कर्मचारी नेताम मैडम ने बताया कि जांच के दौरान एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है और उसके खिलाफकानूनी प्रक्रिया शुरू है। संबंधित व्यक्ति का पीसीआर लेने की प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी भी उन्होंने दी। पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है। घटना की वास्तविकता तक पहुंचने के लिए विभिन्न पहलुओं की जांच की जा रही है। उपलब्ध साक्ष्यों और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने परिवार से शांति बनाए रखने और जांच में सहयोग करने की अपील की है।

55 दिन बाद भी परिवार की निगाहें जांच के निष्कर्ष पर..

नंदिनी की मौत को 55 दिन बीत चुके हैं। एक ओर परिवार जल्द से जल्द न्याय की मांग कर रहा है, वहीं पुलिस की ओर से एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर कानूनी प्रक्रिया शुरू किए जाने की जानकारी दी गई है। अब परिवार को जांच के अंतिम निष्कर्ष और नंदिनी की मौत से जुड़े पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आने का इंतजार है।

परिवार का कहना है कि उनकी मांग किसी व्यक्ति को पूर्वाग्रह के आधार पर दोषी ठहराने की नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच, सच्चाई की तलाश और कानून के दायरे में न्याय दिलाने की है।

अब पुलिस जांच में आगे क्या तथ्य सामने आते हैं, हिरासत में लिए गए व्यक्ति के संबंध में कानूनी प्रक्रिया किस दिशा में जाती है और नंदिनी की मौत का पूरा सच कब सामने आता है, इस पर आमगांव सहित गोंदिया जिले के नागरिकों की नजर बनी हुई है।

परिवार की स्पष्ट मांग..

'नंदिनी की मौत की सच्चाई सामने लाई जाए, जांच निष्पक्ष हो और जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाए, उसके खिलाफकानून के अनुसार कार्रवाई कर परिवार को न्याय दिया जाए।'

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विद्यालय में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन..

जगप्रेरणा सालेकसा।

हॉकी के जादूगर भारतरत्न मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के अवसर पर विद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पाठशाला की मुख्याध्यापिका श्रीमती संगीता मटानी एवं पर्यवेक्षक श्री मनीषराय मुक्ता द्वारा मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर की गई।

इस अवसर पर कु. अंजली संजय गंगभोज एवं कु. मेधा चुटे ने मेजर ध्यानचंद के जीवन एवं उनके खेल क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। वहीं कक्षा 9वीं 'बी' की छात्रा कु. खुशबू मार्वे ने विद्यार्थियों को खेल के प्रति शपथ दिलाई। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें रस्सी कूद, पास द बॉल चैलेंज, 100 मीटर दौड़ सहित अन्य खेल प्रतियोगिताएं शामिल थीं। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने सामुदायिक साइकिल राइड में भी उत्साहपूर्वक सहभाग लिया। इस अवसर पर पाठशाला की मुख्याध्यापिका श्रीमती संगीता मटानी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को खेलों के प्रति जागरूक रहने तथा खेलों को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं पर्यवेक्षक श्री मनीषराय मुक्ता ने विद्यार्थियों से शारीरिक फिटनेस बनाए रखने और नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने का विशेष आह्वान किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पाठशाला के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने सक्रिय सहभाग कर महत्वपूर्ण योगदान दिया। राष्ट्रीय खेल दिवस का यह आयोजन विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता पैदा करने वाला साबित हुआ।

चिल्लर की किल्लत से शहर बेहाल..

दुकानदार और ग्राहक आमने-सामन..

बाजार में सिक्कों का 'अकाल', टॉफी और चॉकलेट से हो रहा लेनदेन।

जगप्रेरणा आमगांव।

शहर के मुख्य बाजारों और रोजमर्रा की दुकानों में इन दिनों चिल्लर (सिक्कों) की भारी किल्लत देखी जा रही है। 1, 2 और 5, 10 रू. के सिक्कों एवं 10 के 20 के नोट की कमी के कारण दुकानदारों और ग्राहकों के बीच अक्सर विवाद की स्थिति बन रही है। हालात यहाँ तक पहुँच गए हैं कि दुकानदार खुले पैसों के बदले ग्राहकों को टॉफी या चॉकलेट थमा रहे हैं। **आम जनता की परेशानी:** लोग शिकायत कर रहे हैं कि ऑटो वाले और छोटे दुकानदार चिल्लर न होने की बात कहकर ज्यादा पैसे रख लेते हैं। स्थानीय दुकानदारों में किरण व्यापरी, होटल व्यवसाई, आदि व्यापारियों का कहना है कि बैंकों से पर्याप्त मात्रा में सिक्के व 10 के तथा 20 रुपये के नोट नहीं मिल रहे हैं, जिसके कारण उन्हें व्यापार करने में परेशानी हो रही है। **डिजिटल पेमेंट का विकल्प:** चिल्लर की कमी के कारण कई लोग डिजिटल भुगतान (UPI) की ओर रुख कर रहे हैं, लेकिन छोटे लेन-देन में अभी भी सिक्के पहली पसंद बने हुए हैं।

बोले रोहित गुप्ता..

हम इस समश्या के निवारण हेतु, स्थानिय राष्ट्रीय कृत बैंकों से संपर्क कर चिल्लर उपलब्ध कराने पर पूरी कोशिश करेंगे साथ ही पत्र व्हार कर रिर्जव बैंक से आमगांव में चल्लर उपलब्धता के लिए गुहार लगाएंगे, ताकि नागरिको को होने वाली समश्या से जल्द से जल्द छुटकारा मिल सके।

सरकार की योजनाओं की राशि और रक्षाबंधन से बाजार में बढ़ी रौनक..

दुकानों पर उमड़ी भीड़, ग्राहकों की चहल-पहल से दुकानदारों के खिले चेहरे..

जगप्रेरणा आमगांव।

रक्षाबंधन पर्व से पहले महाराष्ट्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की राशि लाभार्थियों के खातों में जमा होने तथा त्योहार का उत्साह बढ़ने से आमगांव के बाजार में रौनक लौट आई है। लाडली बहना योजना की राशि मिलने से महिलाओं में खरीदारी को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है। वहीं, कर्जमुक्ति योजना का लाभ मिलने से किसानों ने भी आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी के लिए बाजार का रुख किया है। भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व नजदीक आते ही बाजार में राखी, कपड़े, मिठाई, गिफ्ट तथा अन्य सामग्री की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ बढ़ गई है। खासकर महिलाओं और युवतियों में राखी एवं उपहारों की खरीदारी को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आवश्यकता के अनुसार सोने-चांदी की खरीदारी करने के आह्वान के बाद बाजार में आभूषणों की दुकानों पर भी ग्राहकों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिल रही है। सोने-चांदी के आभूषणों के साथ-साथ कपड़ा, बर्तन, गिफ्ट कॉर्नर, मिठाई एवं राखी की दुकानों पर भी खरीदारी बढ़ी है। त्योहार और विभिन्न सरकारी योजनाओं की राशि का बाजार पर सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। ग्राहकों की बढ़ती संख्या से व्यापारियों और दुकानदारों के चेहरे भी खिल उठे हैं। आगामी दिनों में रक्षाबंधन पर्व के चलते बाजार में और अधिक चहल-पहल बढ़ने की उम्मीद व्यापारियों द्वारा जताई जा रही है।

समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें
संजीव बापट गोंदिया
मो. 9922607145

आमगांव के आशीष पान सेंटर मे हुई चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के आमगाव पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 27/8/2026 के रात आमगाव मे फर्यादी प्रवीण राधेशाम मेंढे उम्र 31 वर्ष निवासी बनगाव का आशीश पान सेंटर दुकान होकर घटना की रात मे अज्ञात चोर ने पान दुकान का ताला तोड़कर चिल्लर और नगदी कुल 1 लाख 80 हजार रुपये चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे आमगांव मे अपराध क्रमांक 573/2026 धारा 305, 331, 4, बि एन एस 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच सपोनी निलेश डाबेराव पोस्टे आमगांव कर रहे है।

खेत से 98 हजार के झाड़ चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के अर्जुनी मोर पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 1/6/2026 से 4/6/2026 के दरम्यान घुसोबाटोला मे फर्यादी किशोर उद्धव नंदनवार उम्र 50 वर्ष निवासी सानगडी के खेत से आरोपी विजय डोमाजी मेंढे उम्र 45 वर्ष निवासी घुसोबाटोला ने 15 सागवान के झाड, 11 बेर के झाड, 4 नीम, 2 रोहन कुल 32 झाड किमत 98 हजार रुपये के झाड चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे अर्जुनी मोर मे अपराध क्रमांक 381/2026 धारा 303, 2, 324, 4, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोऊपनी रोहणकर पोस्टे अर्जुनी मोर कर रहे है।

बंद मकान से अज्ञात चोर ने उडाये लाखो के गहने मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 29/8/2026 के रात झुलेलाल कॉलोनी गोरेगाव रोड फुलचुर मे फर्यादी सुरेश कुमार हसानंद प्रित्यानी उम्र 61 वर्ष निवासी फुलचुर अपने परिवार के साथ गोंदिया आये थे। उसी रात अज्ञात चोर ने मकान मे प्रवेश कर अलमारी से सोने के गहने किमत 3 लाख 97 हजार 100 सौ रुपये और चांदी के गहने 15 हजार 372 रुपये के कुल 4 लाख 12 हजार 472 रुपये का माल चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे गोंदिया ग्रामीण मे अपराध क्रमांक 509/2026 धारा 305, अ, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोऊपनी सोनेवाने पोस्टे गोंदिया ग्रामीण कर रहे है।

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाऐं..
■ टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET) ■ इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI) ■ (IUI) आय.यू.आय. ■ अधिक उम्र में मातृत्व ■ ओव्हम डोनेशन द्वारा ■ बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना
■ पुरुष बंधत्व निदान व उपचार ■ शुक्राणु बैंक सुविधा ■ सोनोग्राफी ■ हार्मोस की जांच ■ हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज ■ दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस
प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

12 मंगलवार 01 सितम्बर 2026
जग प्रेरणा live गोंदिया भंडारा
● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

गोंदिया शहर में आवारा कुत्तों और गौ वंशों के कारण हो रही घटनाएं और दुर्घटनाएं..

आम नागरिकों की ओर से पंडित सुरेन्द्र शर्मा एवं प्रतिनिधिमंडल ने सौपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और पालतु गायों के सड़कों पर पड़े रहने के कारण आम नागरिकों और राहगीरों को हो रही परेशानी को लेकर प्रशासन से तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की को लेकर जिलाधिकारी एवं नगर परिषद के मुख्याधिकारी को पंडित सुरेन्द्र शर्मा, सुरज नशीने, प्रफुल जायसवाल, प्रितीश रामटेके एवं नरेश गजभिये ने एक प्रतिनिधिमंडल के

रुप में आम नागरिकों की ओर से ज्ञापन सौंपा और आवारा कुत्तों के नियंत्रण, नसबंदी तथा एंटी-रेबीज टीकाकरण अभियान चलाने की मांग के साथ ही पालतु गौ माताओं को सड़कों पर छोड़ दिये जाने के कारण गौ वंशों के मालिकों पर कानुनी कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञापन सौंपते हुए प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि शहर में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इनके कारण बच्चों, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों में भय का वातावरण बना हुआ है। कुत्तों के झुंड द्वारा रास्तों पर आने-जाने वाले नागरिकों का पीछा करने तथा काटने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। इसके अलावा सड़कों पर कुत्तों के अचानक दौड़ने से वाहन दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन में यह भी बताया कि रात में विशेषकर सुनी सड़कों पर जब आवारा कुत्तों का झुंड राहगीरों के लिये सबसे बड़ा रोड़ा बनता है, और कुत्ते जब यात्रीयों को काटने के लिये दौड़ते हैं, उनके लिये अपना बचाव करना मुश्किल हो जाता है।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन को यह भी जानकारी दी गई कि सड़कों पर बड़ी संख्या में गौ वंशों की जमावड़ा भी नजर आता है, जिसको हटाने के लिये कोई कार्रवाई नहीं की जाती। गौ वंशों के द्वारा सड़क को घेर लिये जाने, सड़कों पर बैठने के बाद वाहनों के हॉर्न बजाने पर भी नहीं हटने के कारण दुर्घटनाएं एवं घटनाएं हो जाती है, तथा कभी कभार भारी वाहनों द्वारा गौवंशों को भी चोटिल कर दिया जाता है। इस तरह की परिस्थितियों के कारण रात दिन राहगीरों को परेशानी होती है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि गोंदिया शहर में विशेष अभियान चलाकर आवारा कुत्तों एवं काटने वाले कुत्तों को तत्काल पकड़े जाने और गौवंशों के रास्ते पर पाये जाने पर पशु मालिकों पर भारी जुर्माना लगाये जाने तथा अपराध दर्ज करने की कार्यवाही की जानी चाहिये, साथ ही आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर रोक लगाने के लिये नसबंदी, एंटी-रेबीज टीकाकरण अभियान नियमित रूप से संचालित किया जाए। बीमार, आक्रामक अथवा अत्यधिक खतरनाक कुत्तों की पहचान कर उन्हें उचित व्यवस्था में रखे जाने का प्रबंधन किया जाना चाहिये। सार्वजनिक सड़कों पर पालतू कुत्तों को खुला छोड़ने वालों के खिलाफ भी प्रचलित नियमों के अनुसार जुर्माना एवं अन्य कार्रवाई की जानी चाहिये, तथा शिकायतों के निवारण के लिए हेल्पलाइन स्थापित कर शिकायतों का 24 से 48 घंटे के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने तथा पुलिस विभाग एवं प्रशासनिक विभागों के समन्वय से नियमित जनजागरूकता अभियान चलाने का आग्रह किया गया है।

आवेदन में स्पष्ट किया गया कि यह मुद्दा सीधे तौर पर नागरिकों के जीवन, सुरक्षा एवं सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ा है। यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में गंभीर दुर्घटनाएं अथवा जनहानि होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए प्रशासन से नागरिक सुरक्षा की दृष्टि से तत्काल एवं प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की गई है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय गोंदिया मे किया गया सेवानिवृत्त पुलिस कर्मचारियों का सत्कार..

जगप्रेरणा गोंदिया।

माह अगस्त 2026 में पुलिस विभाग में कार्य करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस कर्मचारियों का पुलिस अधीक्षक कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के हस्ते सत्कार किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के

शुभ हस्ते सेवानिवृत्त कर्मचारियों का परिवारसंहित शाल, श्रीफल व पौधे भेंट कर सेवानिवृत्त प्रमाणपत्र, शुभेच्छापत्र, स्मृतीचिन्ह व भेंट वस्तु देकर सत्कार किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी/अंमलदार ने उनके कार्यकाल में पुलिस विभाग में की गई सेवाओं के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किये, पुलिस अधीक्षक श्री गोरख भामरे ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के योगदान की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य के लिये शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक गोंदिया गोरख भामरे, के साथ हीसपोनि देवाजी नैताम तथा बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सहा. पुलिस निरीक्षक देवाजी नैताम ने किया, वहीं कार्यक्रम की सुलता के लिये पुलिस हवलदार लिओनार्ड मार्टिन, राज वैद्य, पोकॉ अतुल कोल्हाटकर व मपोकॉ पल्लवी गजभिये ने अथक परिश्रम किया।

यह हुए सेवानिवृत्त..

गौरतलब है कि अगस्त माह में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों का दिनांक 31/08/2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय गोंदिया में सेवानिवृत्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 1. पोउपनि / नामदेव हरीजी बनकर, अ.मा.व.प्र. कक्ष गोंदिया, 2. श्रेणी. पोउपनि/1075 ओमचंद श्रीराम दुनेदार, पोस्टे नवेगावबांध, 3. श्रेणी. पोउपनि/767 झिंगु पैकुजी मडावी, पोस्टे देवरी, 4. श्रेणी. पोउपनि/800 राजेंद्रसिंह धरमसिंह सोलंकी, पोस्टे सालेकसा,5. सफौ/529 हरिश्चंद्र पंढरीजी शेंडे, पोस्टे अर्जुनी/मोर, 6. सफौ/1178 मोहनलाल अर्जुन उईके, पो.मु.गोंदिया, 7. मपोहवा/1069 अनिसा जमील खान पठाण, पोस्टे देवरी, 8. पोहवा/405 जगदेश्वर नाजुकराम बिसेन, पो.मु.गोंदिया, 9. पोशि/1951 रामलाल गोविंदा किरसान, पोस्टे गोंदिया शहर इन समस्त पुलिस अधीक्षक अधिकारियों व कर्मचारियों का सपत्नि एवं सपरिवार सत्कार किया गया।

ग्राम कवलेवाडा में 'भारतीय विधवा महिला फाउंडेशन' की बैठक में 5000 मासिक पेंशन किये जाने की उठी मांग..

रुपाली उके के नेतृत्व में संगठन विस्तार और विधवा व एकल महिलाओं के उत्थान के लिए लिये गए निर्णय..

जगप्रेरणा गोंदिया।

भारतीय विधवा महिला फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष की जन कल्याणकारी योजनाओं और स्पष्ट निर्देशों के तहत, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ की प्रभारी तथा राष्ट्रीय सचिव कुमारी रूपाली यादोराव उके के नेतृत्व में गोंदिया जिले के हर तालुका और गांव-गांव में संगठन निर्माण का अभियान तेजी से चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में, राष्ट्रीय अध्यक्ष की मंशा को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए गोंदिया जिला अध्यक्ष कुंदा चंद्रिकापुरे की सक्रियता और गोरेगांव तालुका अध्यक्ष मालती रहागडाले के मार्गदर्शन में, स्थानीय प्रतिनिधि चेतना पटले के विशेष सहयोग से ग्राम कवलेवाडा स्थित संत बह्मा बाबा देवस्थान परिसर में एक विशाल बैठक का सफल आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में ग्राम पंचायत कवलेवाडा की सरपंच शकुंतला ताई कटरे और ग्राम पंचायत सदस्य कुंतन ताई पारधी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

यह उठी मांग..

बैठक में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि सरकार विधवा एवं एकल महिलाओं को मिलने वाली नाममात्र की सहायता राशि की जगह कम से कम रुपये 5,000 मासिक पेंशन प्रदान करे, ताकि वे किसी पर निर्भर रहे बिना आत्म-सम्मान के साथ जीवन जी सकें।

महिलाओं को संबल और सुरक्षा देना लक्ष्य..

वक्ताओं ने कहा कि समाज में उपेक्षित और पीड़ित महिलाओं की सुध लेने वाला कोई नहीं होता। इसी सामाजिक अकेलेपन और बेबसी को खत्म करने के लिए भारतीय विधवा महिला फाउंडेशन गांव-गांव जाकर महिलाओं को संगठित कर रहा है।

संकट की घड़ी में साथ..

संगठन के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि संगठन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में किसी भी विधवा या पीड़ित महिला को अकेले संघर्ष न करना पड़े। संकट के हर समय संगठन उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ा रहेगा।

प्रमुख उपस्थिति..

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सचिव कुमारी रूपाली यादोराव उके, जिला अध्यक्ष कुंदा चंद्रिकापुरे, गोरेगांव तालुका अध्यक्ष मालती रहागडाले, चेतना पटले, ग्रामीण अध्यक्ष पदमा उके, ग्राम पंचायत कवलेवाडा की सरपंच शकुंतला ताई कटरे, ग्राम पंचायत सदस्य कुंतनताई पारधी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण एवं महिलाएं प्रमुखता से उपस्थित रहीं।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप मे जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

गोंदिया शहर में दैनिक जगप्रेरणा की प्राप्ति हेतु संपर्क करें..
जग प्रेरणा
चौरसिया पान सेंटर
जय स्तंभ चौक बस स्टॉप, गोंदिया
मो. 08806083231

- सूचना -

यदि आपको प्रतिदिन दैनिक जगप्रेरणा समाचार पत्र नहीं मिल रहा हो तो कृपया दिनेश उके से मोबाईल नंबर 98605 58902 पर संपर्क करें।

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..

दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं। कृपया संपर्क करें.. मो. 9329033433

दुलीचंद मेश्राम की राष्ट्रीय नवोदय विद्यालय ताईक्वांडो प्रतियोगिता हेतु टेक्निकल डायरेक्टर के रूप में नियुक्ति..

जगप्रेरणा गोंदिया।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से संबद्ध नवोदय विद्यालय समिति और जवाहर नवोदय विद्यालय, डोंगरगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय नवोदय विद्यालय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन किया गया है।

यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता दिनांक 01 से 03 सितंबर 2026 के दौरान जवाहर नवोदय विद्यालय, डोंगरगढ़, जिला - राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) में होगी। इस प्रतियोगिता में देशभर के सभी नवोदय विद्यालयों के चयनित खिलाड़ी भाग लेंगे। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए गोंदिया के अंतर्राष्ट्रीय ताईक्वांडो रेफरी व प्रशिक्षक दुलीचंद मेश्राम को टेक्निकल डायरेक्टर के रूप में नियुक्त किया गया है। विशेष बात यह है कि यह प्रतियोगिता अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके आयोजित की जाएगी, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक सेंसर स्कोरिंग सिस्टम का उपयोग किया जाएगा। इसलिए प्रतियोगिता पूरी तरह से हाईटेक तरीके से संपन्न होगी। दुलीचंद मेश्राम जैसे अनुभवी अंतरराष्ट्रीय रेफ्री का टेक्निकल डायरेक्टर के रूप में चयन होने से प्रतियोगिता के स्तर में वृद्धि होगी। उनकी नियुक्ति पर ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ महाराष्ट्र, मुंबई के अध्यक्ष डॉ. अविनाश बारगजे, उपाध्यक्ष शिवछत्रपति राज्य क्रीड़ा पुरस्कार विजेता प्रवीण बोरसे, नीरज बोरसे, महासचिव तथा शिवछत्रपति राज्य क्रीड़ा पुरस्कार विजेता मिलिंद पठारे, कोषाध्यक्ष वेंकटेश कर्रा, सहसचिव सुभाष पाटिल, कार्यकारिणी सदस्य अजित घाडगे, सतीश खेमसकर तथा जिले के खेल शिक्षकों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने उनका अभिनंदन कर शुभकामनाएं दी हैं।

दी महिला अर्बन को-ऑप. बैंक की वार्षिक आमसभा 6 सितंबर को..

अध्यक्षा माधुरी नासरे ने की सभी सभासद बहनों से उपस्थिति की अपील..

जगप्रेरणा गोंदिया।

दी महिला अर्बन को-ऑप. बैंक लिमिटेड, गोंदिया की सन 2025-26 की वार्षिक आमसभा आगामी 6 सितंबर 2026, रविवार को दोपहर 12.30 बजे स्वागत लॉन, गणेश नगर, गोंदिया में आयोजित की जाएगी। बैंक की अध्यक्षा डॉ. माधुरी योगेश नासरे ने सभी सभासद बहनों से आमसभा में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

बैंक की ओर से जारी सूचना के अनुसार, सक्रिय सभासद बनने के लिए जिन सभासदों के शेयर की राशि 100 रुपये है, उन्हें शेयर की राशि बढ़ाकर 1,000 रुपये करनी होगी। साथ ही बैंक में खाता खोलकर 3,000 रुपये तक राशि जमा रखना आवश्यक बताया गया है। प्रत्येक पांच वर्ष में कम से कम एक बार आमसभा में उपस्थित रहना भी अनिवार्य है। बैंक की ओर से आमसभा की सूचना एवं अहवाल सभी भागधारकों को भेजे गए हैं। जिन भागधारकों को सभा की सूचना प्राप्त नहीं हुई है, वे भी इसे सूचना मानकर आमसभा में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है। आमसभा के पश्चात सभासदों के लिए शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। बैंक प्रबंधन ने सभी सभासद बहनों से इस कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की है।

दरियां ◆ मैटिंग्स ◆ कारपेट्स ◆ डोरमेट्स ◆ शॉल
ब्लैंकेट्स ◆ स्कूल की भोजन पतियों ◆ ताड़पत्री
मच्छरदानी ◆ ग्रीन नेट ◆ चादरे
बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी
हैंडलूम हाउस
ग्रीन नेट | कारपेट्स | ताड़पत्री | डोरमेट्स | ब्लैंकेट्स | बेड शीट्स
उत्तम क्वालिटी वाजिब दाम हमारी पहचान
9890696200
होम डिलीवरी की सुविधा
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया | थोक व चिल्लर विक्रेता

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com